

https://t.me/UPSCPDF
Download From > www.UPSCPDPDF.com/t.me/UPSC_PDF

OXFORD

ब्रह्मांड

सौर मण्डल का उद्भव 46,000 लाख वर्ष पूर्व हुआ था। यह आकाश गंगा के ओरियन (मुग) शाखिका में स्थित है, जो केन्द्रीय उभार से दोतिहाई की दूरी पर है तथा आकाश गंगा के केन्द्र से 27,000 प्रकाश वर्ष दूर है। सौर मण्डल को आकाश गंगा का परिप्रमाण करने में लगभग 2,200 लाख वर्ष का समय लगता है।

सौर ग्रहों को भीतरी क्रम में विबाजित किया जा सकता है, जिसमें चार ठोस लघु ग्रह हैं, जिनकी संरचना पृथ्वी से मिलती-जुलती है। बाहरी क्रम में चार बड़े ग्रह हैं, जिन्हें 'ैस जायन्ट्स' कहते हैं, तथा जिनके कई छल्ले एवं ग्रह हैं। 'ैस जायन्ट्स' मुख्यतः हाइड्रोजन, हिलियम, हिमीधूत जल, अमोनिया, मीथेन और कार्बन-डायऑक्साइड से बने हैं। कुबेर ग्रह (प्लूटो) किसी क्रम में नहीं आता, किंतु सौर मण्डल के छोर पर वह एक धूमकेतु (वर्फ एवं चट्टान) के समान है, परन्तु कुबेर ग्रह एक विशाल धूमकेतु है न कि एक ग्रह। इसकी संरचना एक धूमकेतु (वर्फ एवं चट्टान) के समान है, जिसमें उसका परिक्रमा पथ अन्य धूमकेतुओं और ग्रहों से भिन्न है। इन दो ग्रहीय क्रमों के मध्य में तारकाय पड़ी है, जिसमें विभिन्न आकार के चट्टान खंड होते हैं।



ग्रह सारिणी

ग्रह	सूर्य से औसत दूरी (लाख कि. मी.)	परिक्रमण समय	व्यास (कि. मी.)	उपग्रहों की संख्या
बुध	5.79	88.0 दिन	4,879	0
शुक्र	10.82	224.7 दिन	12,104	0
पृथ्वी	14.96	365.3 दिन	12,756	1
मंगल	22.79	687.0 दिन	6,787	2
बृहस्पति	77.84	11.86 वर्ष	142,800	64
शनि	142.67	29.46 वर्ष	120,660	62
अरुण	287.10	84.01 वर्ष	51,118	27
बरुण	449.87	164.8 वर्ष	49,528	13

कुबेर ग्रह एवं प्लूटॉइड्स

कुबेर ग्रह (प्लूटो) जो 1930 से एक ग्रह माना गया था, 24 अगस्त 2006 में अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (आई. ए. यू.) द्वारा 'कुबेर ग्रह' के तौर पर पुनः वर्गीकृत किया गया है।

आई. ए. यू. के अनुसार, कुबेर ग्रह निम्न मानकों को पूरा करते हैं:

- वह सूर्य की ओर परिक्रमा पथ में होता है।
- स्वतः गुरुत्व के लिए उसके पास पर्याप्त वजन होता है जिससे वह ठोस भौतिक ऊर्जा का समान का द्रवस्थैतिक संतुलित (लगभग गोलाकार) आकार में रहता है।
- अपने परिक्रमा पथ के चारों तरफ के प्रतिवेश को निर्विच नहीं करता है।
- वह किसी ग्रह या अन्य अतारकीय पिंड का उपग्रह नहीं होता है।

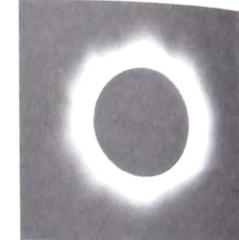
'कुबेर ग्रह' शब्द को अभिहित करने के दो वर्ष पश्चात् आई. ए. यू. ने कुबेर (प्लूटो) जैसे अन्य समान परा-वर्णण कुबेर ग्रहों को 'प्लूटॉइड्स' कहने का निश्चय किया। यद्यपि, सारे कुबेर ग्रह प्लूटॉइड्स नहीं होते हैं। वर्तमान में, चार खगोलीय पिंडों को आई. ए. यू. ने कुबेर ग्रह के रूप में पुनर्परिभाषित किया है, जिसमें तीन प्लूटॉइड उपत्रेणी के सदस्य हैं। इरिस, प्लूटो और नवीनतम योग मेकेमेक को प्लूटॉइड्स के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, तथा सिरिस को कुबेर ग्रह की श्रेणी में ही रखा गया है।

सूर्य

सूर्य उष्ण गैस का विशाल गोला है, जो पृथ्वी से 1,500 लाख किलोमीटर की दूरी पर है। इस दाहन गैस के गोले के तल का तापमान $5,500^{\circ}$ से है, और अंतरिक तापमान अकल्पनीय 156 लाख डिग्री से होता है। सूर्य इतना विशाल है कि इसमें दस लाख से अधिक पृथ्वी समा सकती है।

सूर्य की भीतरी संरचना में सम्मिलित है-आंतरिक, विकिरण क्षेत्र, संवहन क्षेत्र तथा प्रकाश मंडल।

सूर्य के प्रकाश मंडल में प्रक्षेप है जो पृथ्वी से दूर है। यह प्रक्षेप सूर्य कंलक, सौर भासक, सौर ज्वाला और छोटे गैस खंड (ग्रैन्यूल्स) के स्वरूप में विदित हैं। सूर्य प्रति सेकंड चालीस लाख टन हाइड्रोजन उपभोग करता है। यह इतना विशाल है कि इस सिनारे में अगले पाँच सौ करोड़ वर्ष तक चमकने के लिए पर्याप्त ईंधन है।



कोरोना सूर्य के वायुमंडल का वाद्यतम भाग है, जो केवल सूर्य ग्रहण के समय दृश्य होता है।

चन्द्रमा की कलाएँ

पृथ्वी के संबद्ध अपनी बदलती अवस्थितियों के कारण, मास के भिन्न समय पर चन्द्रमा की भिन्न आकृतियाँ होती हैं। इन भिन्न आकृतियों को चन्द्रमा की कलाएँ कहते हैं। एक पूर्ण चन्द्रमा एवं अगले पूर्ण चन्द्रमा के अंतराल का समय 29.5 दिवस है।



ज्वार-भाटा

नवीन चन्द्रमा और पूर्ण चन्द्रमा कलाओं में, जब चन्द्रमा एवं सूर्य पृथ्वी के साथ एक पंक्ति में होते हैं, तब ज्वार-भाटे उच्चतम शीर्ष पर होते हैं और उन्हें 'स्प्रिंग टाइड' या 'बृहत् ज्वार' कहते हैं।

प्रथम पक्षार्द्ध तथा अंतिम सूर्य

पक्षार्द्ध में सूर्य और चन्द्रमा

समकोण होते हैं जिससे

चन्द्रमा का गुरुत्वाकर्षण से

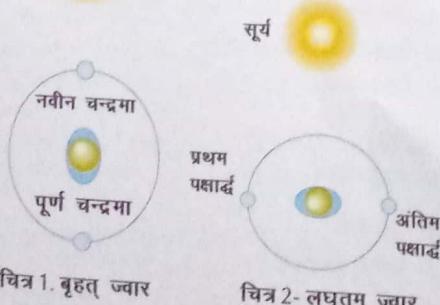
आंशिक रूप से निरसित

हो जाता है तथा ज्वार-भाटे

अपने न्यूनतम स्तर पर होते हैं

और उन्हें लघुतम ज्वार

कहते हैं।



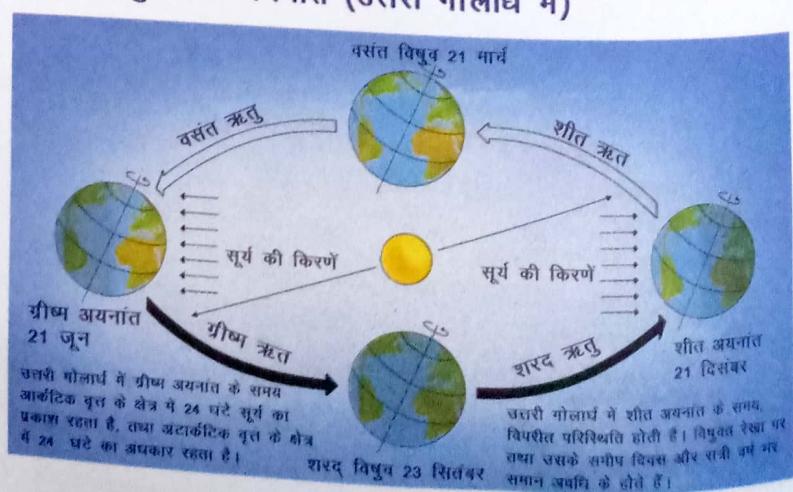
चन्द्रमा विषयक तथ्य

- पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह
- पृथ्वी से दूरी - 384,400 किमी
- व्यास - 3,476 किमी
- वजन - पृथ्वी का 0.0123 वजन
- तल गुरुत्व - पृथ्वी का 0.165 गुरुत्व
- धरती के परिक्रमण की अवधि (एक पूर्णिमा से अगली पूर्णिमा तक का अंतराल) - 29.53 दिवस या 709 घंटे
- तल तापमान - 120° से उच्चतम से -163° से रात्रि में

चन्द्र सतह



ऋतुएँ, विषुव और अयनांत (उत्तरी गोलार्ध में)

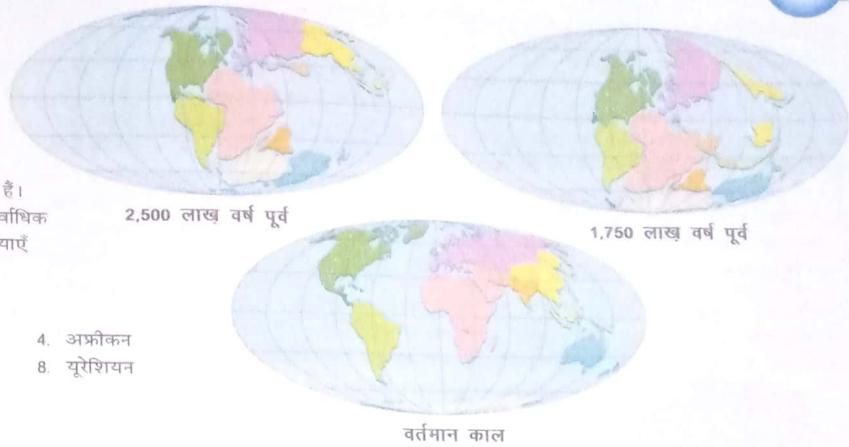


महाद्वीपीय प्रवाह

पृथ्वी की भूपर्फीटी ही एकमात्र अविरत परत नहीं है। एक चित्र खंड प्रहेलिका की तरह यह अनेक बहुत खण्डों से बनी है। प्रत्येक खंड को 'भूपर्फीटी एलेट' कहते हैं। पिछली चट्ठानों के प्रवाह घरती के मैन्टल (आवरण) से ऐसे बाहर निकलते हैं जैसे सॉसपैन में उबलता पानी। यह संवाहन कीशिकाएँ बनाते हैं जो लेटों को हलचल को संचालित करता है जिससे वह निरंतर एक दूसरे से परे या एक दूसरे की ओर गतिशील रहते हैं। भूतपूर्ण हलचल सीमांत प्लेटों पर होती है, जिनमें सर्वाधिक घटित होती है।

भूपर्फीटी एलेट 10 प्रकार की होती हैं:

- | | |
|-------------------|-----------------|
| 1. प्रशांतीय | 2. अंटार्कटिक |
| 5. दक्षिण अमेरिकी | 6. नाजका |
| 9. कोकास | 10. ऑस्ट्रेलियन |
| 3. भारतीय | 4. अफ्रीकीन |
| 7. उत्तर अमेरिकी | 8. यूरोपियन |



बहुत चित्र खंड प्रहेलिका

एल्फ्रेड वेगनर (1880-1930), जर्मनी के मौसम विज्ञान और भौवैज्ञानिक थे तथा उन्होंने महाद्वीपीय प्रवाह के सिद्धांत को प्रस्तावित किया था। अपनी किताब, 'महाद्वीपीय एवं महासागर का उद्भव' में उन्होंने यह परिकल्पन किया था कि 2000 लाख वर्ष पूर्व, महाद्वीप मूलभूत रूप से समायोजित हुए थे जिससे एक बहुत अधिमहाद्वीप बना था। उन्होंने इस बहुत अधिमहाद्वीप को 'पैन्जिया' का नाम दिया जिसका अर्थ है 'समस्त-पृथ्वी'। पैन्जिया प्लेटों में विभक्त हुआ जिससे उत्तर में यूरेशिया तथा दक्षिण में गोडवानालैंड की संरचना हुई है। इसके अतिरिक्त करोड़ों वर्षों से अधिक समय में हुई विभक्तियों से वर्तमान में विदित महाद्वीपों की संरचना हुई है। वेगनर की धारणा मूलभूत रूप से आधासी चित्र खंड प्रहेलिका उपयुक्तता पर निर्धारित है। महाद्वीप चित्र खंड प्रहेलिका के वह खंड प्रतीत होते हैं जो सही उपयुक्तता में जुड़कर एक बहुत अधिमहाद्वीप बनाते हैं। अफ्रीका का उभार उत्तर अमेरिका के तट के आकार में उपयुक्त है तथा ग्राजील अफ्रीका के तट में, जो इस उभार के नीचे है, उपयुक्त रहता है। सीमांत टीलों के तीन प्रकार हैं:

अपसारी सीमांत में टीले एक दूसरे से पृथक होते हैं, तथा मैग्मा पृथ्वी के मैन्टल (आवरण) में से होकर दरार (विद्युत ज्वालामुखी) से स्वाक्षित होता है जिससे महासागर की द्रोणी और विस्तीर्ण होती है। इसे समुद्रांतल विस्तारी कहते हैं।

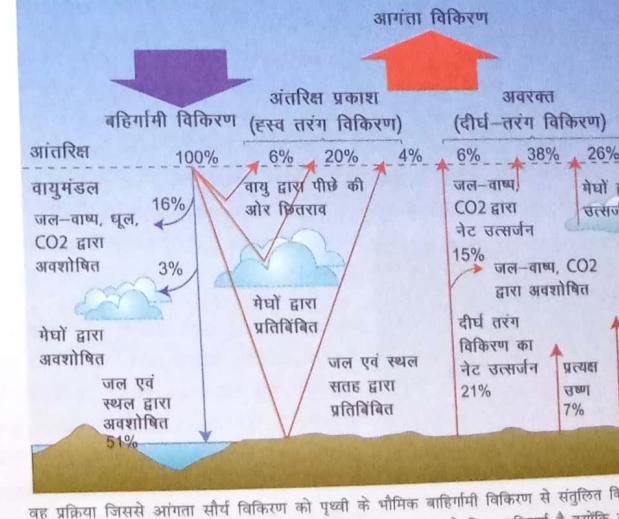
अभिसारी सीमांत में एलेट एक दूसरे की ओर सरकते हैं परंतु ऐसा करने के लिए एक एलेट को सतह में गोता लगाकर आवरण (मैन्टल) के अंदर मृदु-क्षेत्र के छोर में घुसना पड़ता है। इस हरकत से गहन-सागरीय खाइयाँ बनती हैं। अभिसारी सीमांतों से पर्वत मालाएँ व विस्फोटक ज्वालामुखियाँ निरूपित होते हैं।

रूपातरित सीमांत लब बनती है जब एलेट एक दूसरे के ऊपर से फिसलती है और आदर्शत इसमें न्यूनतम हरकत या कोई ऊर्ध्व हरकत नहीं होती है। अधिकतर रूपातरित सीमांत समुद्र-तल के नीचे ही पाए जाते हैं इसलिए यह आसानी से दृश्य नहीं होते। कैलिफोर्निया का सैन एन्ड्रियस भैंश एक रूपातरित सीमांत है। अनुमानत एलेट 1 से 10 सेमी प्रति वर्ष की वेग से हरकत करते हैं।

आंतरिक पृथ्वी



पृथ्वी का उष्ण-व्ययक



शैल तथा खनिज

शैल उन पदार्थों को कहते हैं जिससे पृथ्वी की रचना हुई है। इनमें ढीले और असंगठित बालू की तह के साथ कठोर, ठोस पदार्थ भी सम्मिलित हैं जिससे स्थलमंडल बनता है।

शैल अपनी संरचना के कारण तीन प्रकार के होते हैं - आग्नेय शैल, अवसादी शैल तथा रूपातरित शैल। खनिज शैल के निर्माण सामग्री माने जाते हैं। कुछ शैल में केवल एक खनिज होता है तथा अन्य शैल में कई खनिज हो सकते हैं।



पृथ्वी के भीतर से निकली हुई मैमाया तरल चट्ठानों के ढण्डा होकर जम जाने से बनने वाले आग्नेय शैल पहले शैल हैं। उदाहरण: ग्रेनाइट, बर्सॉल्ट।



अवसादी (स्ट्रिट या परतदार) शैल एक लाले अंतराल में एकत्रित हुए अवसाद या तलछट से बनता है। उदाहरण: बलुआ पत्थर और स्लेट।

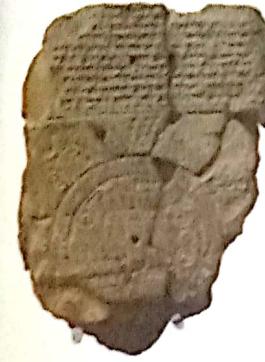


अत्यधिक गर्मी एवं/या दाढ़ के कारण कोई शैल परिवर्तित होता है तो उसे रूपातरित कहते हैं। उदाहरण: ग्रैनाइट (कोयले से परिवर्तित स्पैटिक) (बलुआ पत्थर से परिवर्तित)।

मानवित्र कला का इतिहास

मानवित्र कला का इतिहास 5,000 वर्ष से अधिक पुरावा होता है। यहांसे प्राचीन विदित मानवित्र बैबिलोन के विवरणों द्वारा, 2300 वर्ष ईसा पूर्व, शिरों की रिक्काजों से विनिर्माण हो गई थी (चित्र 1)। मानवित्र बनाने की प्राचीन काशिया कार्बों सीमान्तरी से क्योंकि उन्हें केवल मानवित्र आवश्यकी होती है। एक मानवित्र को प्राचीन काल के सदर्शन में परिचालित करना बहुत कठिन है। लगभग 6200 वर्ष ईसा पूर्व केवल बृहत्, असांख्यिकी में एक भिन्न वित्र बनाया गया था जिसमें गिरिजों और घोंसे की स्थिति को दर्शाया गया है तथा उसके प्रतिवेश में स्थित अवालम्बनी को भी दिखाया गया है। यह एक मानवित्र है जो केवल एक औरी विकला है, यह विवाद संघर्ष है। प्राचीन मानवित्र शारीरिक रिदालों को भी दृष्टिविधित करते हैं।

सबसे पहला प्राचीन यूपांडी व्यक्तिन जिसने विश्व का मानवित्र बनाया था यह अतार्थियाँ-द्वारा था। उसका जन्म 610 वर्ष ईसा पूर्व माइक्नेयर (वर्तमान में तुर्की) में तथा मृत्युन 540 वर्ष ईसा पूर्व में हुआ था। दुर्भाग्यवश यह मानवित्र अब खो नहीं है। प्रमुख दार्शनिक और गणितज्ञ पाइथागोरस, अस्ट्रोटल, इग्नोटोल्योन और हियार्क्स ने प्राचीन मानवित्र करना के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान किया था।



चित्र 1: गिरि जो बैबिलोन के जीतों का वित्र

मानवित्र कला में अतिम द्वारीन यूपांडी योगदान, जिसे अन्यत्र महत्वपूर्ण माना जाता है, एक विश्वान गणितज्ञ ने किया था। यस 140 में टॉल्यामी ने अपनी प्रधान कार्य, 'गाइड द ऐंग्रेज़' की आठ पुस्तकों में, विदित विश्व को मानवित्र करने का प्रयाम किया था जिसमें उन्होंने प्रमुख मानवित्र के निर्देशक दिए थे जो मुख्य अवाश तथा देशान्तर हैं (चित्र 2)। 2)। तथ्य इकड़है करने की उनकी प्राचीन पदानि के कारण उनके मानवित्र उन्हें यथार्थ नहीं थे परन्तु पिछले प्राचीन मानवित्रों से इनमें महत्वपूर्ण प्रगति हुई थी। यथार्थ विश्व मानवित्र के वित्रित होने में कृष्ण महम्य वर्ष और खोय थे।

मन 1500 से फ्लैटिन्स, बैलियर्ड के एक प्रमुख मानवित्रकर जाराईस मर्केटर ने एक मानवित्र दृश्य प्रिक्सिल बिल्डिंग किया और विश्व मानवित्र आर्मेडिल किया (चित्र 3)। मर्केटर ने कई नवीन मानवित्र और रक्षाव बनाए, परन्तु मानवित्र कला में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान था 'मर्केटर प्रफ़र'।

इसके पश्चात्, कई प्रमुख यूपांडीय एवं एशियाई मानवित्रकरों ने मानवित्र करना की तकनीकों को विकसित किया, जिसमें मानवित्र सरकना और भिन्न वैज्ञानिक मौकेश्वरण तकनीक, यशों और प्रतिवेशों के अविकार का मार्ग प्रशस्त हुआ। इन विकासों के अतिरिक्त, नवीनतम अध्ययन धैर्य जीसे ग्लोबलिस्ट्री, भूविज्ञान, मौसम विज्ञान, जीव विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान के समावेश में ज्ञान का विकास हुआ और विषयक मानवित्रकला का उदय हुआ।

जैसे-जैसे विश्व प्रगति की ओर अप्रसर होता गया, अजात विदित और मर्केटिंग हुए। सम्बन्ध में पृथ्वी के बिन्दु को अपने नवीन आवासों, नवीन प्रानों, महुको, रेलवे, नहरों, भूमि सुधारों जैसे कृषि अदित से परिवर्तित किया। ये सभी विश्ववित्रन निवन्त्रमान मानवित्रों में प्रतिविधित होने लगे हैं।

आधुनिक मानवित्रकला का युग: सुदूर संवेदन (रिपोर्ट सेसिंग) तथा**भौगोलिक सूचना पद्धति (जी आई एस)**

वीसवीं सदी में, यायुयान के अविकार के पश्चात् उपग्रहीय सुदूर संवेदन तकनीक ने मानवित्र कला में एक नया आयाम जोड़ दिया है एवं सुदूर संवेदन में इसके कार्य धोरण को विवरीय बनाया है। इसमें पृथ्वी का नीत्र दृष्टि परामर्श होता है तथा जीमीनी तथ्य के पारपरिक तिरीकों में आवश्यक समय एवं धन की बचत होती है।

मोहे तोर पर, सुदूर संवेदन यह पापन या अभिप्राण प्रक्रिया है जिसमें विना भौतिक या आवश्यक संपर्क के किसी वर्ग या प्रतिमास के विषय में कोई जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह किसी यत्र (जैसे किसी यायुयान, अतिरिक्त-यान, या जहाज में) का एक फायदे से उपयोग है, जिसमें पर्यावरण के विषय में जानकारी ली जाती है। इस तकनीक में कई सारे यंत्रों जैसे कैमरे, लेन्स, रेलवे, गोला, भूक्यू लेन्सी या गुरुत्वाकारी आदि का उपयोग किया जाता है। आधुनिक सुदूर संवेदन में साधारणतः डिजिटल (अंकीय) प्रणाली सम्मिलित होती है परन्तु इसके विना भी यह संभव है।



चित्र 4: उत्तरी माले एर्टील (मालवी) का एक यायव छाया वित्र

वायव (रियल) छाया वित्र सुदूर संवेदन का मूलभूत रूप है। वायव छाया वित्र को उम छाया वित्र की तरह परिभासित किया जा सकता है जिसे यायुयान से एक विशेष कैमरे (विशेष: वायुयान उपयोग हेतु) द्वारा वित्रित किया जाता है (चित्र 4)।

ये विश्व यूद्धों के कारण वायव छाया वित्र की आवश्यकता मैन्य प्रयोजनों के लिए पड़ी। भारत में

मन 1920 से वायव छाया वित्र को वायव मंडेक्षण तथा विशिष्ट धोत्रों जैसे स्थलाकृतिक मानवित्रण, भौमिकी, अधिवासिकी, पर्यावरण अध्ययन तथा तेल एवं खनिज अन्वेषण आदि के व्याप्ति हेतु उपयोग किया जा रहा है।

मापक

मानवित्र की यथार्थ रूप से पहने के लिए मापक अनिवार्य होते हैं। मापक पृथ्वी पर की दो विदुओं (थायानों) की यासांकिक दूरी तथा मानवित्र पर उन्हीं की विदुओं (थायानों) की यासांकिक दूरी को अनुपात को प्रदर्शित करता है। मापक तीव्र प्रकार से अधिव्यवत होते हैं:

1. प्रातिनिधिक खंड (आर एफ)

इसमें दूरी मापन की इकाईयां वास्तविक रूप से एवं मानवित्र में समान होती हैं। यह सदा अनुपात में अधिव्यवत होता है। उदाहरण-1 100,000, जिसमें मानवित्र में 1 सेमी 100,000 सेमी दर्शाता है अथवा 1 इंच=100,000 इंच।

2. लिखित विवरण

इसमें मापन प्रणाली स्पष्ट वर्णित होती है। उदाहरण-1 सेमी=1 किमी अथवा 1 इंच=1 मील।

3. आलेखी प्रणाली

इस प्रणाली में रेखक के अंतर से जिति नापक को दर्शात किया जाता है। उदाहरण-1 सेमी=1 किमी अल्पा 110,000। किसी रेखक का एक 15 सेमी का खंड 15 किमी को प्रस्तुत करता है।

किमी 1	0	1	2 किमी
--------	---	---	--------



चित्र 2: टॉलमी द्वारा संकलित विश्व मानवित्र



चित्र 3: जाराईस मर्केटर द्वारा आरेडित सम्पूर्ण विश्व का प्रथम मानवित्र



वर्ष 1970-1980 में विकसित उपग्रह तकनीक से उपग्रह द्वारा सुदूर संवेदन प्रणाली ने शोधकर्ताओं, मानवित्रकरों तथा सामान्य उपभोक्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। किसी अतिरिक्त यान में प्रयुक्त संवेदकों जैसे स्कैनर और विशिष्ट रूप से निर्मित कैमरों द्वारा अतिरिक्त संवेदकों से ली गई पृथ्वी के वृहिम्यक का छायाचित्रण उपग्रह प्रतिमावली (चित्र 5) कहा जाता है।

सुदूर संवेदक प्रणाली, निरीक्षित वस्तु में उत्सर्जित या प्रतिविधित विद्युत-चुंबकीय विकिरणों का उपयोग कर एवं पृथ्वी के वृहत् शेषफल को मापित करती है। उपग्रह प्रतिमावली को विस्तृत रूप से अनुप्रयुक्त किया जा सकता है तथा ये वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा मानवित्रकरों द्वारा मानवित्रण, नगरीय एवं ज्ञानीय योजना वित्रण, कृषि, तेल एवं खनिज अन्वेषण आदि में व्यापक उपयोग किया जाता है।

पारपरिक मानवित्रण में मानवित्रों द्वारा सूचना दोनों को प्रदर्शित किया जाता था, परन्तु भौगोलिक सूचना पद्धति (जी आई एस) में तथ्य, विश्लेषण तथा प्रदर्शन, विश्लेषण तथा भू-संदर्भी तथ्यों के प्रदर्शन या सूचना हेतु विभिन्न घटजों, जैसे कप्यूटर हार्डवेयर, अंकीय (डिजिटल) आकांक्षा, मानव संसाधन तथा सम्पादनाएं आदि का उपयोग सम्मिलित है। आधुनिक मानवित्रण मुख्यतः जी आई एस पर अंकित है जो सुन्दर कॉम्प्यूटर-आधारित आकांक्षे और मानवित्र प्रदान करता है।

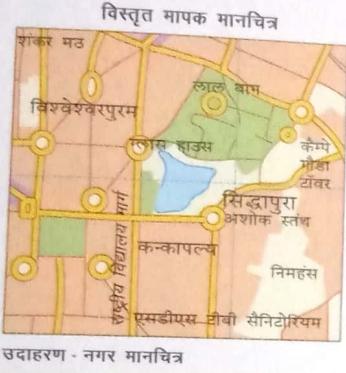
मानवित्र और ग्लोब

मानचित्र, गोलाकार पृथ्वी या बास्तविक विश्व का, सपाट फलक पर आलेखी चित्र है। पृथ्वी का स्वरूप, ऊपर से दिखने पर कैसा विदित होगा, यह मानचित्र पर हमें दिखता है। स्थल के किसी स्वरूप को उसकी बास्तविक स्थिति में, या तो अक्षांश और देशांतर रखताओं द्वारा, या किसी पृथक् या अन्य आकृतियों से संबद्ध कर दर्शाना ही मानचित्र का मुख्य उद्देश्य है।

गलोब पृथ्वी के सतह को इसके यथार्थ गोला, कार रूप में निरूपित करता है जिसमें महाद्वीपों एवं अन्य आकृतियों को समान मापक में तथा उसके वास्तविक आकार एवं क्षेत्रफल में दर्शाया जाता है।

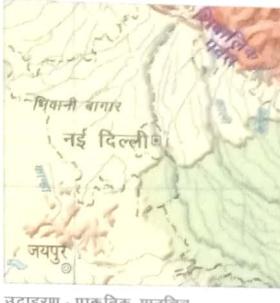


मापक पर आधारित



मानचित्र के प्रकार

मानचित्र में विस्तृत वर्णन पर आधारित



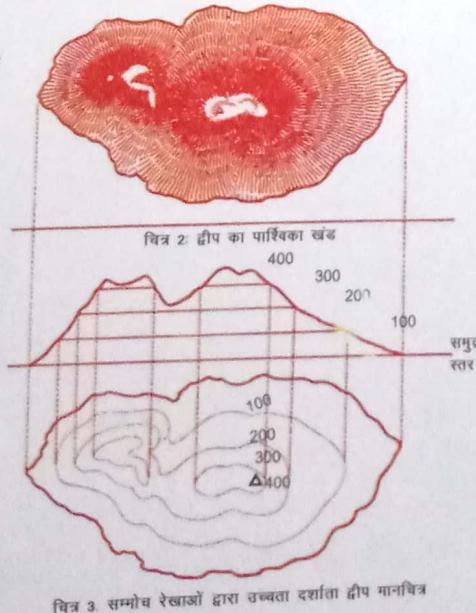
विषयक नामांकि



प्राकृतिक उच्चावचः भू—सतह का चित्रण

मानवित्र कला की सबसे बड़ी चुनौती है कि सी क्षेत्र के प्राकृतिक उच्चावच का यथार्थ चित्रण करना, जैसे पहाड़ियों एवं मैदानों का चित्रण, उच्च भूमि एवं निम्न भूमि में विभेदन, आदि। प्राकृतिक उच्चावच को प्रदर्शित करने के लिए सामान्यतः दो विधियों का प्रयोग किया जाता है - पर्वतीय आच्छादन तथा समोच्च रेखाएँ। इनमें से प्रत्येक का उपयोग भिन्न प्रकार से किया जाता है। कई बार इन दोनों का प्रयोग एक साथ भी किया जाता है। यहां दिया गया रेखाचित्र 1 पहाड़ी ढाल वाले 'हेचर्स' (रेखाच्छादन) कहे जाने वाले पर्वतीय छायांकन की विधि

चित्र 1. पर्वतीय आच्छादन द्वारा उच्चता को दर्शाने वाले द्वीप का मानचित्र



चिह्न और आच्छादन

मानवित्र सबकुछ नहीं दर्शा सकता है न ही एक प्रतिबधित क्षेत्र में भू-दृश्य की आकृतियों समाविष्ट हो सकती है। अतः मानवित्र पर इन आकृतियों को विवित करने हेतु चिह्नों को विसित किया गया। इन्हें परंपरागत चिह्न भी कहते हैं। कुछ चिह्न चित्रों की तरह होते हैं तथा चिह्न प्रारंभिक अक्षर होते हैं, उदाहरण-पोस्ट ऑफिस के लिए 'पी ओ'! रंगों का भी चिह्नों तरह उपयोग होता है, उदाहरण-वनस्पती को हरे रंग से तथा पानी को नीले रंग से निरूपित करते हैं। रंगों के विभिन्न आन्धादन (गहरे से हल्का) किसी तथ्य या प्रतिमास की उपस्थिति के प्रभाव को निरूपित

करता है, उदाहरण-ऊँचाई

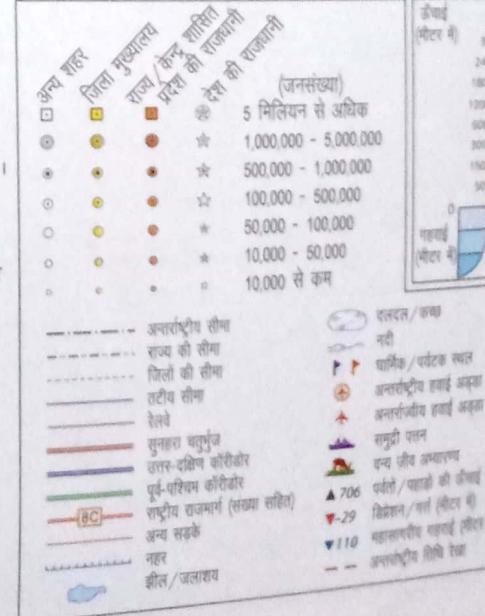
पारपरिक चिह्न स्थलाकृतिक
पत्र, जलवायु, नक्शा आ

प्राकृतिक अथवा विषयक मानचित्रों में दर्शाये जाते

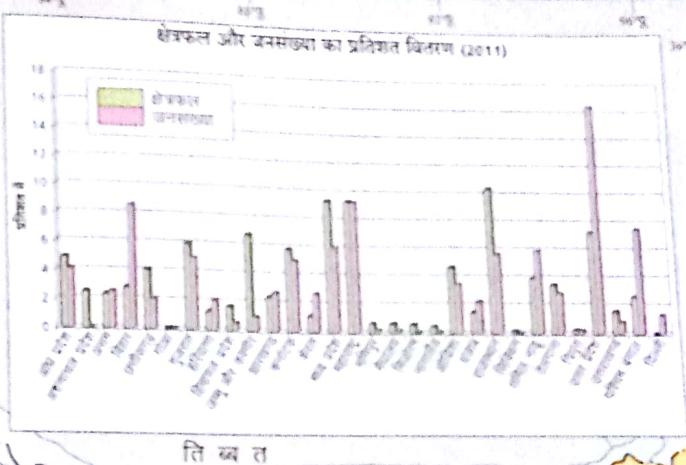
चिह्नों के अर्थ समझने हेतु
मानचिह्नों में दिए गए

कुजा या सकंता का दखल सदैव महत्वपूर्ण होता है।

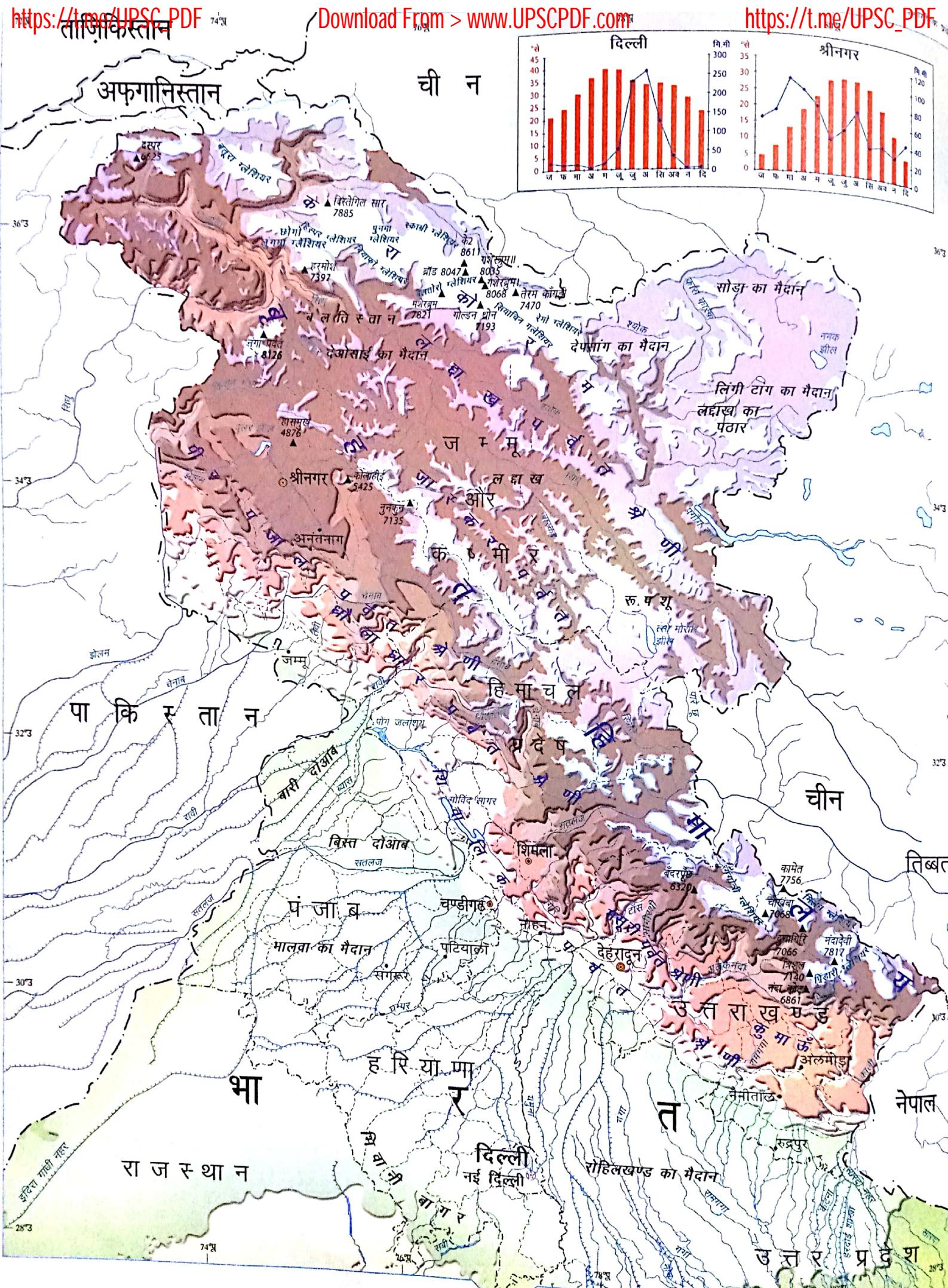
चिह्नों का रूपाकन इस उद्देश्य से होता है कि वह सरलता से याद रहें।







संसद भवन

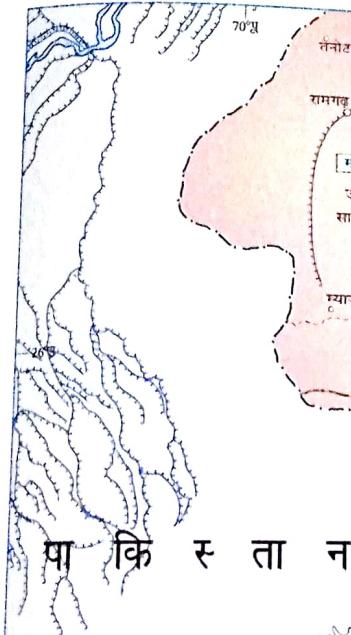
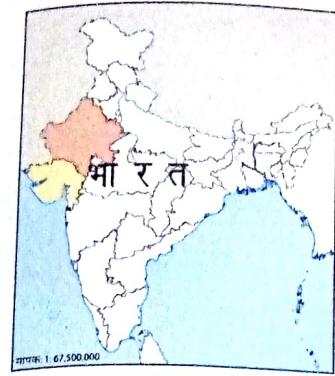




राजस्थान, गुजरात, दमन एवं दीव और
दादरा एवं नगर हवेली—राजनैतिक

0 47 94 141 कि. मी.

लोकर्ट शास्त्र आकार आर्थिक प्रश्नों



पा कि स्तान

रा ज स्था न

भा र

गु ज ला त

मध य प्र दे श

अ र ब सा न र

ह रि या ण

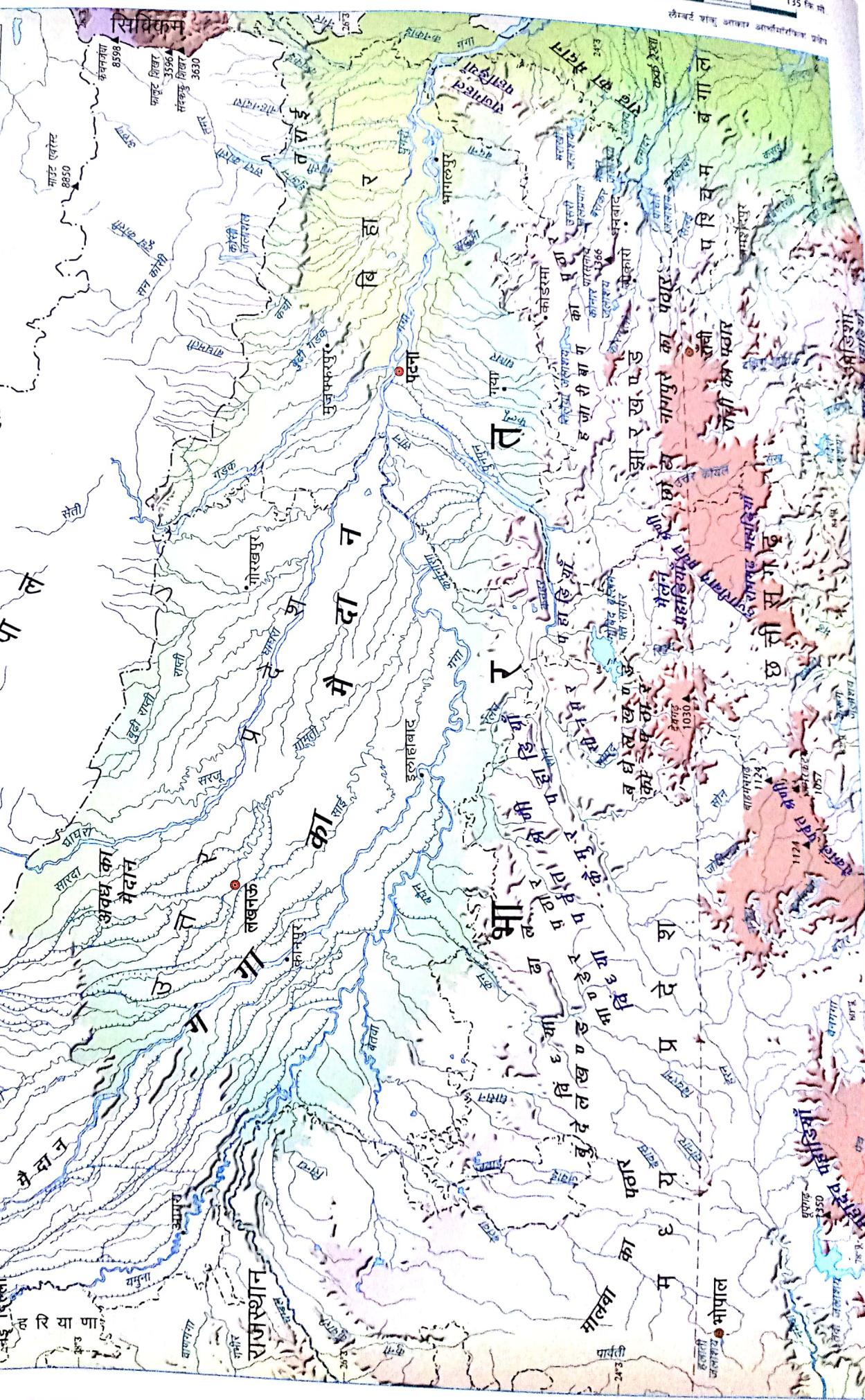
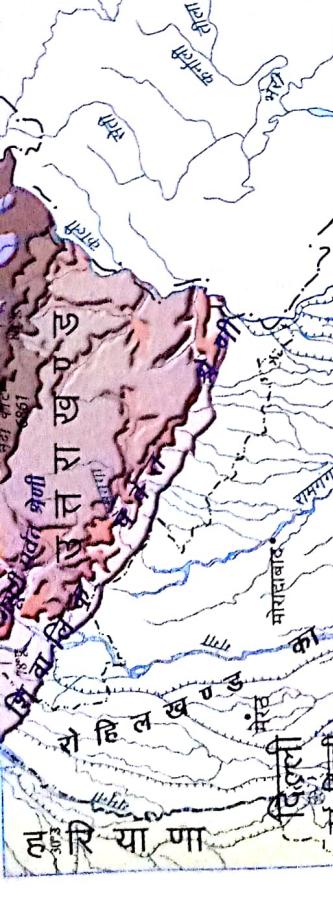
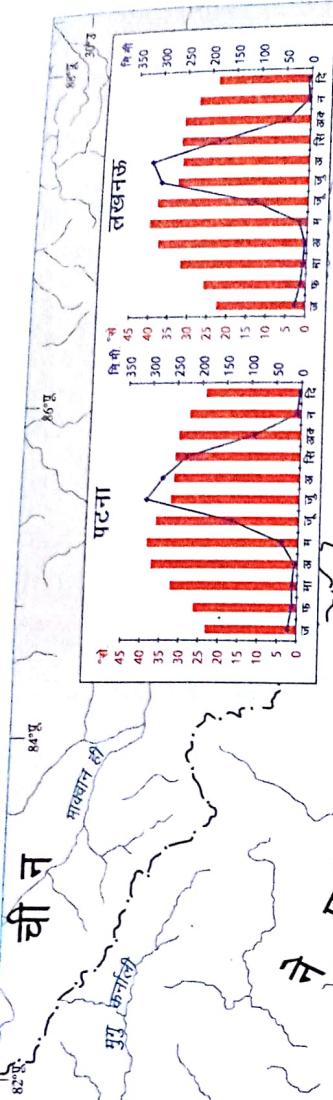
प्र दे श

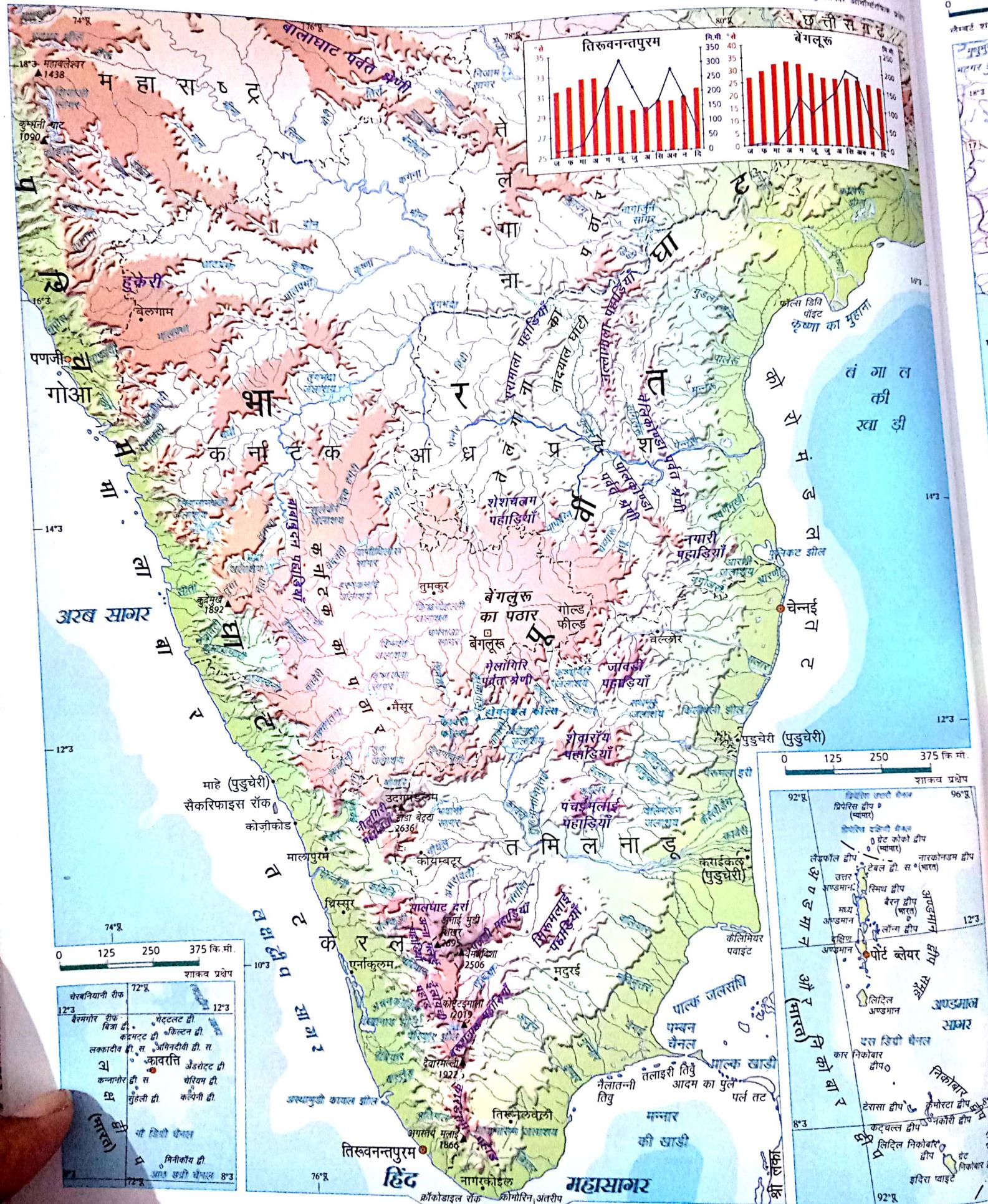
द ा द रा

सा न र

म हा रा छ ट्र

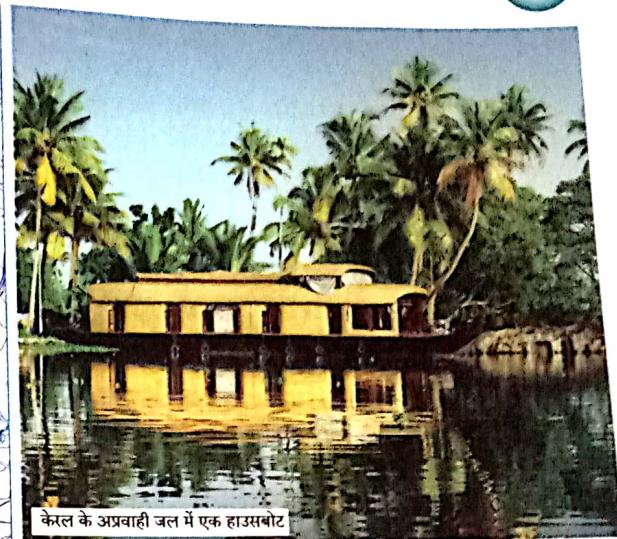
चितौड़गढ़ का किला





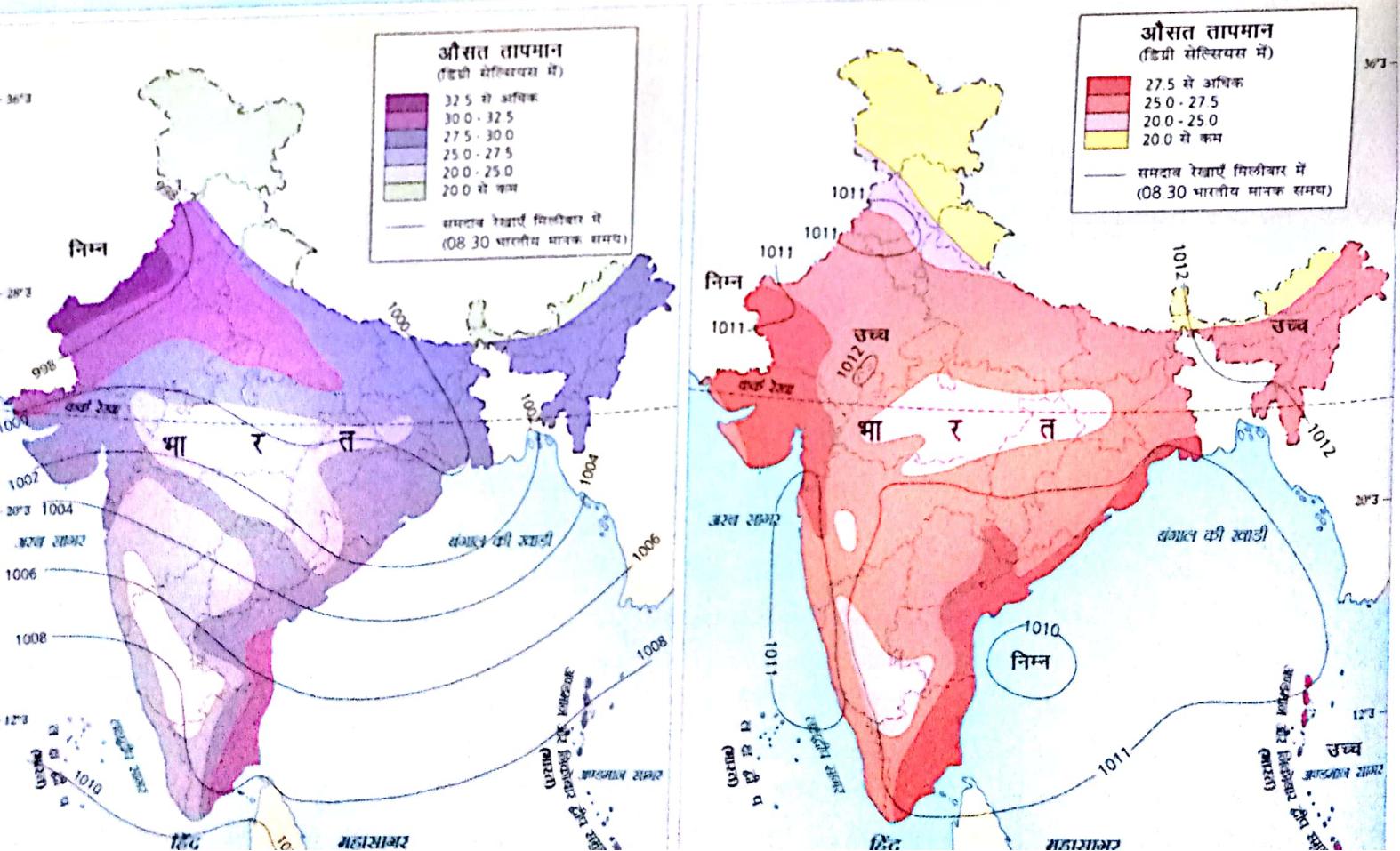
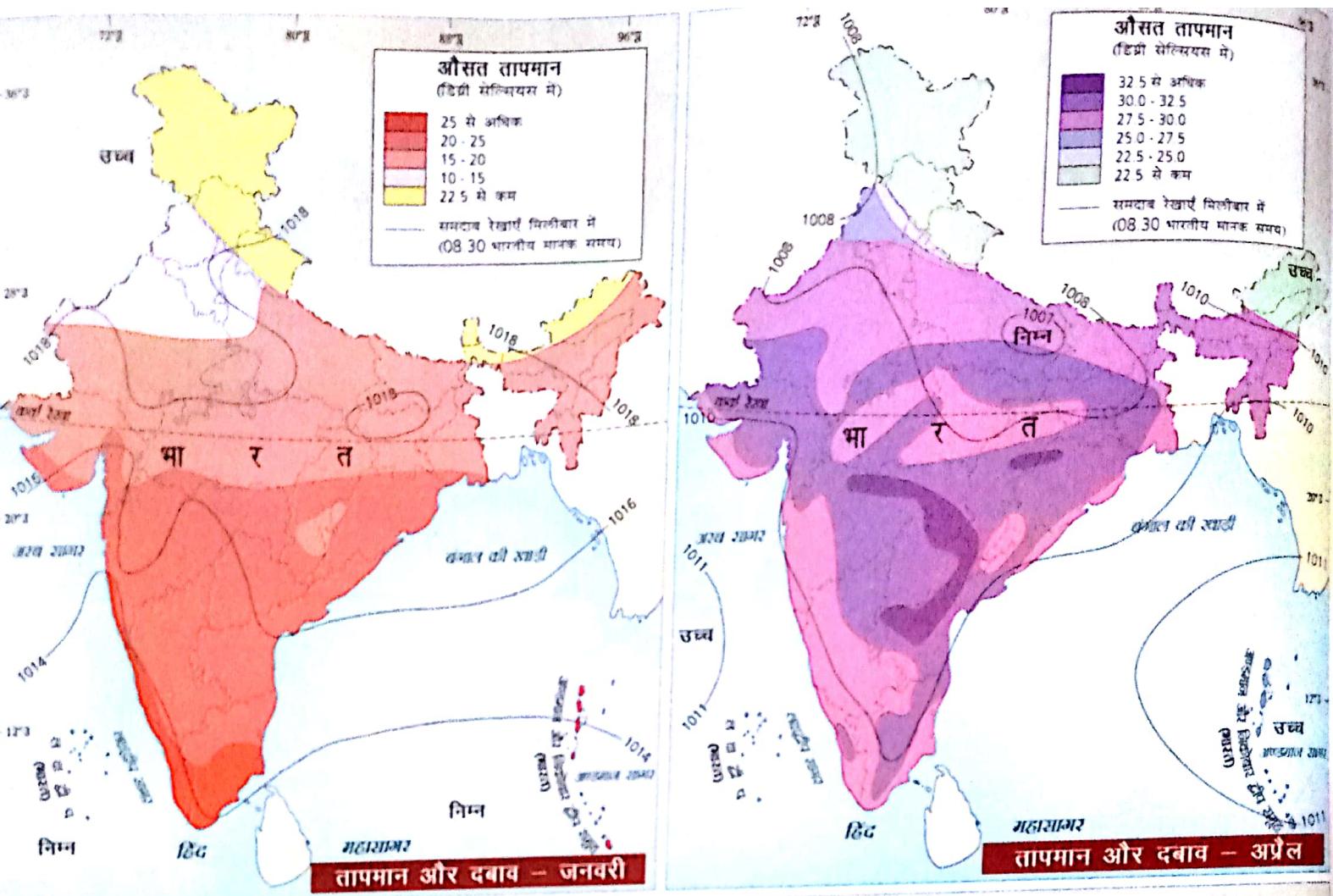
कर्नाटक, तमिलनाडू और केरल-राजनैतिक

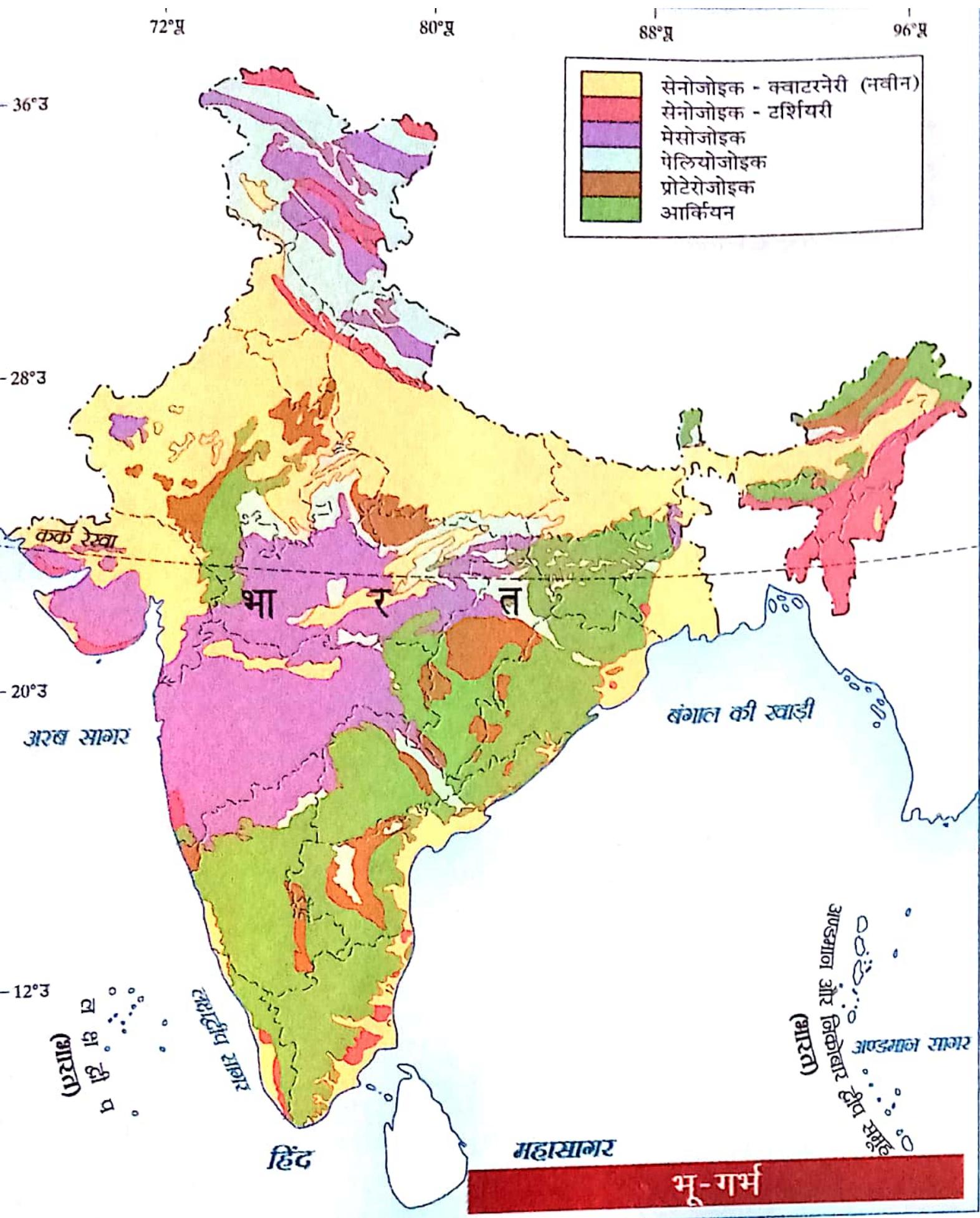
23



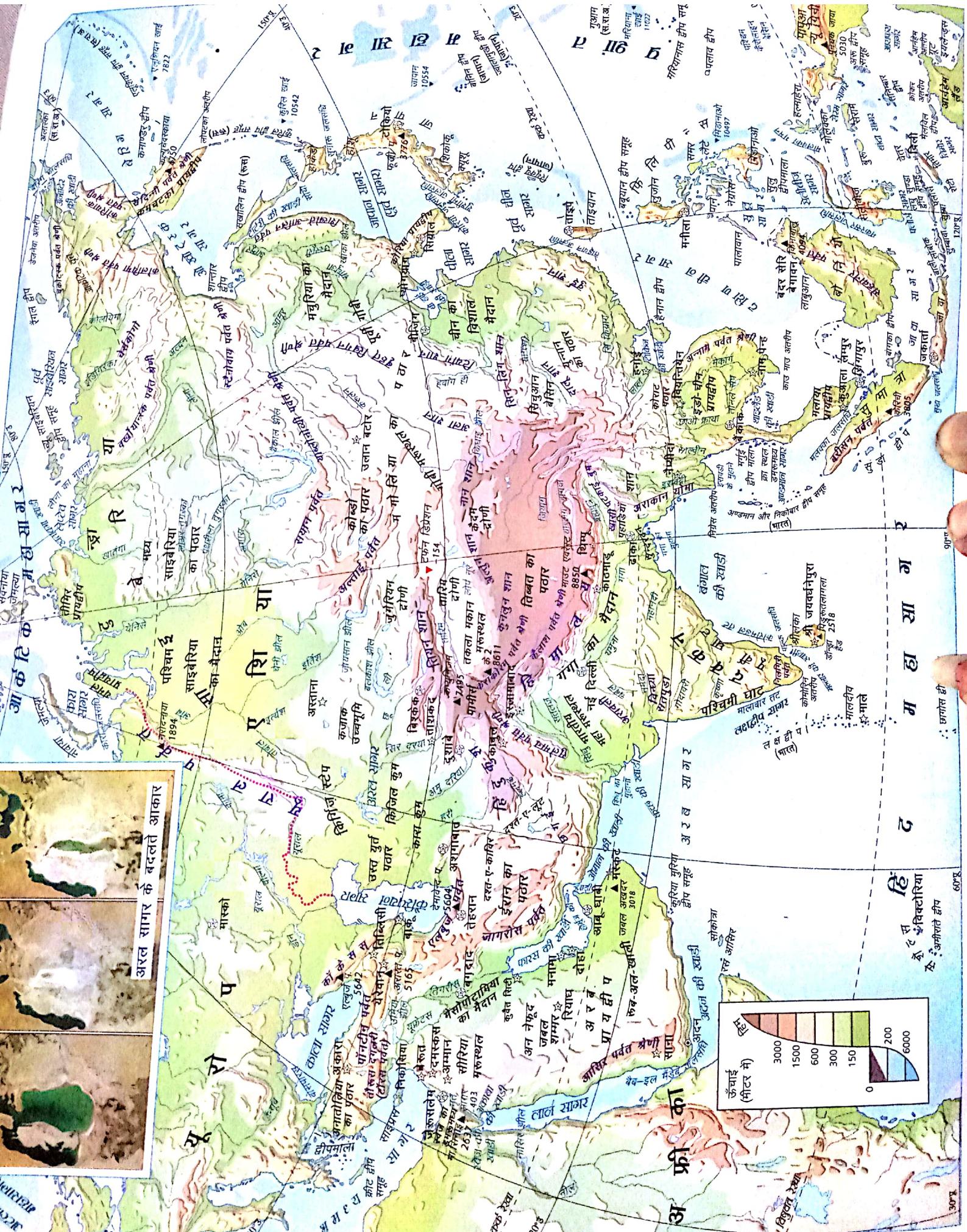
केरल के अप्रवाही जल में एक हाउसबो



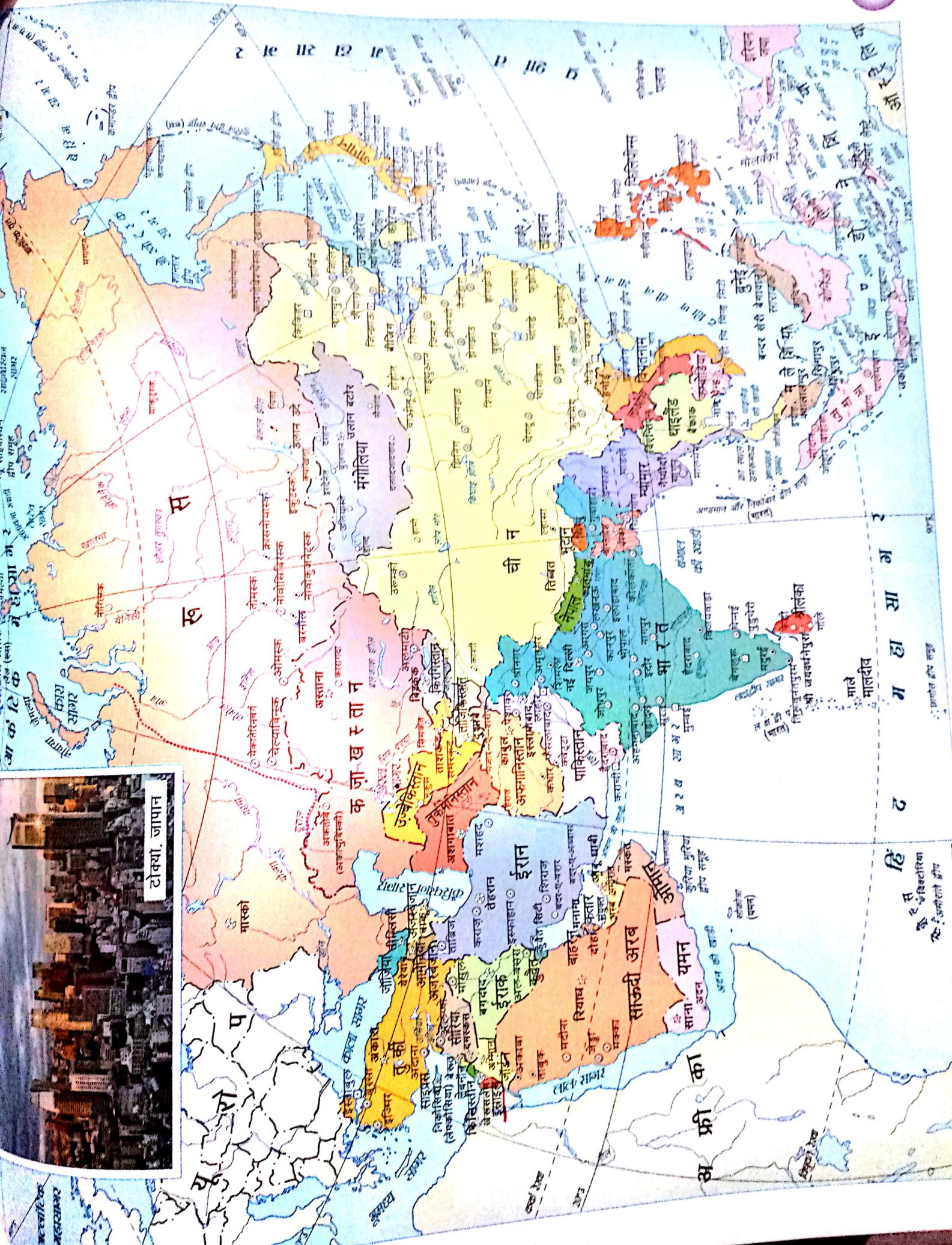


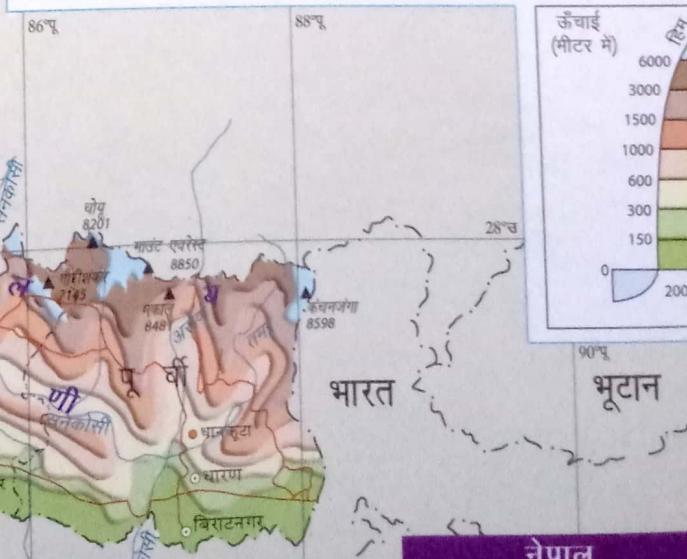
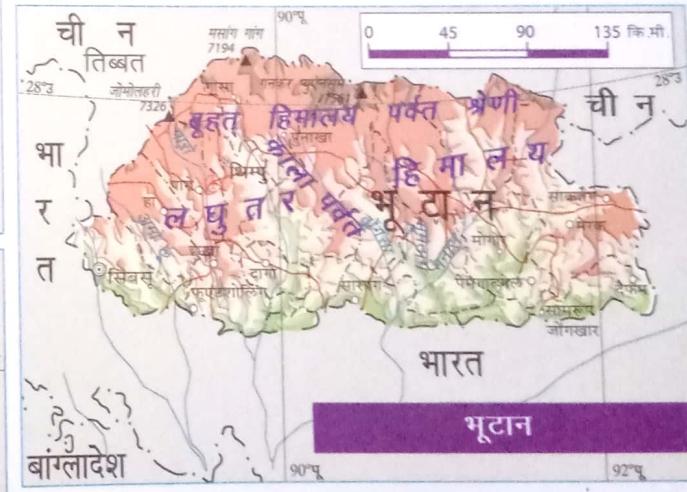
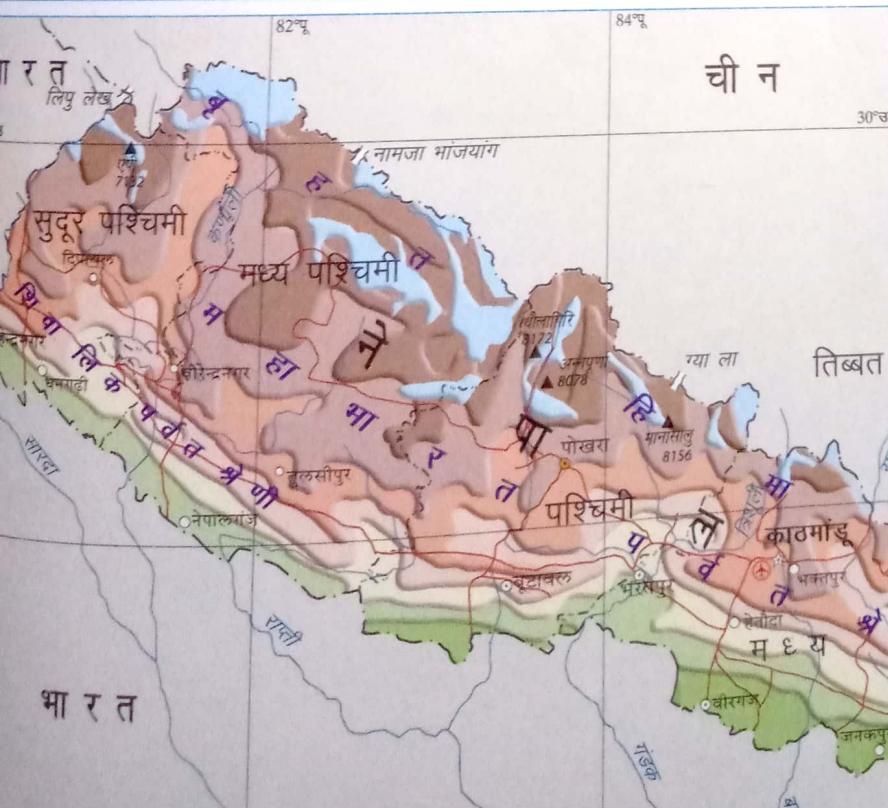
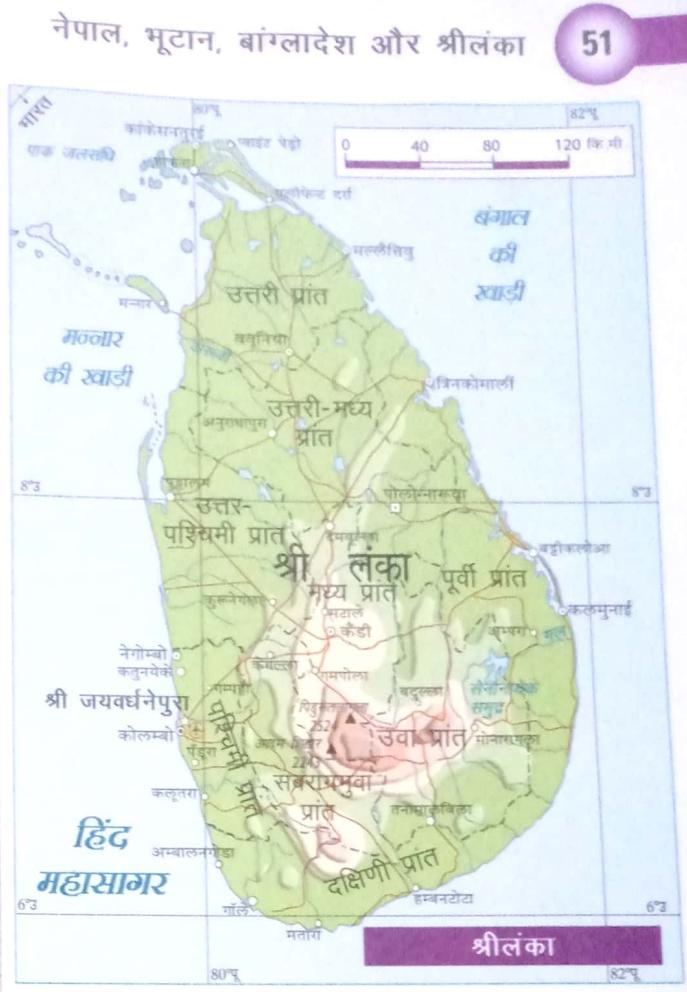
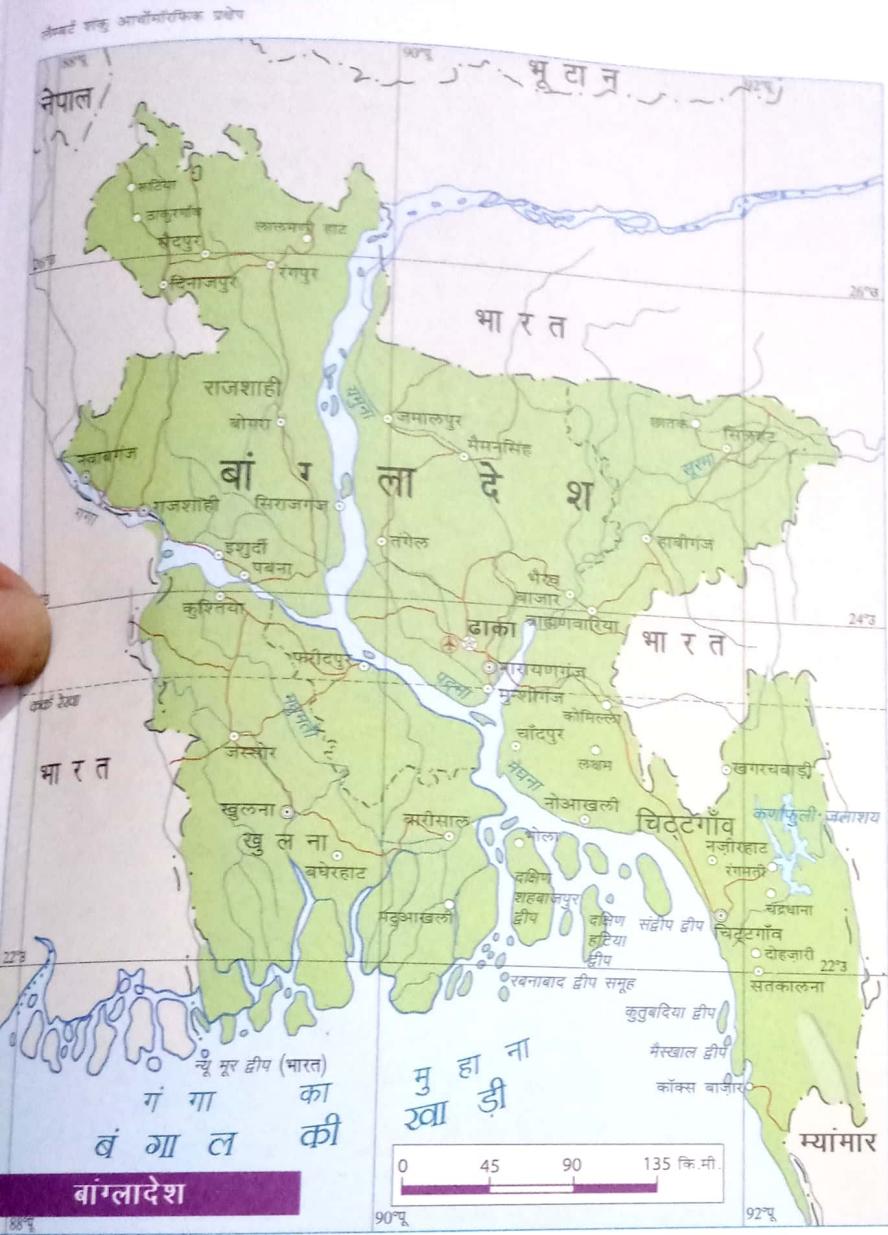


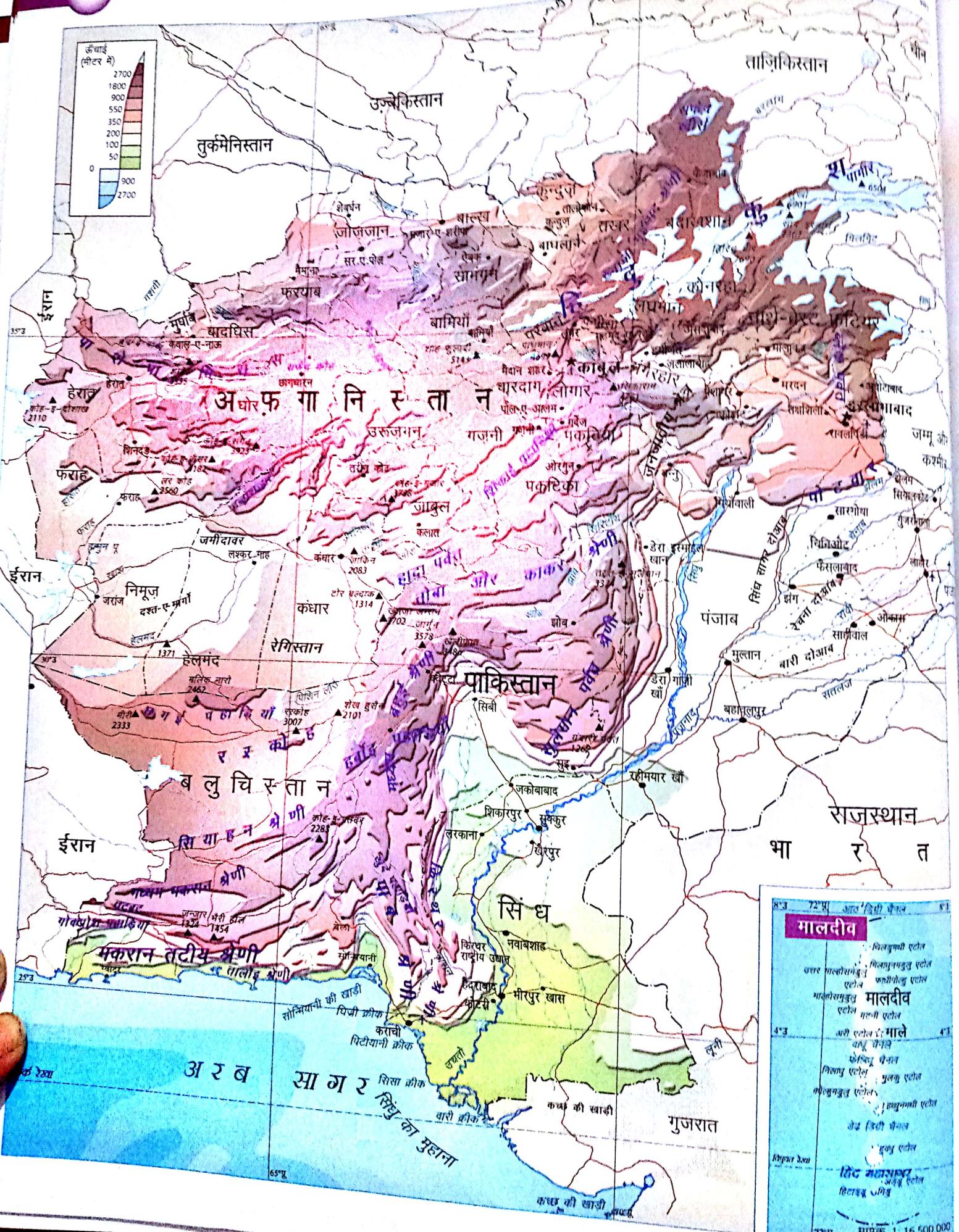


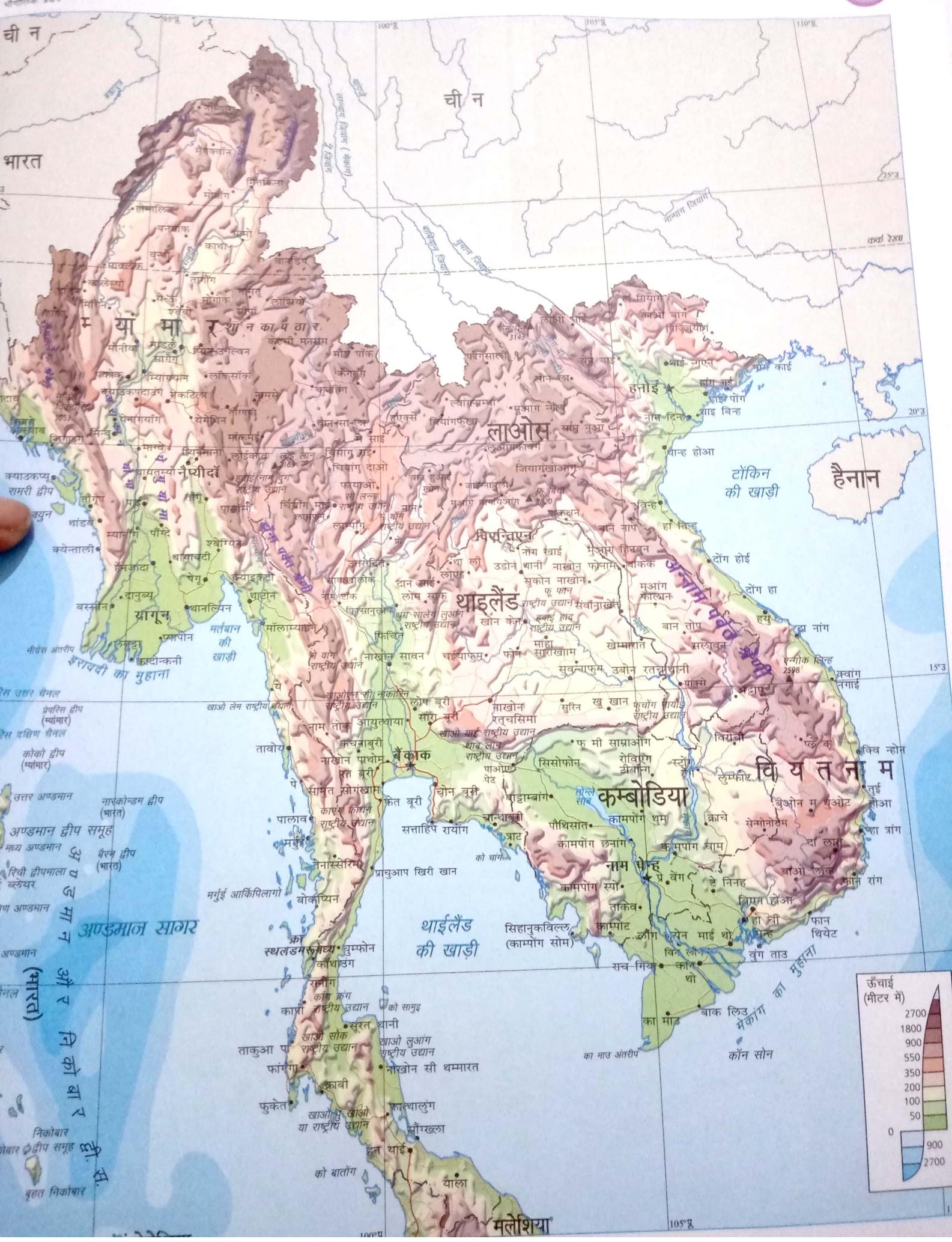




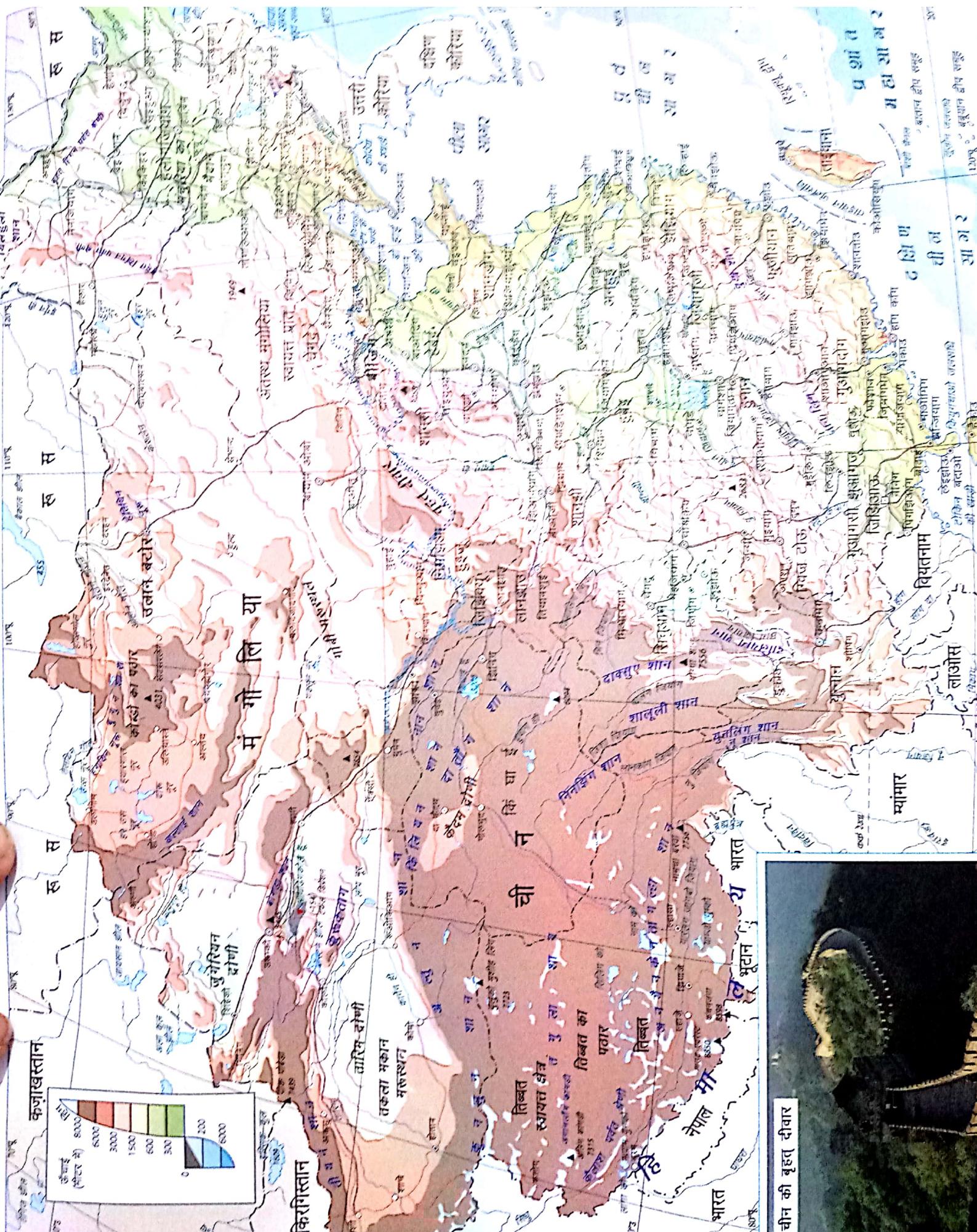






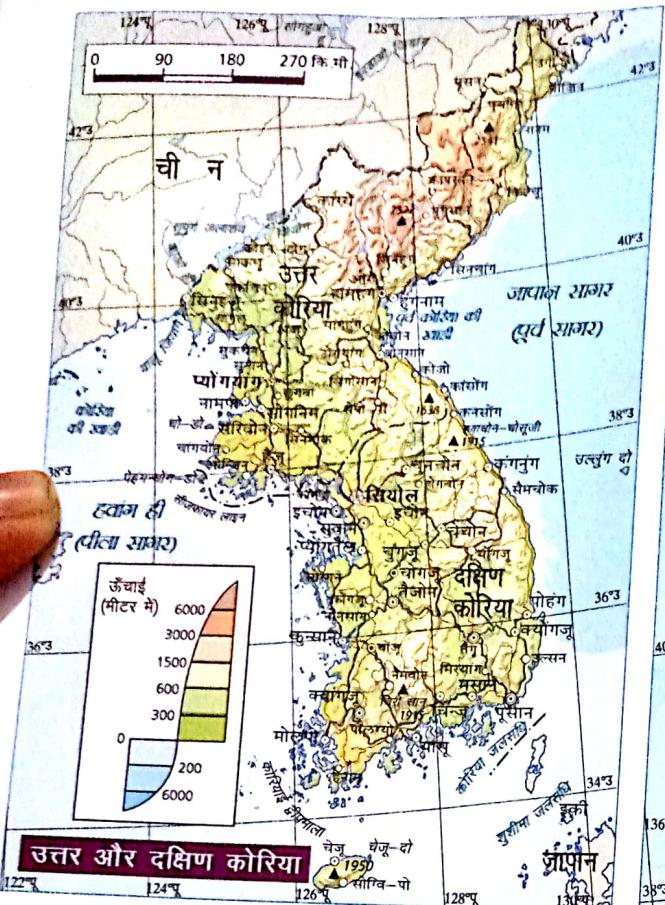




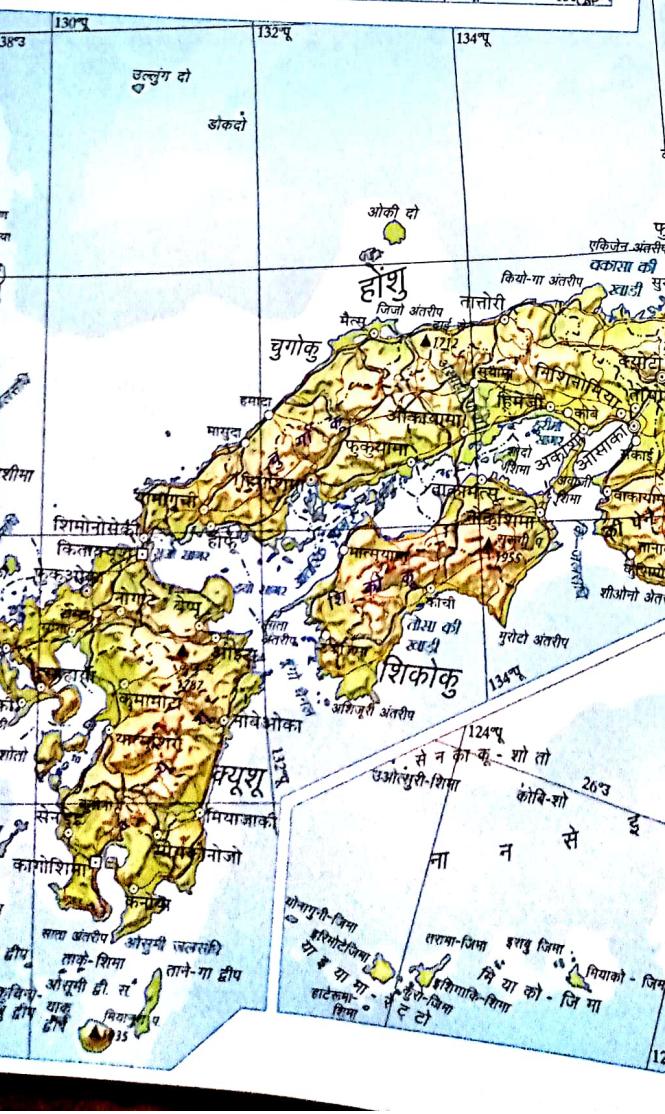


56

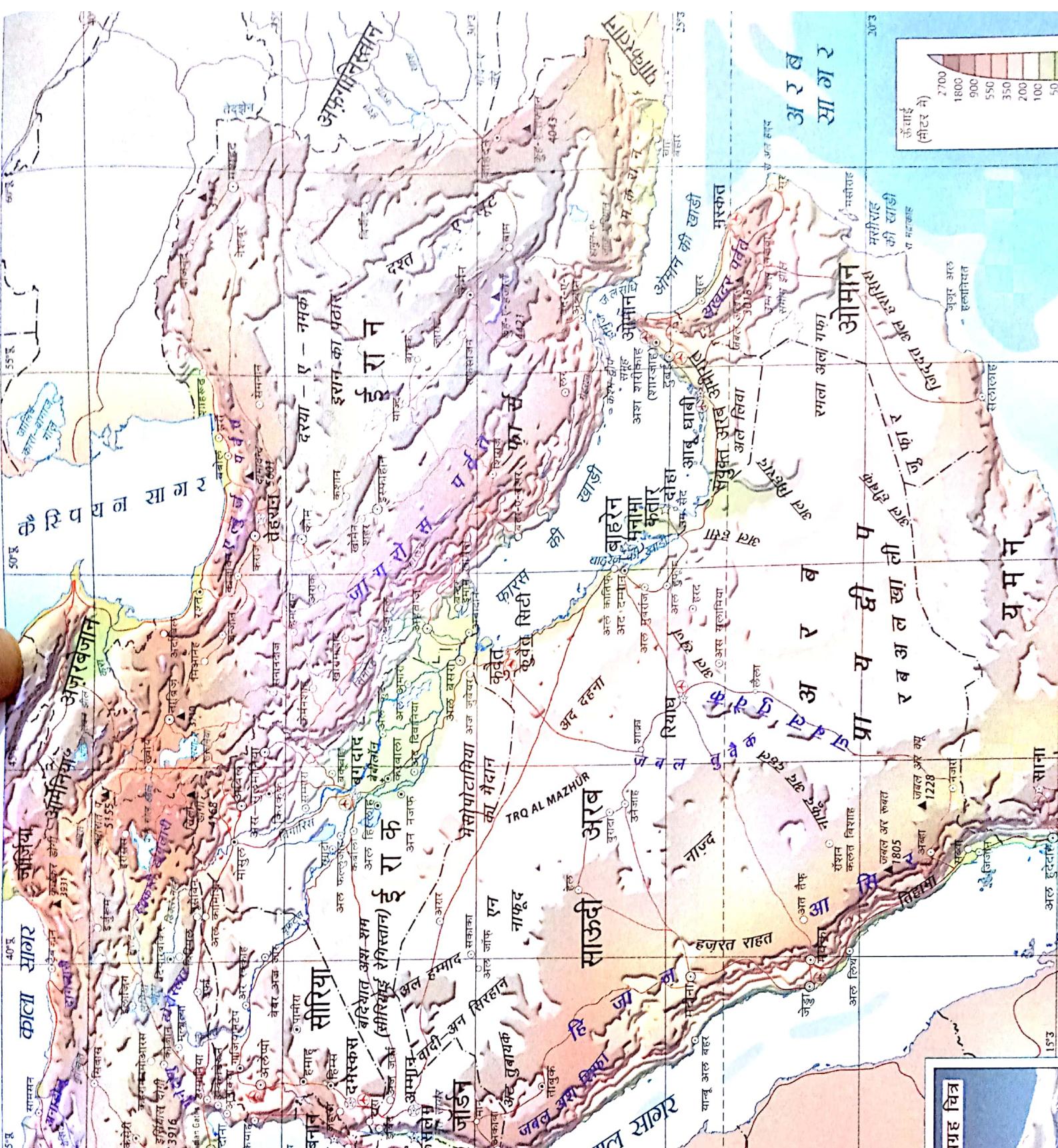
उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया एवं जापान



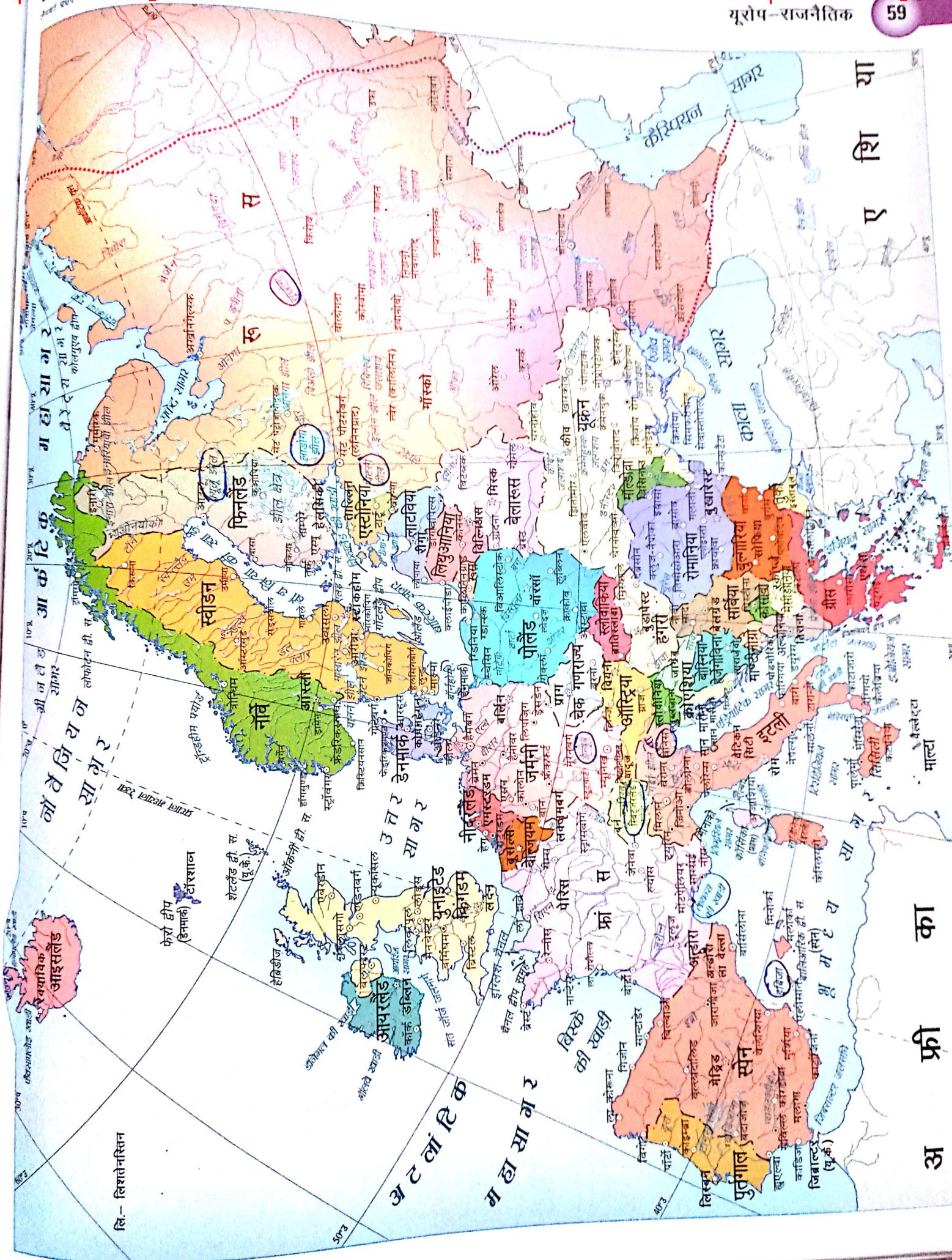
उत्तर और दक्षिण कोरिया



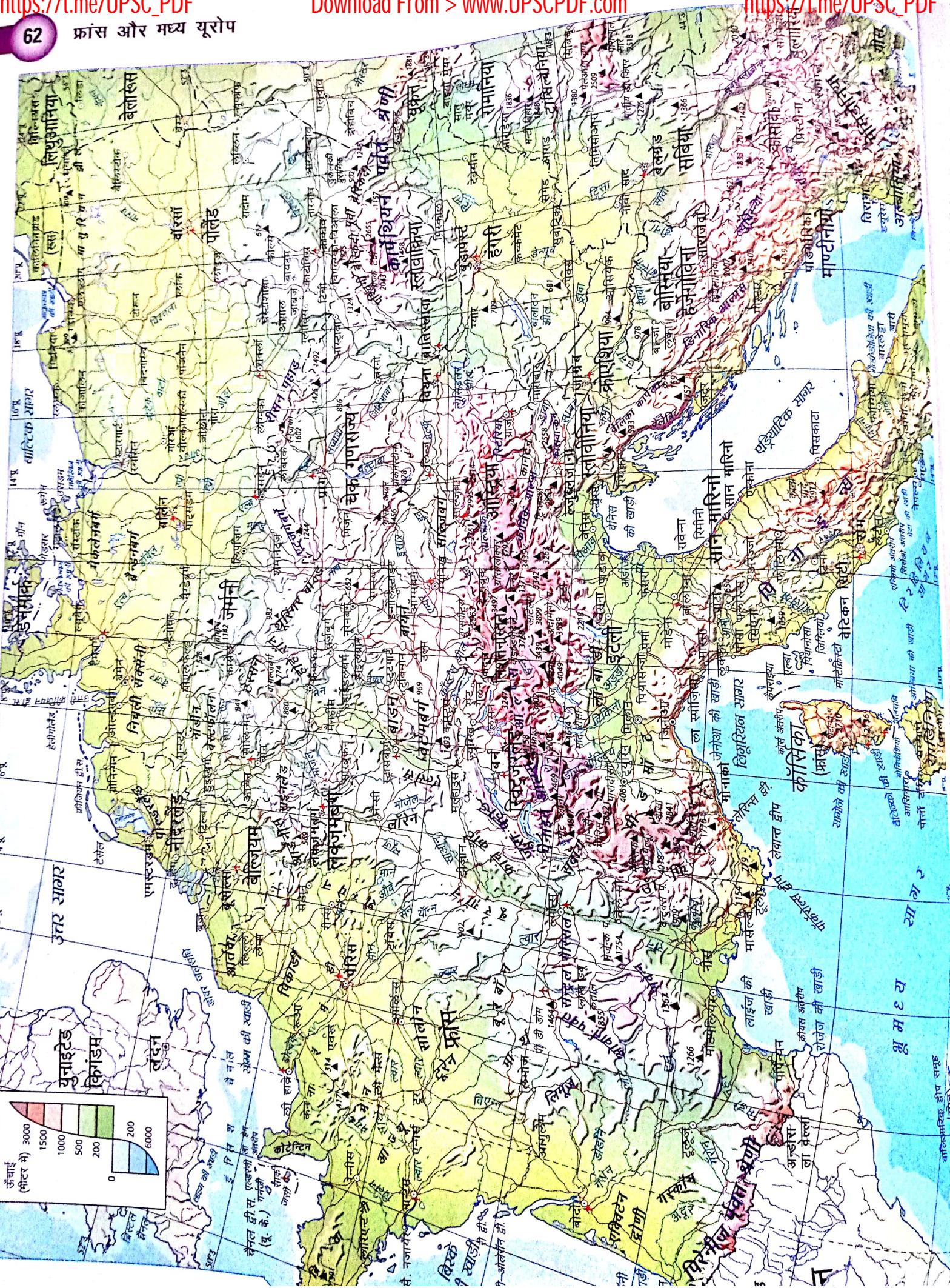
रियोक्यू द्वीप समूह







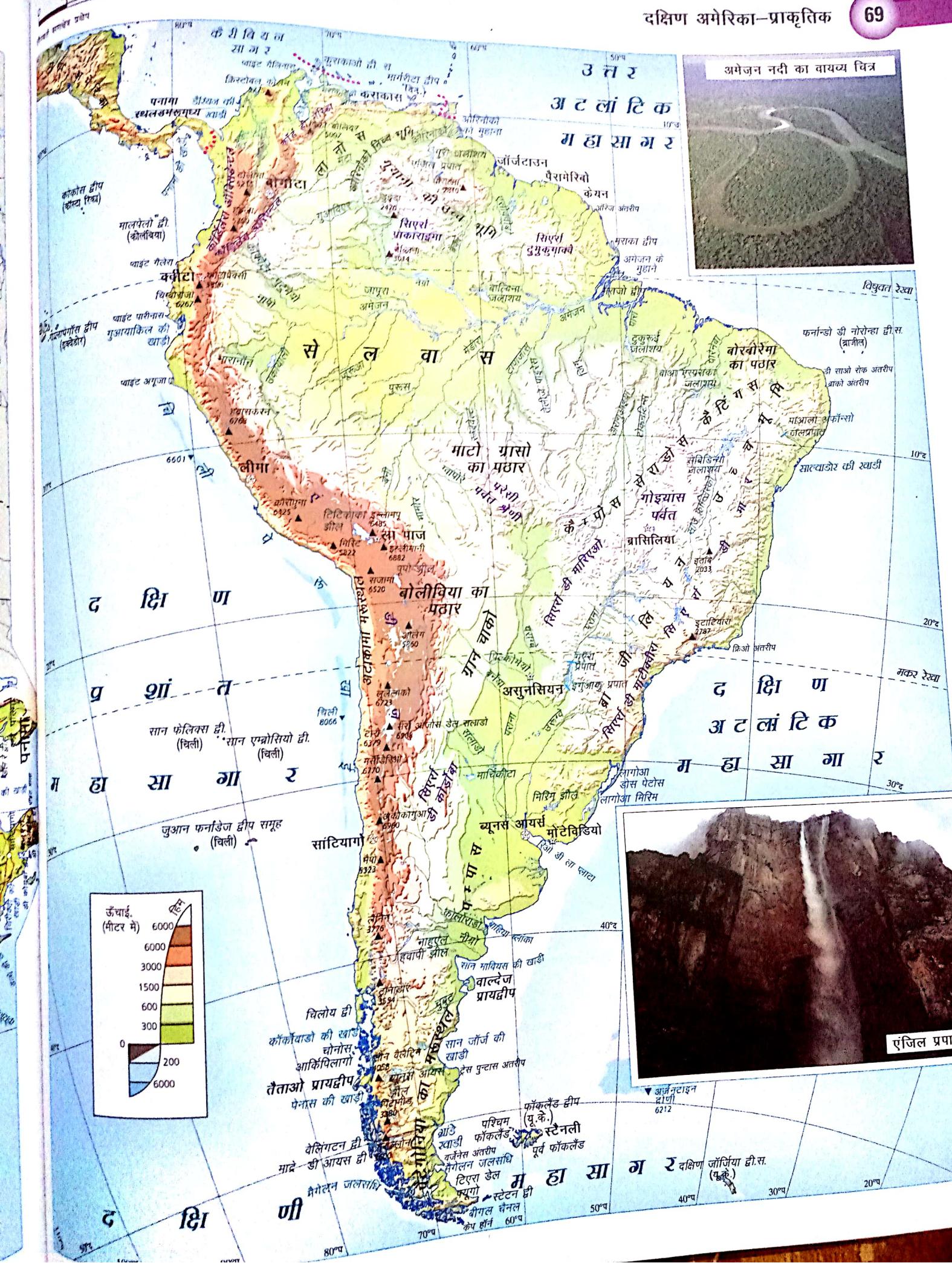


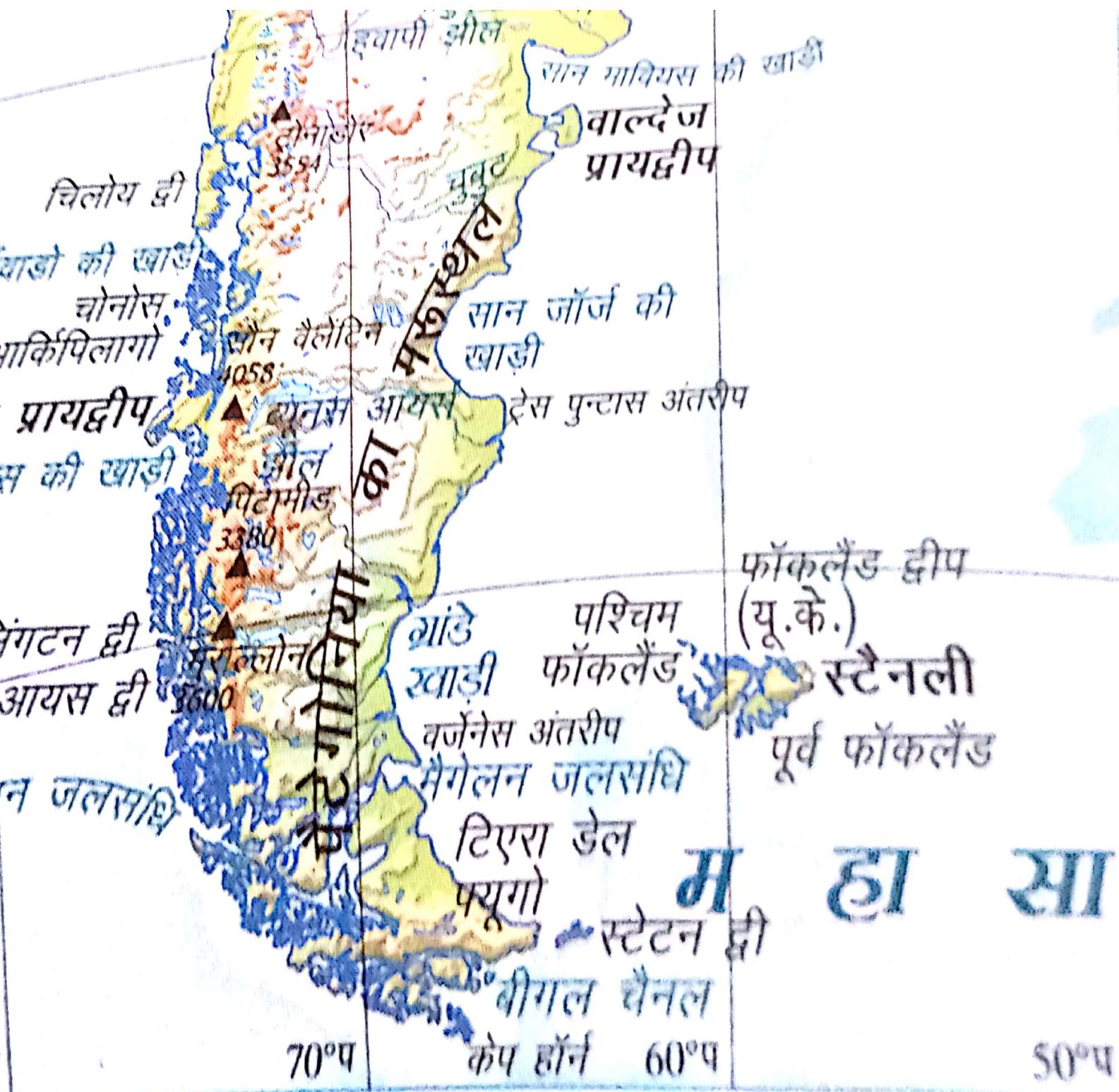








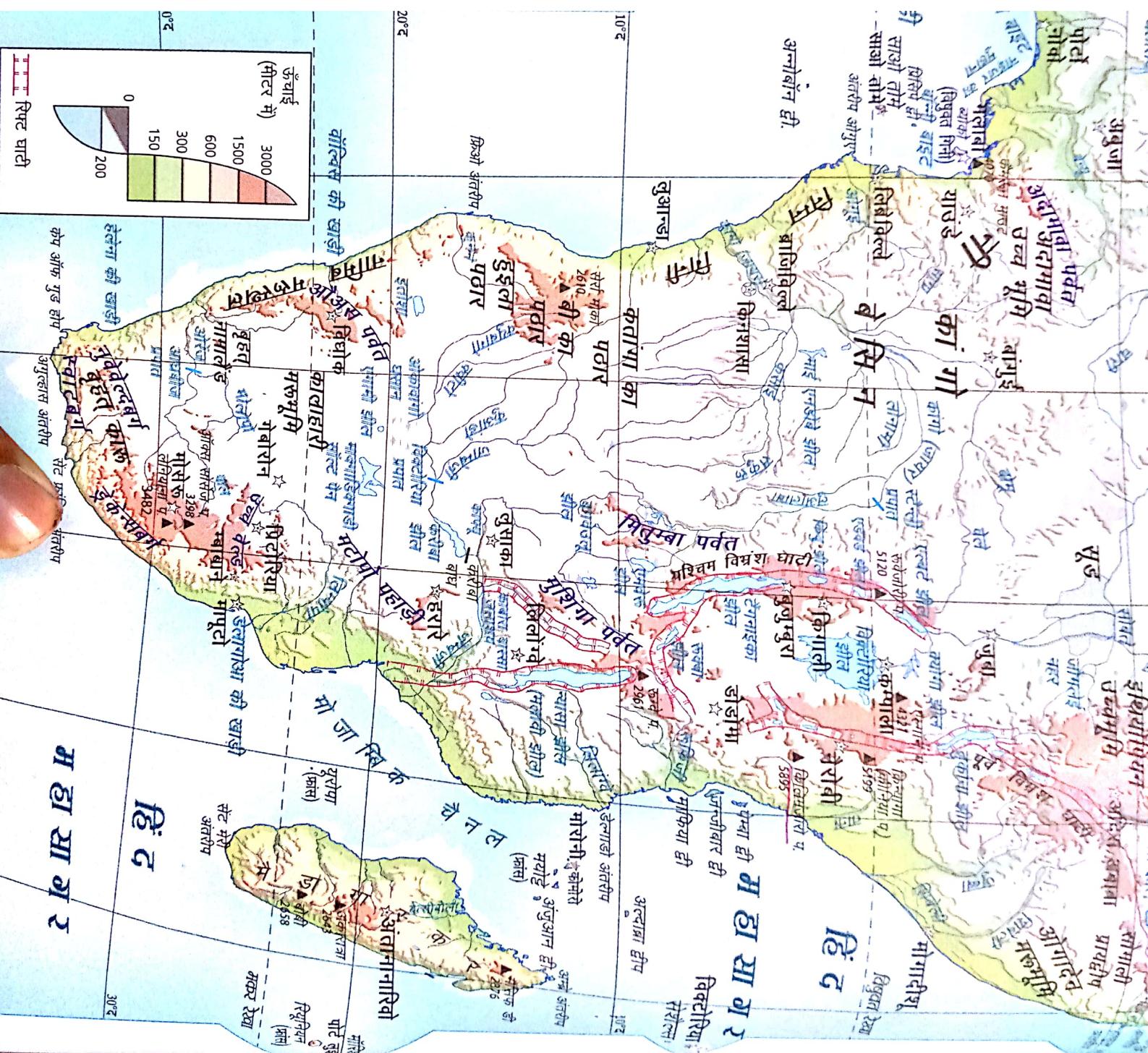




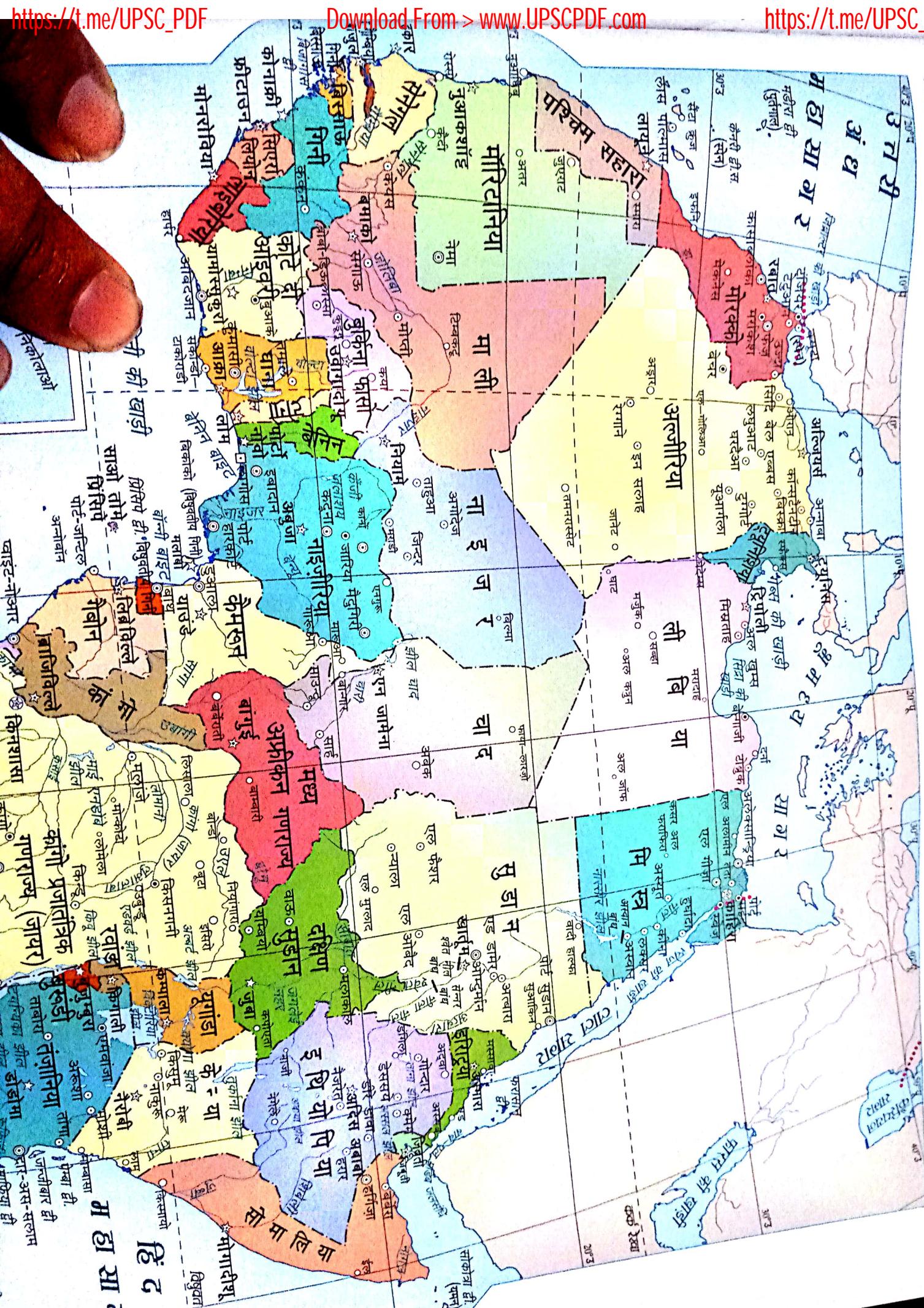








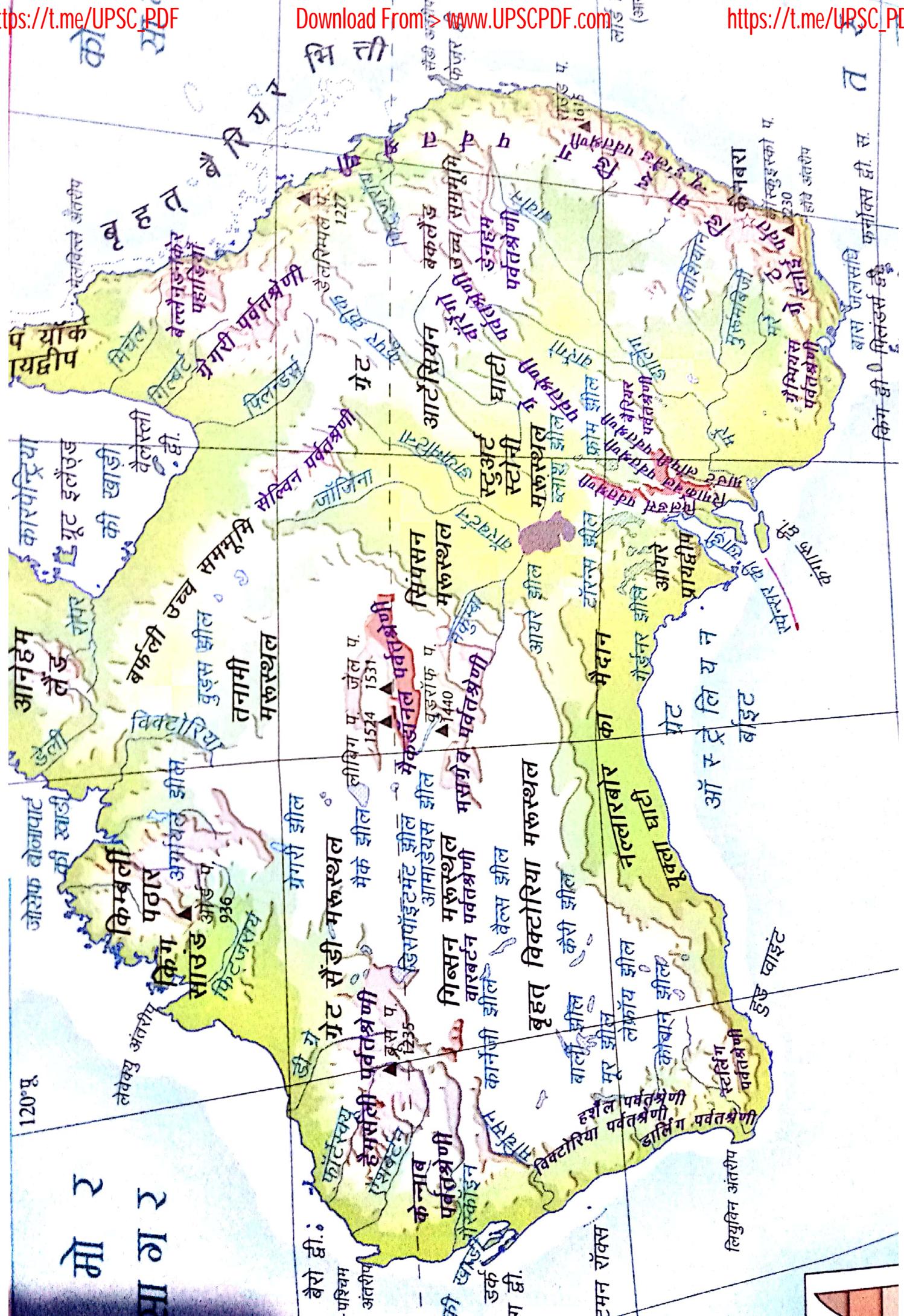
ओजुष्ठल समधेव प्रधेष

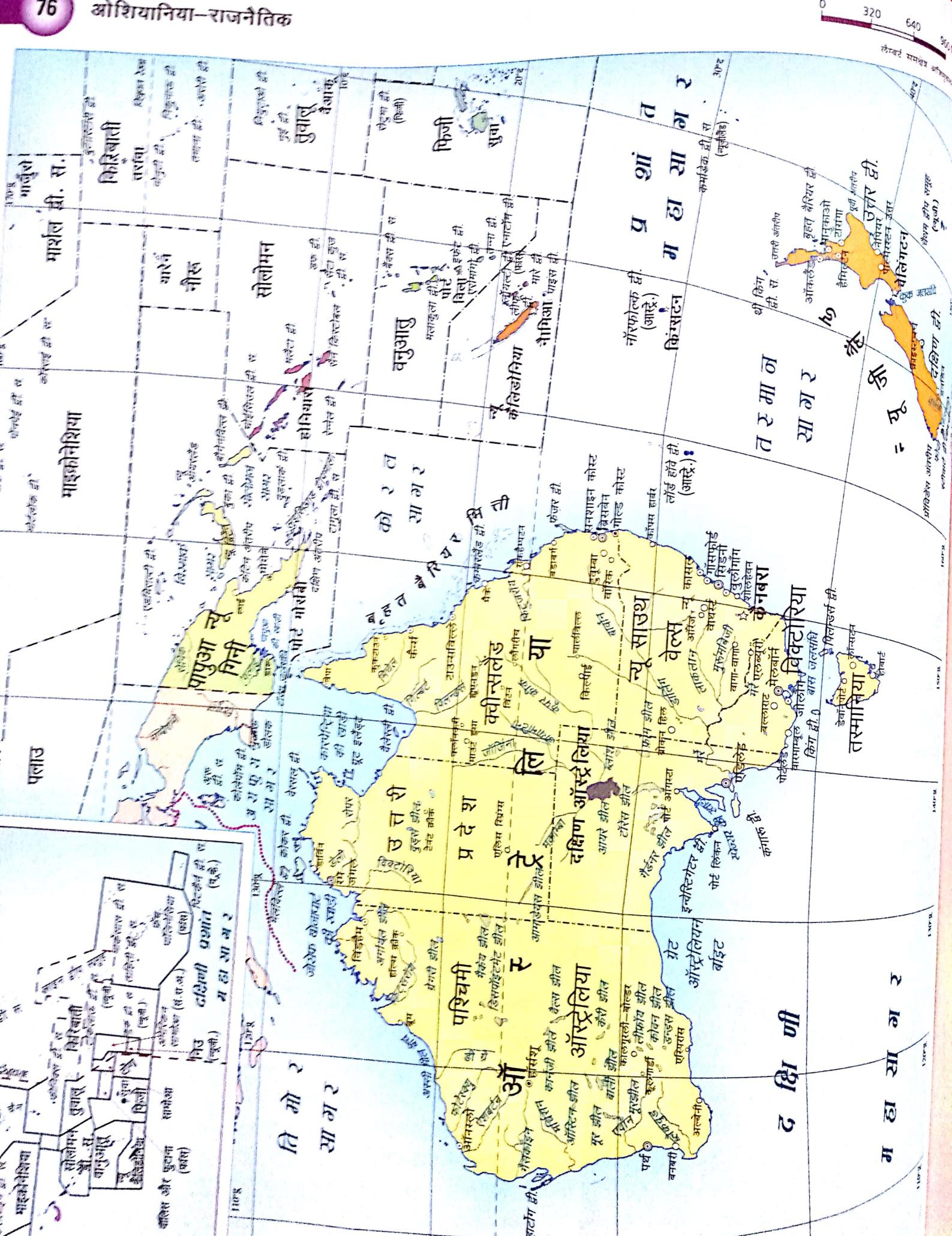


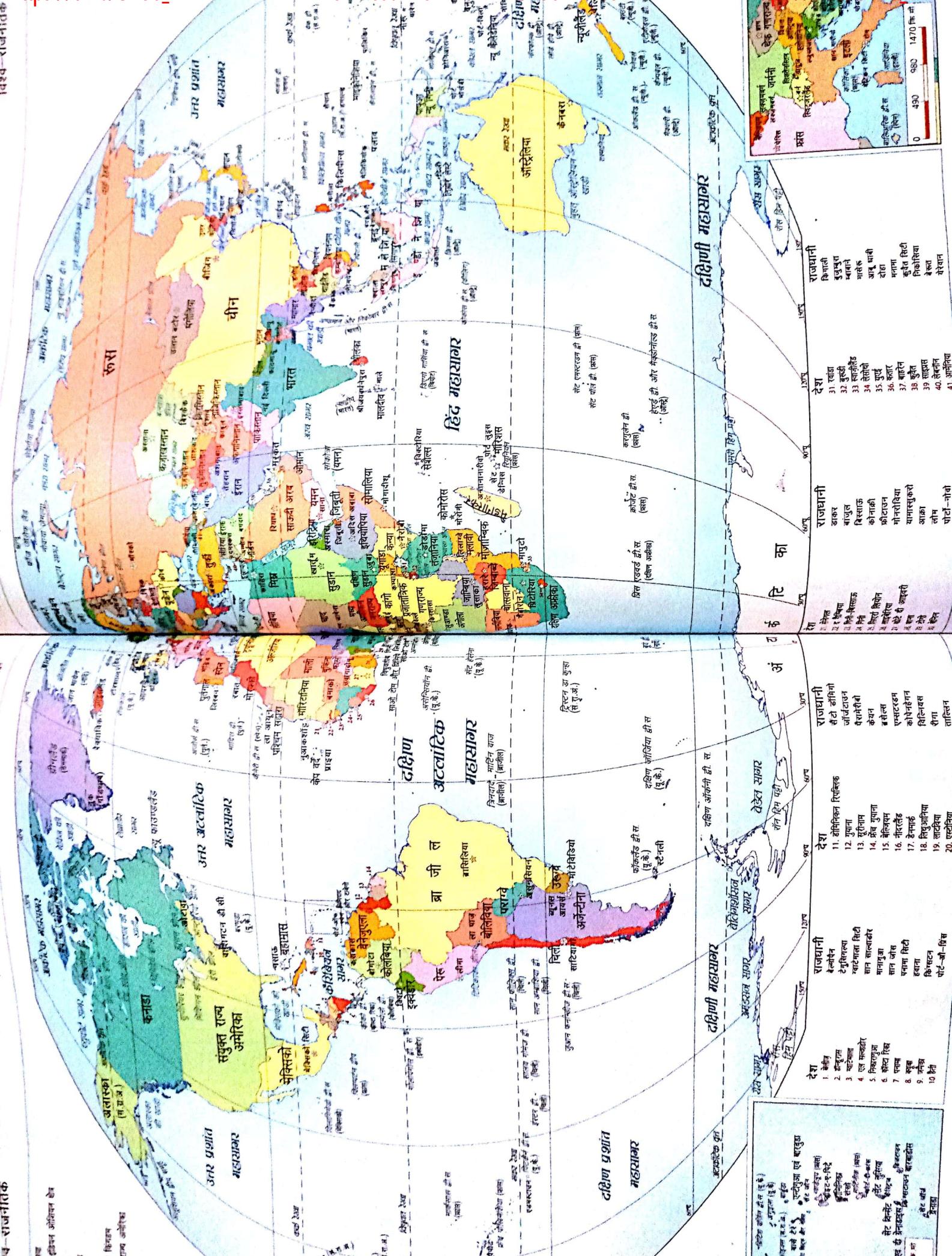


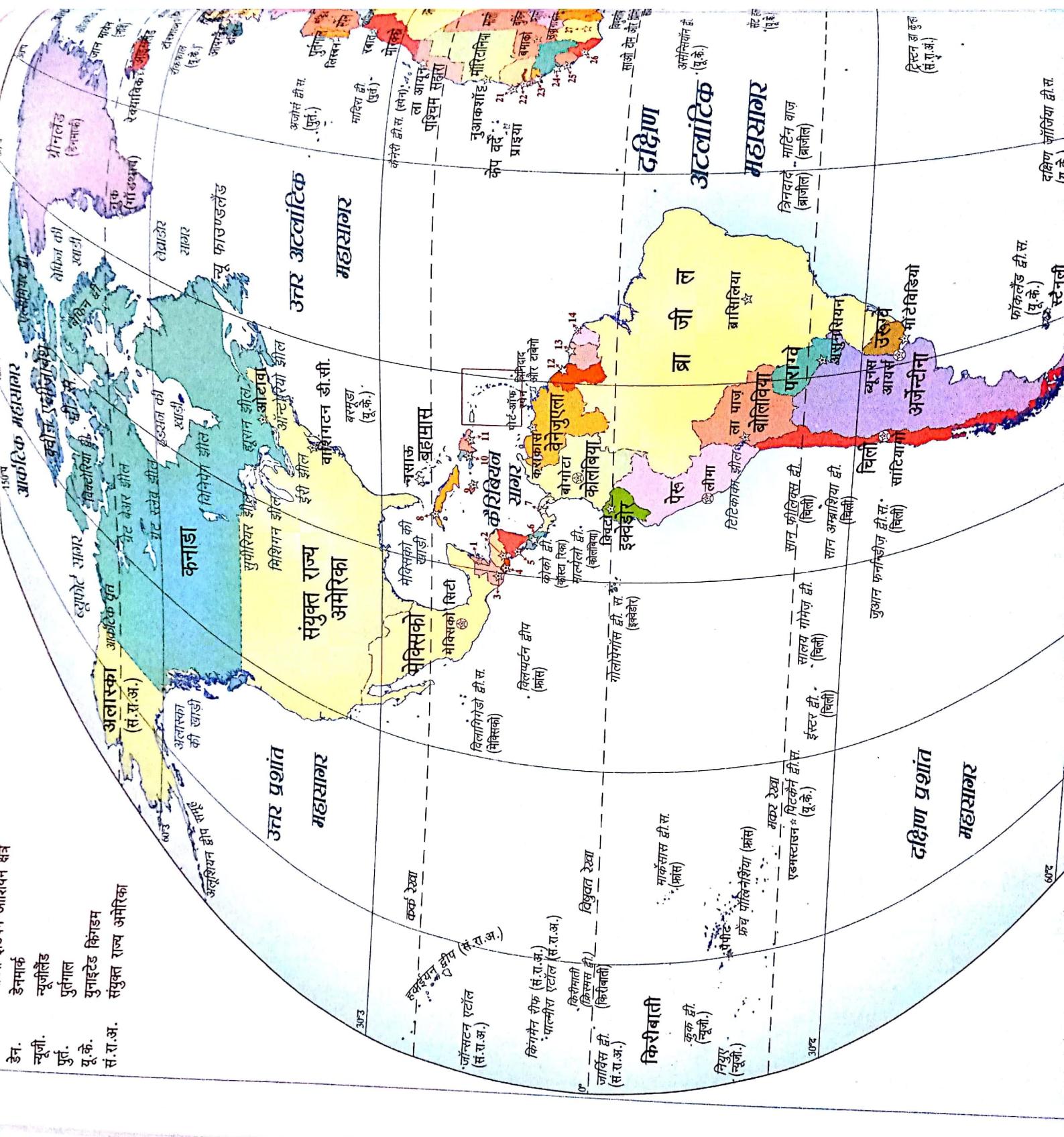


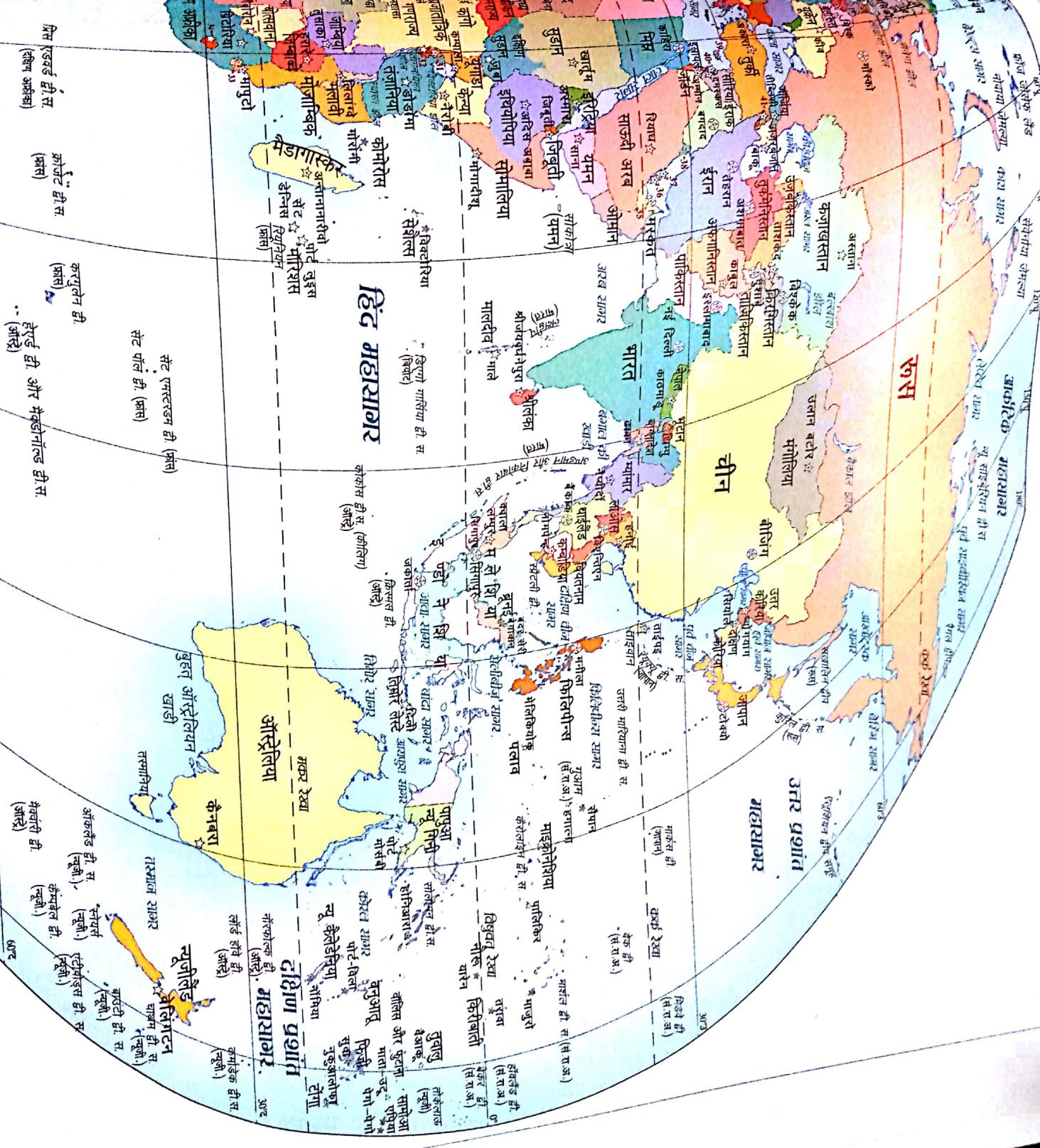


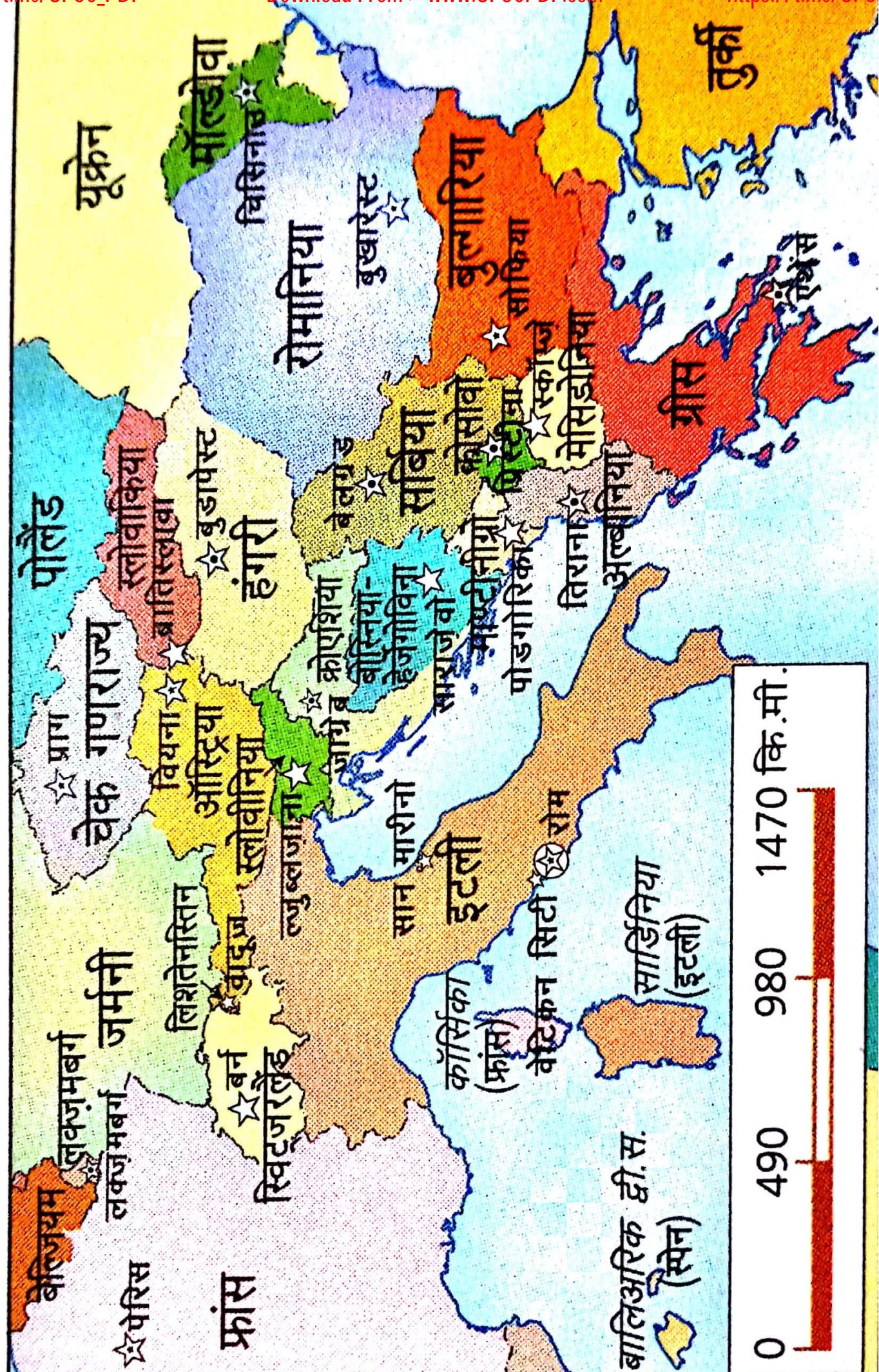






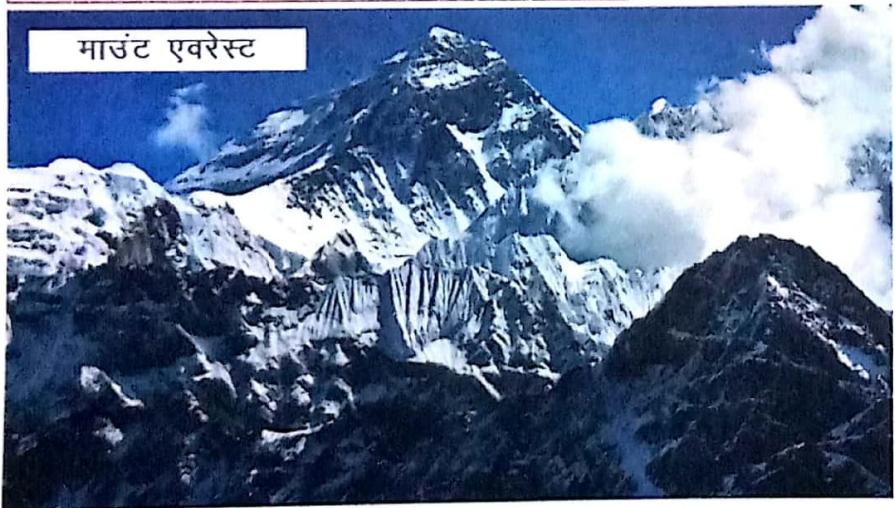






जल	335,710,000	150,522,000	69.29
महाद्वीप			
एशिया	45,036,492	17,388,686	30.27
अफ्रीका	30,343,578	11,715,721	20.39
उत्तर अमेरिका	24,680,331	9,529,129	16.59
दक्षिण अमेरिका	17,815,420	6,878,572	11.97
बॉटार्कटिका	12,093,000	4,669,133	8.13
यूरोप	9,908,599	3,825,731	6.66
ऑस्ट्रेलिया एवं महासागरीय	8,923,000	3,405,792	6.00
विश्व - स्थल	148,800,420	57,412,764	100.00
महासागर			
प्रशांत महासागर	166,241,000	64,186,000	49.52
अटलांटिक महासागर	86,557,000	33,420,000	25.78
हिंद महासागर	73,427,000	28,350,000	21.87
आर्कटिक महासागर	9,485,000	24,566,000	2.83
विश्व - जल	335,710,000	150,522,000	100.00

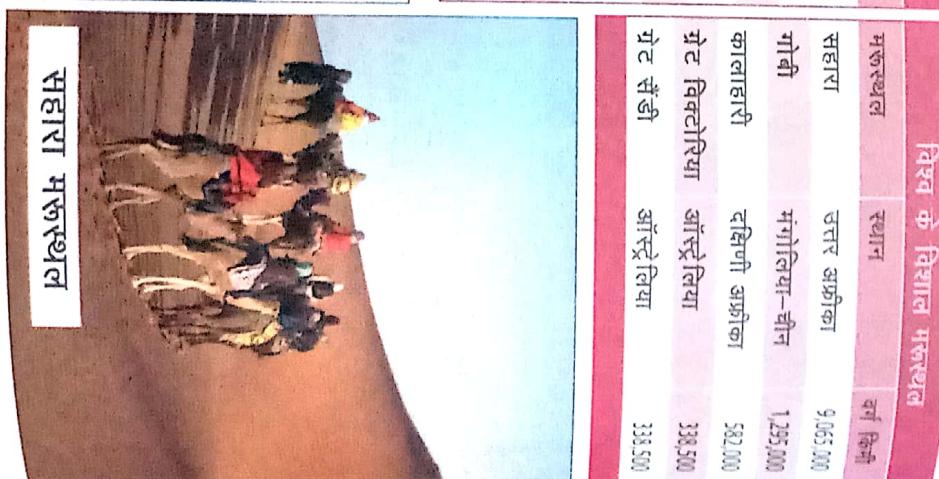
गूटगाड	नार्व	प्राचीनता	संख्या
मोगे	मार्सटीन, नॉर्वे	मोगेबैक	774
गोकटा	चाचापोयास, पेरु	--	771
काटारैवट्स			
मुटाराट्जी	एन्यांगा राष्ट्रीय उद्यान, जिम्बाब्वे	मुटाराट्जी	762
योसेमाइट	योसेमाइट राष्ट्रीय उद्यान, कैलिफोर्निया	योसेमाइट क्रीक	739



विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर			
शिखर	स्थल	ऊँचाई (मी./फीट)	प्रकार
माउंट एवरेस्ट	नेपाल / तिब्बत	8,850 / 29,035	नील
केंद्र	भारत	8,611 / 28,251	आमेज़न
कंचनजंगा	भारत / नेपाल	8,586 / 28,169	चांग
ल्होत्से	नेपाल	8,516 / 27,939	मिसिसिपी
मकालू	नेपाल	8,463 / 27,765	ओबू
छो ओय	नेपाल / चीन	8,201 / 26,906	येनिसी
घौलागिरी	नेपाल	8,167 / 26,794	क्वांग
मानसलू	नेपाल	8,163 / 26,781	कांगारू
नंगा पर्वत	भारत	8,126 / 26,660	पराना
अन्पूर्णा I	नेपाल	8,091 / 26,545	मेकां

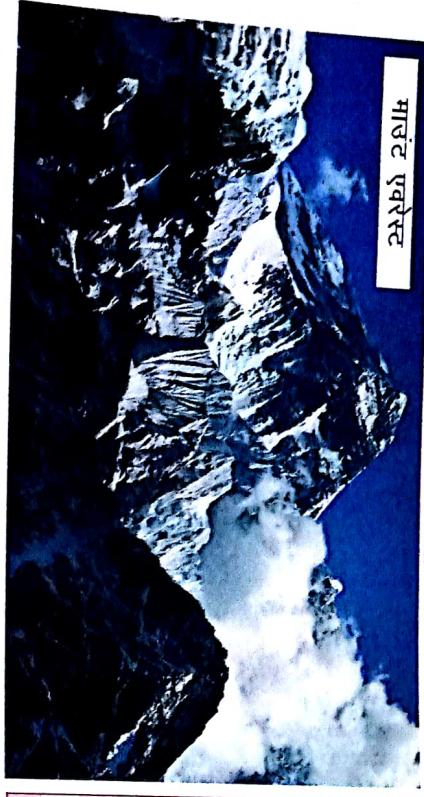
विश्व, महादीप एवं महासागर			
वर्ग क्रमी	मील	प्रति सत	
विश्व			
विश्व	484,510,420	207,934,764	—
स्थल	148,800,420	57,412,764	30.71
जल	335,710,000	150,522,000	69.29
महादीप			
एशिया	45,036,492	17,388,686	30.27
आफ्रिका	30,343,578	11,715,721	20.39
उत्तर अमेरिका	24,660,331	9,529,129	16.59
दक्षिण अमेरिका	17,815,420	6,878,572	11.97
अंटार्कटिका	12,093,000	4,669,133	8.13
यूरोप	9,908,599	3,825,731	6.66
ओस्ट्रेलिया एवं महासागरीय	8,923,000	3,405,792	6.00
विश्व - जल	148,800,420	57,412,764	100.00

प्रसिद्ध जल प्रपात			
नाम	स्थल	चोत / नदी	ज़ेंचाइ (मी.)
एंजिल	कनेमा राष्ट्रीय उद्यान, बोनेजुएला	रिओ कारोनी की उपरी सहायक नदी	979
टुगेला	नटलनाट्ल उद्यान, दक्षिण अफ्रिका	टुगेला	947
चूटिंगॉर्ड	नॉर्वे	ग्लेशियर स्ट्रीम	800
मोंगो	मार्स्टीन, नॉर्वे	मोंगेवेक	774
गोद्वाना काटारेक्ट्स	चावापोयास, पेरु	—	771
मुटराट्जी योसेमाइट	एन्यांगा राष्ट्रीय उद्यान, जिम्बाब्वे योसेमाइट राष्ट्रीय उद्यान,	मुटराट्जी योसेमाइट क्रीक	762
कैलिफोर्निया	—	—	739



विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर एवं लम्बी नदियाँ

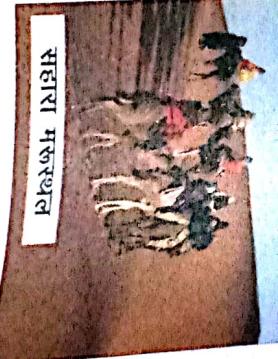
महाद्वीप		गहान्धीपीय पराक्रोटिया			
प्रशिया	सूर्योप	जल अभेरिका	दक्षिण अभेरिका	अभीका	महासागरीय
सोन्यफल (वर्ग किमी में)	45,036,492	9,908,599	24,680,331	17,815,420	30,343,578
अनुमानित जनसंख्या (हजारों में)	3,679,737	727,986	315,915	349,510	795,671
देशों की संख्या	48	50	23	12	54
उच्चतम चिह्न	मा. एस्ट्रेस्ट. नेपाल / चीन: 29,035 फीट (8,850 मी.)	एस्ट्रेस्ट. रूस / जॉर्जिया: 18,510 फीट (5,642 मी.)	मा. ऐकिन्सो: 18,510 फीट (5,642 मी.)	मा. ऐकिन्सो: 18,510 फीट (5,642 मी.)	मा. एकांकुरुआ: 18,510 फीट (5,642 मी.)
चून्तम चिह्न	मृत सागर: 1,341 फीट (-409 मी.)	समुद्र तल के नीचे (-28 मी.)	कैपियन सागर तट: 92 फीट समुद्र तल के नीचे (-86 मी.)	डेथ घाटी: 282 फीट समुद्र तल के नीचे (-86 मी.)	वाल्स प्रायरीप: 131 फीट समुद्र तल के नीचे (-40 मी.)
वृहत् द्वीप	बोनियो: 745,561 वर्ग किमी	घेट बिटेन: 218,476 वर्ग किमी	गीनलैंड: 2,175,600 वर्ग किमी	टिर्स डेल प्यारोगो: 47,000 वर्ग किमी	मेडागारक: 587,040 वर्ग किमी
लम्बी नदी	चांग ज़ियांग (यांगसी): 6,380 किमी	बोल्ना: 3,688 किमी	मिसिसिपी-मिसीरी: 5,969 किमी	ओमेजन: 6,516 किमी	नील: 6,695 किमी
वृहत् झील	कैथियन सागर: 371,000 वर्ग किमी	लालोगो झील: 18,390 वर्ग किमी	सुपीरियर झील: 8,340 वर्ग किमी	टिटिकाका झील: 8,340 वर्ग किमी	विकटोरिया झील: 68,800 वर्ग किमी



माउंट एवरेस्ट



एंजिल प्रपात



महाराष्ट्र मरुस्थल

विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर एवं लम्बी नदियाँ	देश	लम्बाई (किमी)
माउंट एवरेस्ट	भारत / नेपाल	8,850 / 29,035
गारत	भारत	8,611 / 28,251
कैरनज़ाग्ना	गारत / नेपाल	8,596 / 28,169
ल्होत्से	नेपाल	8,516 / 27,939
मकातू	नेपाल	8,463 / 27,765
छो ओय	नेपाल / चीन	8,201 / 26,906
घोलागिरि	नेपाल	8,167 / 26,794
मानसूच	नेपाल	8,163 / 26,781
नंगा पर्वत	भारत	8,126 / 26,660
अन्नपूर्णा I	नेपाल	8,091 / 26,545

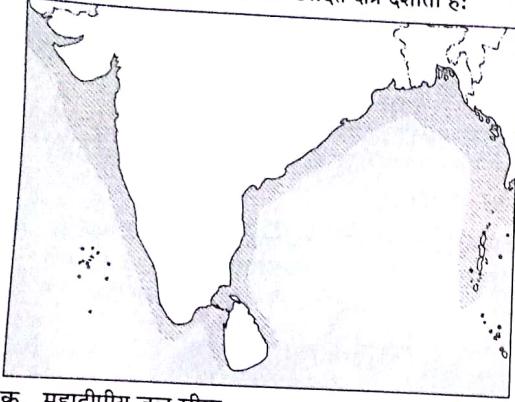
विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर एवं लम्बी नदियाँ	देश	लम्बाई (किमी)
माउंट एवरेस्ट	भारत / नेपाल	8,850 / 29,035
गारत	भारत	8,611 / 28,251
कैरनज़ाग्ना	गारत / नेपाल	8,596 / 28,169
ल्होत्से	नेपाल	8,516 / 27,939
मकातू	नेपाल	8,463 / 27,765
छो ओय	नेपाल / चीन	8,201 / 26,906
घोलागिरि	नेपाल	8,167 / 26,794
मानसूच	नेपाल	8,163 / 26,781
नंगा पर्वत	भारत	8,126 / 26,660
अन्नपूर्णा I	नेपाल	8,091 / 26,545

निम्नलिखित प्रश्न इस एटलस में दी गयी जानकारी तथा मानचित्रों पर आधारित हैं। इन प्रश्नों की संतुचना संघ लोक सेवा आयोग, राजकीय लोक सेवा आयोग तथा अन्य परीक्षण संस्थाओं द्वारा संचालित परीक्षा प्रणाली के अनुरूप किया गया है।

ऑक्सफ़र्ड स्टूडेंट एटलस

(प्रतियोगिता-परीक्षा हेतु सहायक)

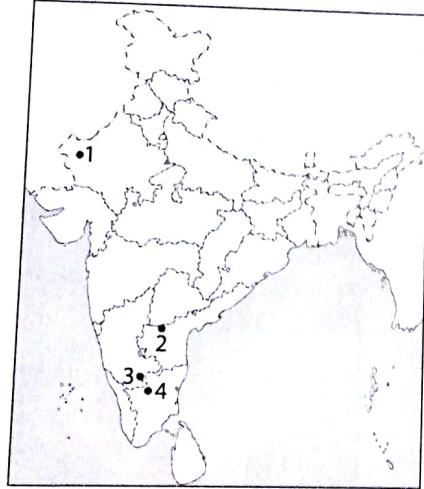
1. भारत की तटरेखा से संलग्न आच्छादित क्षेत्र दर्शाता है:



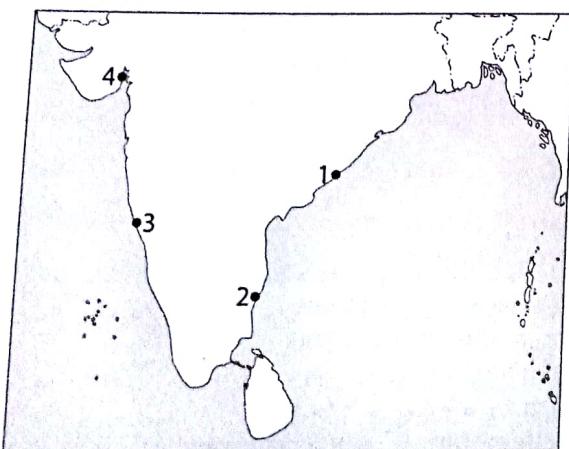
- क. महाद्वीपीय जल सीमा
ख. तलछटी कटिबंध
ग. समुद्री आर्थिक कटिबंध
घ. तटवर्ती प्रदूषण कटिबंध

2. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा क्षेत्र सौर्य परियोजना स्थल है?

- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4

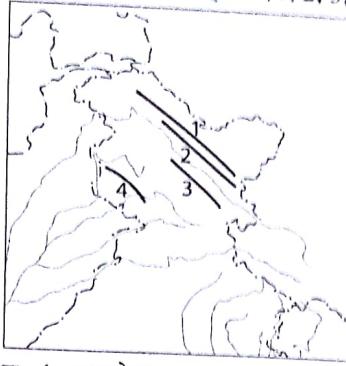


3. मानचित्र में अंकित चार स्थलों में से कौन सा स्थल प्रमुख बन्दरगाह है?



- क. 1
ख. 2
ग. 3

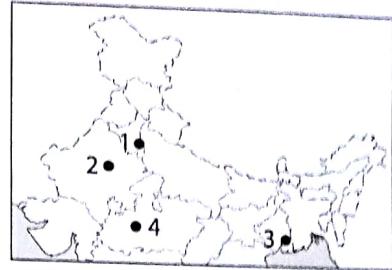
4. मानचित्र में अंकित पर्वत शृंखलाएं 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



- क. 1: काराकोरम, 2: लदाख, 3: जास्कर, 4: पीर पंजाल
ख. 1: पीर पंजाल, 2: जास्कर, 3: लदाख, 4: काराकोरम
ग. 1: काराकोरम, 2: जास्कर, 3: पीर पंजाल, 4: लदाख
घ. 1: लदाख 2: काराकोरम 3: जास्कर, 4: पीर पंजाल

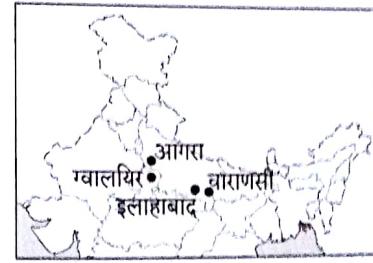
5. मानचित्र में अंकित तीन क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं तथा एक घरेलू हवाई अड्डे को चिन्हित करें।

- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4



6. मानचित्र में अंकित चार क्षेत्रों में से तीन क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े हैं। कौन सा क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से नहीं जुड़ा है?

- क. आगरा
ख. इलाहाबाद
ग. ग्वालियर
घ. वाराणसी

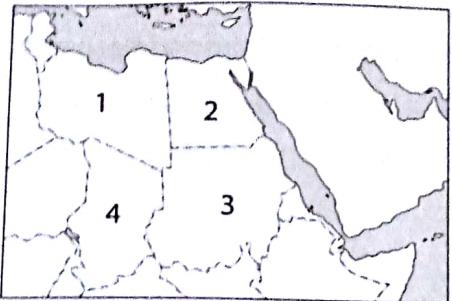


7. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा क्षेत्र अर्जेठीना के कॉर्डोबा की सही अवस्थिति है?

- क. 2
ख. 1
ग. 4
घ. 3



8. मानचित्र में अंकित देश 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



- क. 1: लीबिया, 2: मिस्र, 3: सूडान, 4: चाड
 ख. 1: चाड, 2: मिस्र, 3: सूडान, 4: लीबिया
 ग. 1: मिस्र, 2: सूडान, 3: चाड, 4: लीबिया
 घ. 1: लीबिया, 2: चाड, 3: सूडान, 4: मिस्र

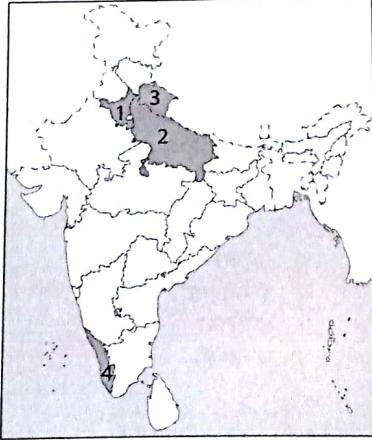
9. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 हैं:

- क. 1: थालधाट गैप, 2: पालधाट गैप,
 3: नांदयाल धाटी,
 4: थालधाट शृंखला,
 ख. 1: पालधाट गैप
 2: थालधाट गैप
 3: बालधाट शृंखला
 4: नांदयाल धाटी
 ग. 1: बालधाट शृंखला,
 2: नांदयाल धाटी,
 3: पालधाट गैप, 4: थालधाट गैप,
 घ. 1: बालधाट शृंखला,
 2: थालधाट गैप, 3: पालधाट गैप,
 4: नांदयाल धाटी



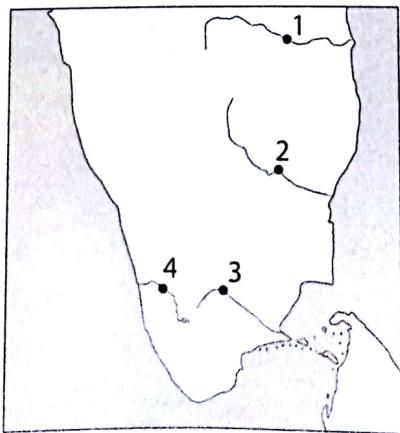
10. मानचित्र में अंकित 1, 2, 3, तथा 4 में से लिंग अनुपात का घटते क्रम में सही अवस्थिति कौन सी है?

- क. 1, 2, 3 तथा 4
 ख. 2, 1, 3 तथा 4
 ग. 4, 3, 2 तथा 1
 घ. 3, 2, 4 तथा 1



11. मानचित्र में अंकित 1, 2, 3, तथा 4 नदियाँ हैं:

- क. 1: पेरियार,
 2: पेन्नेरु,
 3: पोन्नईयार,
 4: वैगई
 ख. 1: पेन्नेरु,
 2: पोन्नईयार,
 3: वैगई,
 4: पेरियार
 ग. 1: पोन्नईयार,
 2: वैगई, 3: पेरियार
 4: पेन्नेरु
 घ. 1: वैगई,
 2: पोन्नईयार,
 3: पेन्नेरु, 4: पेरियार

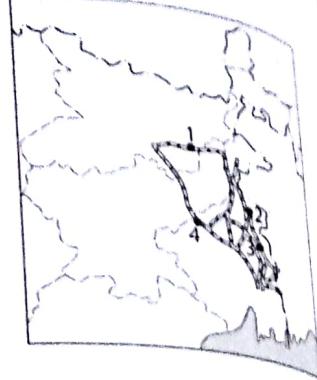


12. मानचित्र में अंकित पूर्वी रेल के रेलवे स्टेशन 1, 2, 3, तथा 4 हैं:

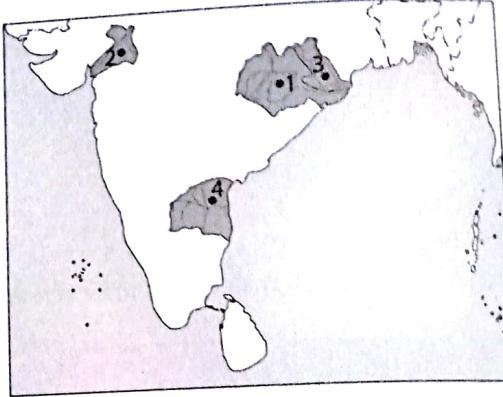
- क. 1: भागलपुर, 2: आसनसोल,
 3: कृष्णानगर,
 4: बहरामपुर
 ख. 1: भागलपुर,
 2: कृष्णानगर,
 3: बहरामपुर,
 4: आसनसोल

- ग. 1: भागलपुर,
 2: बहरामपुर,
 3: कृष्णानगर,
 4: आसनसोल

- घ. 1: बहरामपुर,
 2: कृष्णानगर,
 3. आसनसोल, 4: भागलपुर



13. मानचित्र में अंकित जल निकासी बेसिन 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



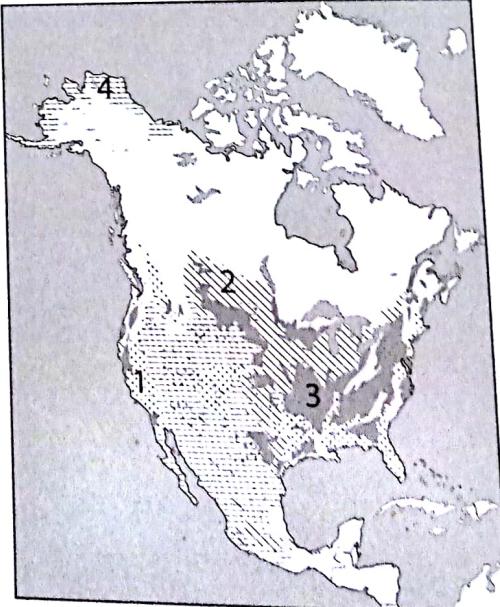
- क. 1: ब्राह्मणी, 2: महानदी, 3: पेन्नेरु, 4: माहि

- ख. 1: महानदी, 2: पेन्नेरु, 3: माहि, 4: ब्राह्मणी

- ग. 1: महानदी, 2: माहि, 3: ब्राह्मणी, 4: पेन्नेरु

- घ. 1: ब्राह्मणी, 2: महानदी, 3: माहि, 4: पेन्नेरु

14. मानचित्र में अंकित उत्तर अमेरिका के क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 किन वस्तुओं के लिए प्रख्यात हैं?



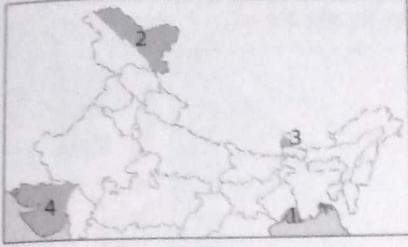
- क. 1: खानाबदोश पशुचारण, 2: कृषि योग्य,
 3: काष्ठ वन, 4: कृषि योग्य एवं चारागाह

- ख. 1: खानाबदोश पशुचारण, 2: काष्ठ वन,
 3: कृषि योग्य एवं चारागाह, 4: कृषि योग्य

- ग. 1: खानाबदोश पशुचारण, 2: कृषि योग्य एवं चारागाह,
 3: काष्ठ वन, 4: कृषि योग्य

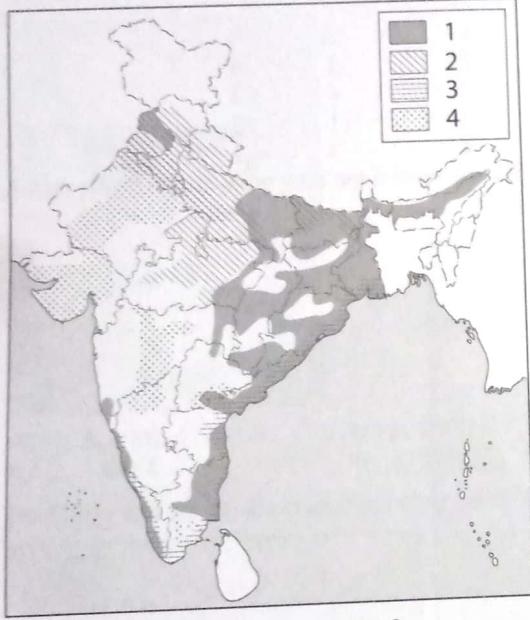
- घ. 1: काष्ठ वन, 2: कृषि योग्य,
 3: कृषि योग्य एवं चारागाह, 4: खानाबदोश पशुचारण

15. मानचित्र में अंकित 1, 2, 3, तथा 4 प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार हैं:



- क. 1: मैंग्रोव, 2: मरुस्थलीय, 3: अधो उष्णकटिबंधीय, 4: उष्णकटिबंधी कंटीले
 ख. 1: मरुस्थलीय, 2: अधो उष्णकटिबंधीय, 3: उष्णकटिबंधी कंटीले, 4: मैंग्रोव
 ग. 1: मैंग्रोव, 2: अधो उष्णकटिबंधीय, 3: उष्णकटिबंधी कंटीले, 4: मरुस्थलीय
 घ. 1: उष्णकटिबंधी कंटीले, 2: अधो उष्णकटिबंधीय, 3: मैंग्रोव, 4: मरुस्थलीय

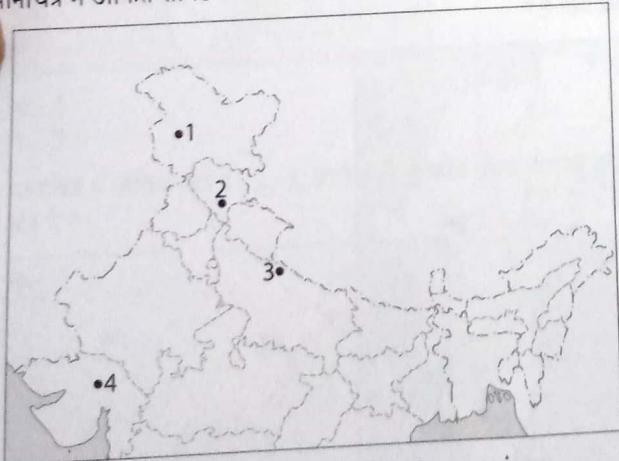
16. मानचित्र में अंकित तीन आच्छादित क्षेत्र खाद्य फसल के उत्पाद को दर्शाते हैं। मानचित्र में अंकित चौथा आच्छादित क्षेत्र नकदी फसल दर्शाता है। मानचित्र को देख कर नकदी फसल उत्पाद करने वाले क्षेत्र को चुनें।



- क. 1
ग. 3

- ख. 2
घ. 4

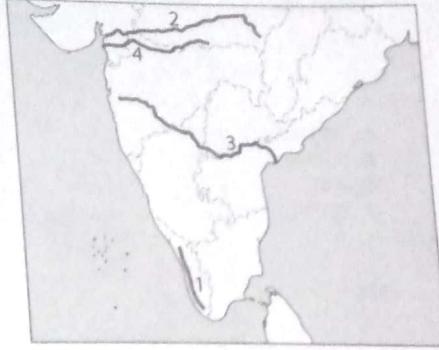
मानचित्र में अंकित सीमेंट उद्योग केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



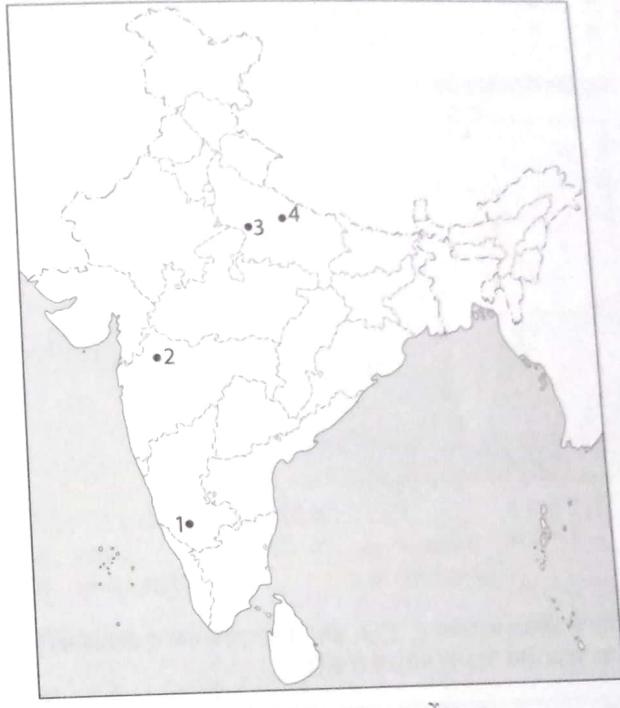
- क. 1: मुरादाबाद, 2: अहमदाबाद, 3: भिवानी, 4: अनंतपुर
 ख. 1: मुरादाबाद, 2: नंगल, 3: अहमदाबाद, 4: अनंतपुर
 ग. 1: श्रीनगर, 2: नंगल, 3: मुरादाबाद, 4: अहमदाबाद
 घ. 1: अलवर, 2: मुरादाबाद, 3: अनंतपुर, 4: भिवानी

18. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय जलमार्ग है?

- क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4



19. मानचित्र में अंकित वायुयान उद्योग केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



- क. 1: नासिक, 2: कानपुर, 3: लखनऊ, 4: बैंगलूरु
 ख. 1: कानपुर, 2: लखनऊ, 3: बैंगलूरु, 4: नासिक
 ग. 1: लखनऊ, 2: कानपुर, 3: नासिक, 4: बैंगलूरु
 घ. 1: बैंगलूरु, 2: नासिक, 3: कानपुर, 4: लखनऊ

20. मानचित्र में निजाम सागर डैम क्षेत्र है:



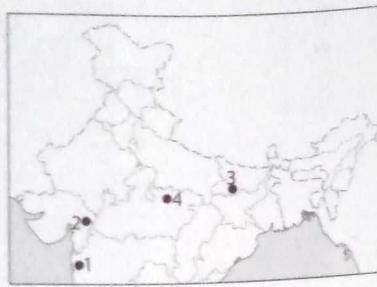
- क. 1
ग. 3

- ख. 2
घ. 4

112

अभ्यास प्रश्नावली

21. मानचित्र में अंकित विश्व विरासत क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें।



कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	3	4	1
ग.	4	2	3	1
घ.	3	2	1	4

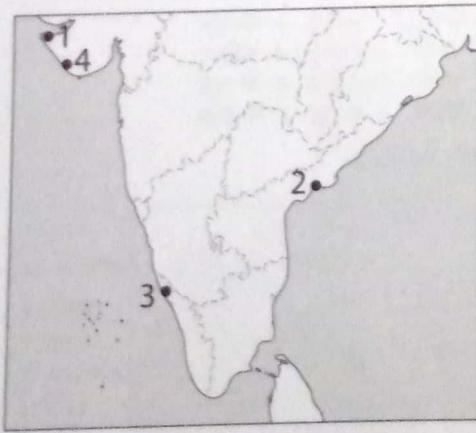
22. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन परमाणु परीक्षण क्षेत्र हैं?



- क. 1, 2 तथा 3
ग. 1, 3 तथा 4

- ख. 1, 2, 3 तथा 4
घ. 2, 3 तथा 4

23. मानचित्र में अंकित बंदरगाह 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।



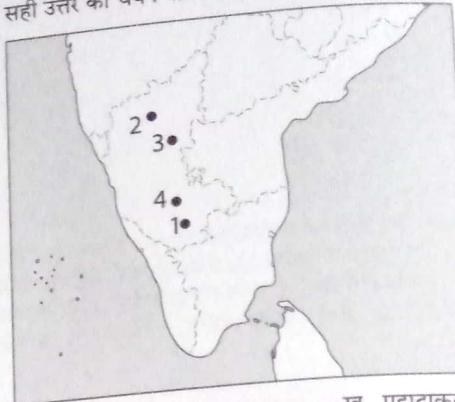
- क. ओखा
ग. तालस्सरी

- ख. वेरावल
घ. मछलीपटनम

कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	4	2	3	1
ख.	3	2	1	4
ग.	1	4	3	2
घ.	4	3	2	1

24. मानचित्र में अंकित कर्नाटक के विश्व विरासत स्थल तथा पुरातत्व केंद्र को उनके नाम संग मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।



- क. श्रीरामपट्टनम
ग. हम्पी

- ख. पट्टदाकल
घ. श्रवणबेलगोला

कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	1	4	3
ग.	4	3	1	2
घ.	2	4	3	1

25. मानचित्र में अंकित चार स्थानों में एक स्थान पर्यावरणीय संवेदनशील स्थल है। उस क्षेत्र को पहचानें।



- क. 1
ग. 3

- ख. 2
घ. 4

26. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में किस क्षेत्र में विलुप्तप्रायः प्रजाति सूचीबद्ध नहीं हैं?



- क. 1
ग. 3

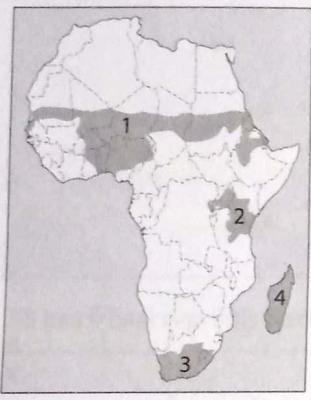
- ख. 2
घ. 4

27. दक्षिण अमेरिका के मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में किस क्षेत्र में लोलुम होती जैव विविधता नहीं है?



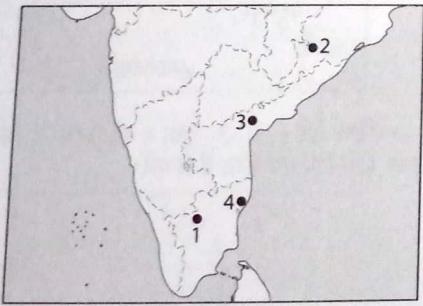
- क. 1
ग. 3
ख. 2
घ. 4

28. अफ्रिका के मानचित्र में अंकित क्षेत्रों में से कौन से क्षेत्र भीषण मृदा अपरदन से प्रभावित हैं?



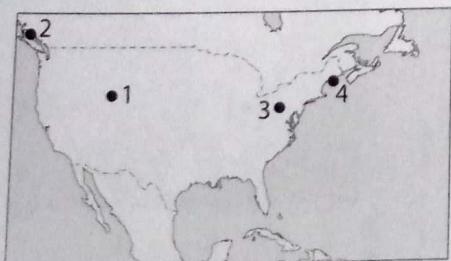
- क. 1, 2, 3 तथा 4
ग. 2, 3 तथा 4
ख. 1, 2 तथा 3
घ. 1, 3 तथा 4

29. निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र परमाणु ऊर्जा परियोजना का क्षेत्र है?



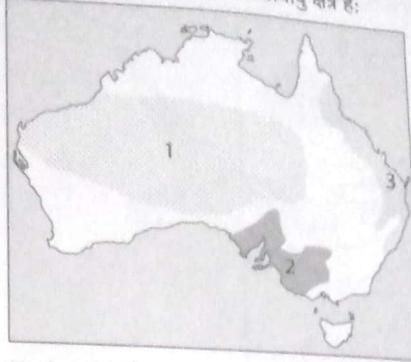
- क. 1
ग. 3
ख. 2
घ. 4

30. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन मुख्य परमाणु दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र है?



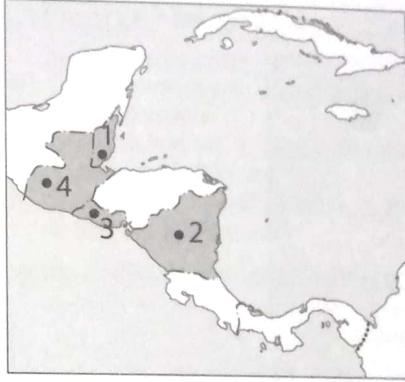
- क. 1, 2, 3 तथा 4
ग. 2, 3 तथा 4
ख. 1, 2 तथा 3
घ. 1 तथा 3

31. मानचित्र में अंकित 1, 2 तथा 3 जलवायु क्षेत्र हैं:



- क. 1: मरुस्थलीय 2: भूमध्यसागरीय 3: आँद्रे उपोष्णाकटिबंधीय
ख. 1: पर्वतीय भूभाग 2: मरुस्थलीय 3: आँद्रे उपोष्णाकटिबंधीय
ग. 1: समुद्रीय 2: पर्वतीय भूभाग 3: सवाना
घ. 1: मरुस्थलीय 2: भूमध्यसागरीय 3: सवाना

32. मानचित्र में अंकित मध्य अमेरिका के देश 1, 2, 3 तथा 4 को उनके नाम संग मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।

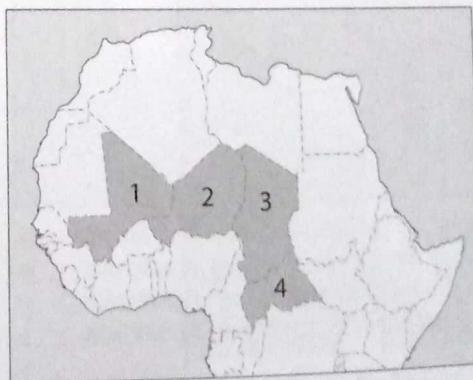


- क. बेलीज
ग. एल साल्वाडोर
ख. ग्वाटेमाला
घ. निकारागुआ

कोड:

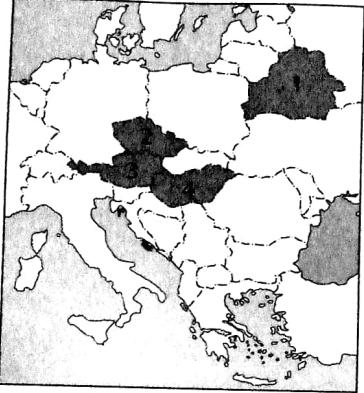
	i	ii	iii	iv
क.	4	2	3	1
ख.	3	2	4	1
ग.	1	4	3	2
घ.	4	3	2	1

33. मानचित्र में अंकित अफ्रिका के स्थल रुद्ध देश हैं। अंकित देश 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



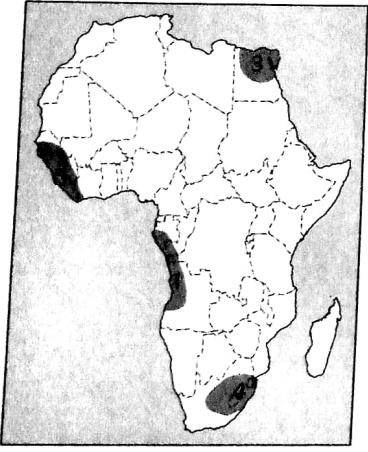
- क. 1: जाम्बिया, 2: बोत्सवाना, 3: जिम्बाब्वे, 4: मोजाम्बिक
ख. 1: माली, 2: नाइजर, 3: अंगोला, 4: तन्जानिया
ग. 1: माली, 2: नाइजर, 3: चाड, 4: केन्द्रीय अफ्रिकी गणराज्य
घ. 1: जाम्बिया, 2: जिम्बाब्वे, 3: बोत्सवाना, 4: अंगोला

34. मानचित्र में यूरोप के कुछ स्थल रुद्ध देश दर्शाएंगे हैं। अंकित देश 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



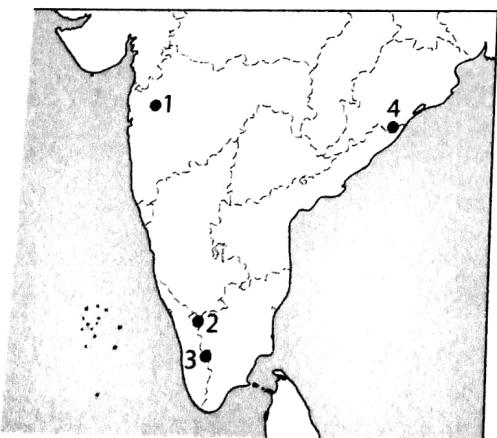
- क. 1: बेलारूस, 2: लाटविया, 3: लिथुआनिया, 4: पोलैंड
 ख. 1: बेलारूस, 2: चेक गणराज्य, 3: ऑस्ट्रिया, 4: हंगरी
 ग. 1: बेलारूस, 2: पोलैंड, 3: ऑस्ट्रिया, 4: लाटविया
 घ. 1: बेलारूस, 2: पोलैंड, 3: यूक्रेन, 4: सर्बिया

35. मानचित्र में अंकित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में किन क्षेत्रों में तेल भण्डार हैं?



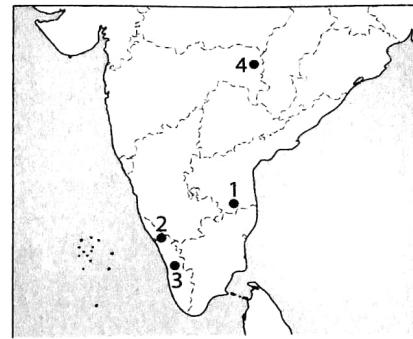
- क. 1, 2 तथा 3
 ख. 1, 2 तथा 4
 ग. 1 तथा 3
 घ. 1, 2, 3 तथा 4

36. भारत के मानचित्र में चार शिखर दर्शित हैं। अंकित शिखर 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



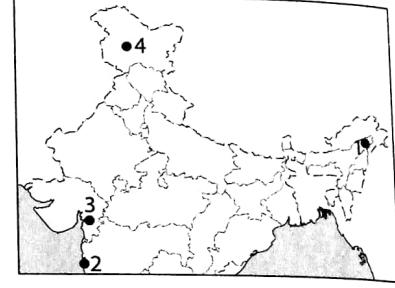
- क. 1: डोडा बेट्टा, 2: अनाई मुङ्डी, 3: महेंद्रगिरि, 4: कलसुबई
 ख. 1: कलसुबई, 2: डोडा बेट्टा, 3: महेंद्रगिरि, 4: अनाई मुङ्डी
 ग. 1: अनाई मुङ्डी, 2: महेंद्रगिरि, 3: कलसुबई, 4: डोडा बेट्टा
 घ. 1: कलसुबई, 2: डोडा बेट्टा, 3: अनाई मुङ्डी, 4: महेंद्रगिरि

37. मानचित्र में अंकित राष्ट्रीय उद्यान 1, 2, 3, तथा 4 हैं:



- क. 1: श्री वेंकटेश्वर, 2: साइलेंट वैली, 3: नागरहोल, 4: नवगाँव
 ख. 1: साइलेंट वैली, 2: नवगाँव, 3: नागरहोल, 4: श्री वेंकटेश्वर
 ग. 1: नवगाँव, 2: नागरहोल, 3: श्री वेंकटेश्वर, 4: साइलेंट वैली
 घ. 1: श्री वेंकटेश्वर, 2: नागरहोल, 3: साइलेंट वैली, 4: नवगाँव

38. निम्नलिखित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा क्षेत्र पम्पोर गैस परियोजना का स्थल है?



39. निम्नलिखित में से किसका खनन मानचित्र में दर्शित खनन केन्द्रों में होता है?

- क. टंगस्टन
 ख. चादी
 ग. तांबा
 घ. मैग्नीज

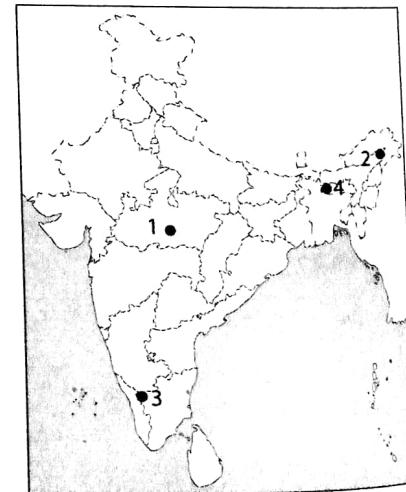


40. मानचित्र में अंकित जैकमंडल आरक्षित क्षेत्र 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।

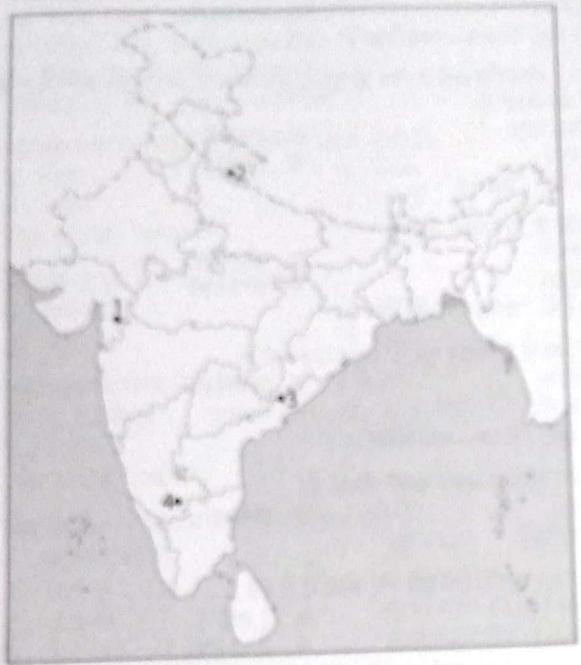
- क. नोकरेक
 ख. पंचमढ़ी
 ग. निलगिरी
 घ. डिब्रू-साइखोवा

कोड:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	4	3	2	1
ग.	2	4	3	1
घ.	4	1	3	2



41. मानचित्र में अंकित उत्तर शिल्पोजना 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।



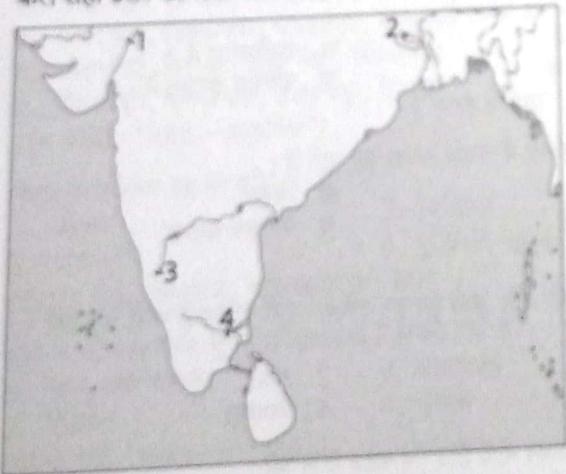
क. राजस्थान
ख. सरदार सरोवर

ग. गिरजापुरम
घ. विलेक

कोड़:

	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	4	1	3
ग.	4	3	2	1
घ.	3	1	2	4

42. मानचित्र में अंकित सिंचाई परियोजना 1, 2, 3, तथा 4 को उनके नाम से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।



क. ग्रैंड एनिकट
ख. भद्रा जलाशय
ग. मध्यराष्ट्री
घ. हथमती

कोड़:

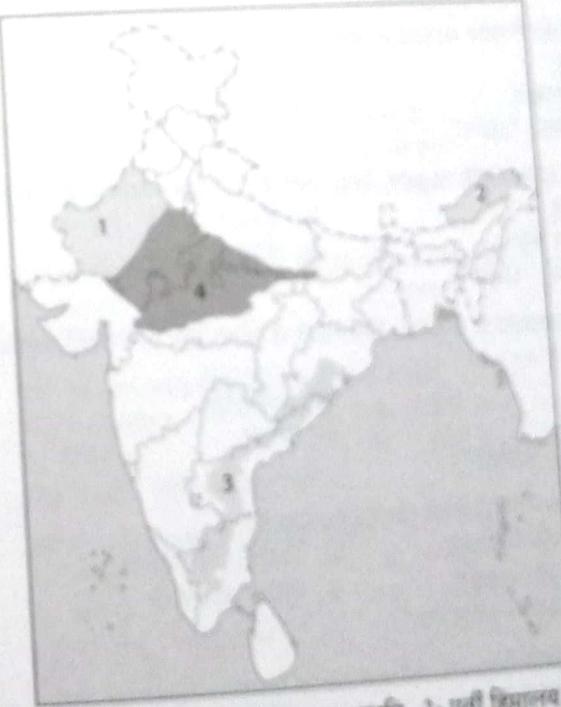
	i	ii	iii	iv
क.	1	2	3	4
ख.	2	4	3	1
ग.	4	3	2	1
घ.	3	2	4	1

43. मानचित्र में अंकित सेव 1, 2, 3, तथा 4 को उत्तर के नाम से मिलान करें।



- क. 1: बहावलीय, 2: अप्ये उत्तराखण्डीय आई, 3: उत्तराखण्डीय नर,
4: उत्तराखण्डीय समाज
ख. 1: उत्तराखण्डीय समाज, 2: अप्ये उत्तराखण्डीय आई, 3: बहावलीय,
4: उत्तराखण्डीय नर
ग. 1: उत्तराखण्डीय नर, 2: उत्तराखण्डीय समाज, 3: बहावलीय,
4: अप्ये उत्तराखण्डीय आई
घ. 1: बहावलीय, 2: उत्तराखण्डीय नर, 3: उत्तराखण्डीय समाज,
4: अप्ये उत्तराखण्डीय आई

44. मानचित्र में अंकित प्रमुख भू-आकृतिक सेव 1, 2, 3, तथा 4 हैं।



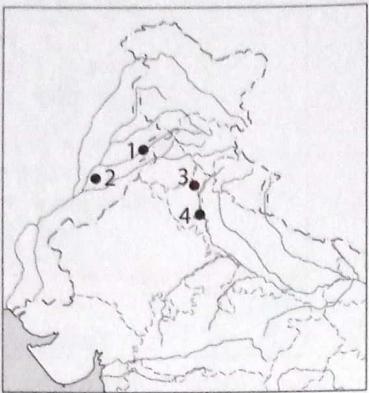
- क. 1: परिचमी मैदान, 2: पश्च उच्चभूमि, 3: पूर्वी हिमालय, 4: पूर्वी पठ
ख. 1: पश्च उच्चभूमि, 2: पूर्वी हिमालय, 3: पूर्वी पठ, 4: परिचमी मैदान
ग. 1: परिचमी मैदान, 2: पूर्वी हिमालय, 3: पूर्वी पठ, 4: पश्च उच्चभूमि
घ. 1: पश्च उच्चभूमि, 2: पूर्वी पठ, 3: परिचमी मैदान, 4: पूर्वी हिमालय

45. इन नगरों को देखें:
 1. अहमदाबाद
 3. सौची
 2. उदयपुर
 4. आइजॉल
- इनमें से कौन सा नगर कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है?
 क. 2 तथा 3
 ग. 2 तथा 4
 (पृष्ठ 9 देखें, "भारत—राजनैतिक")
46. सौची-1 (राष्ट्रीय उद्यान) को सौची-2 (राज्य) से मिलान करें। सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें।
- | | |
|---------------------------|--------------------|
| सौची-1 (राष्ट्रीय उद्यान) | सौची-2 (राज्य) |
| क. दाचिंगम | 1. केरल |
| ख. पुष्प घाटी | 2. उत्तर प्रदेश |
| ग. दुधवा | 3. उत्तराखण्ड |
| घ. साइलेंट वैली | 4. जम्मू और कश्मीर |
- कोड़:
- | | | | |
|------|----|-----|----|
| i | ii | iii | iv |
| क. 4 | 3 | 2 | 1 |
| ख. 3 | 4 | 1 | 2 |
| ग. 1 | 2 | 4 | 3 |
| घ. 2 | 1 | 3 | 4 |
- (पृष्ठ 27 देखें, "वन्य-जीव")
47. निम्नलिखित नंदियों में किसकी अपवाह क्षेत्र सबसे बृहत् है?
 क. कृष्णा ख. गोदावरी
 ग. महानदी घ. कावेरी
 (पृष्ठ 29 देखें, "अपवाह क्षेत्र")
48. निम्नलिखित में भारत की सुदूर दक्षिणी पहाड़ी कौन सी है?
 क. नीलगिरी ख. कारडमम
 ग. अन्नामलाई घ. शेवारौय
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
49. निम्नलिखित में कौन सी ऑटोमोबाइल विनिर्माण केन्द्र नहीं है?
 क. होस्टर ख. हैदराबाद
 ग. औरंगाबाद घ. जबलपुर
 (पृष्ठ 33 देखें, "उद्योग")
50. 2011 के जनगणना के अनुसार, किस राज्य की जनसंख्या धनत्व सर्वाधिक है?
 क. महाराष्ट्र ख. गुजरात
 ग. पश्चिम बंगाल घ. कर्नाटक
 (पृष्ठ 40 देखें, "धनत्व")
51. 2011 के जनगणना के अनुसार, किस राज्य में गरीबी रेखा से नीचे की जनसंख्या सर्वाधिक है?
 क. बिहार ख. उत्तर प्रदेश
 ग. झारखण्ड घ. बंगाल
 (पृष्ठ 41 देखें, "निर्धनता")
52. दस डिग्री चैनेल किन द्वीपों को विभाजित करता है?
 क. अंडमान और निकोबार ख. निकोबार और सुमात्रा
 ग. मालदीव और लक्ष्मीप
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
53. कौन सा जोड़ा सही है?
 1. दाम्पा टाइगर रिजर्व - मिजोरम
 2. गुमटी वन्य-जीव अभ्यारण्य - सिक्किम
 3. फकिम वन्य-जीव अभ्यारण्य - त्रिपुरा
- सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें.
 क. 1 तथा 3 ख. 1, 2 तथा 3
 ग. केवल 1 घ. 2 तथा 3
 (पृष्ठ 27 देखें, "वन्य-जीव")

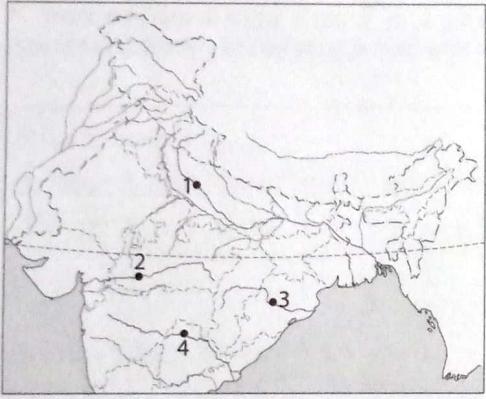
54. नर्मदा का अधिकतम भाग किस राज्य में स्थित है?
 क. मध्य प्रदेश ख. महाराष्ट्र
 ग. गुजरात घ. राजस्थान
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
55. मंगल एवं बृहस्पति ग्रहों के पथ के मध्य, सूर्य के चारों ओर घूमने वाले ग्रीष्म के टुकड़ों को कहते हैं:
 क. छोटा तारा ख. उल्कापिंड
 ग. उल्का घ. धूमकेतु
 (पृष्ठ 4 देखें, "ब्रह्माण्ड")
56. कर्क रेखा के निकटतम नगर है:
 क. भोपाल ख. कोलकाता
 ग. वडोदा घ. अगरतला
 (पृष्ठ 9 देखें, "भारत—राजनैतिक")
57. निम्नलिखित में से सबसे पूर्व में स्थित राजधानी है:
 क. इंदौर ख. अगरतला
 ग. आइजॉल घ. कोहिमा
 (पृष्ठ 9 देखें, "भारत—राजनैतिक")
58. अरुणाचल प्रदेश में बहने वाली नदियाँ हैं:
 1. बाराक
 2. सुबानसिरी
 सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें.
 क. केवल 1 ख. 2 तथा 3
 ग. 1 तथा 3 घ. 1, 2 तथा 3
 (पृष्ठ 16 देखें, "उत्तर—पूर्वी राज्य")
59. निम्नलिखित में किनका मिलान सही है?
 क्षेत्र पहाड़ी कोरमंडल तट
 1. कारडमम पहाड़ी कोंकण तट
 2. कैम्पू पहाड़ी मध्य भारत
 3. महाद� पहाड़ी उत्तर—पूर्व भारत
 4. मिकिर पहाड़ी सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें.
 क. 3 तथा 4 ख. 2 तथा 4
 ग. 1 तथा 2 घ. 2 तथा 3
 (पृष्ठ 8 देखें, "भारत—प्राकृतिक")
60. तालचेर कोल्फिल्ड स्थित है:
 क. ओडिशा में ख. छत्तीसगढ़ में
 ग. झारखण्ड में घ. पश्चिम बंगाल में
 (पृष्ठ 32 देखें, "खनिज ईंधन")
61. निम्न में किस राज्य में सबसे लम्बा रेल मार्ग है?
 क. गुजरात ख. बिहार
 ग. तमिलनाडु घ. पश्चिम बंगाल
 (पृष्ठ 37 देखें, "रेलवे")
62. दक्षिण से पूर्व की ओर आते हुए इन दक्षिण—पूर्वी एशियाई नगरों का सक्रम क्या है?
 1. बैंकाक
 3. जकार्ता
 2. हनोई
 4. सिंगापुर
 सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें.
 क. 3-4-1-2 ख. 4-3-2-1
 ग. 4-2-1-3 घ. 3-2-4-1
 (पृष्ठ 49 देखें, "एशिया—राजनैतिक")
63. निम्नलिखित में किनका मिलान सही है?
 राज्य प्रमुख उत्पाद
 1. कर्नाटक
 2. पंजाब
 3. मध्य प्रदेश
 4. उत्तर प्रदेश^{मक्का}
 सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कोड में से करें.
 क. 1, 2 तथा 3 ख. इनमें से कोई नहीं
 ग. 1 तथा 4 घ. 1 तथा 3
 (पृष्ठ 30-31 देखें, "खाद्य फसलें एवं नकदी फसलें")

4. मानचित्र में अंकित चार नगर 1, 2, 3, तथा 4 में से तीन महमूद गजनी के साम्राज्य के अंश थे तथा एक नगर को लूटा गया था किन्तु साम्राज्य का अंश नहीं बनाया गया था। उस नगर का चयन करें जिसे लूटा गया था किन्तु साम्राज्य का अंश नहीं बनाया गया था।

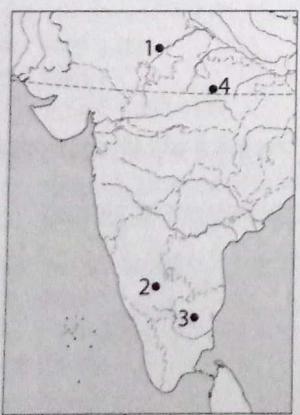
क. 1
ख. 2
ग. 3
घ. 4



5. मानचित्र में अंकित नदियाँ 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सी नदी समुद्रगुप्त के साम्राज्य की दक्षिणी परिसीमा चिन्हित करती है जिस पर उनका प्रत्यक्ष नियंत्रण था?

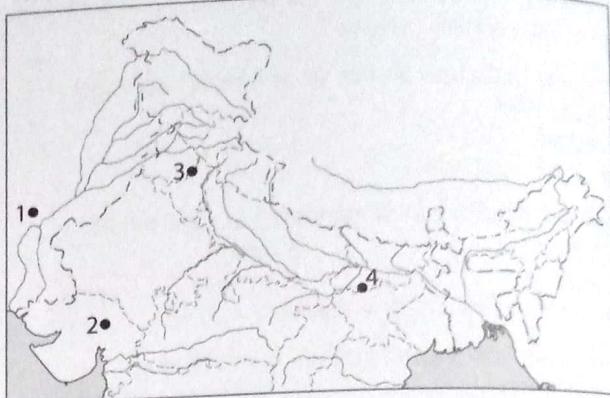


6. मानचित्र में सन् 750 - 1200 तक के चार क्षेत्रीय शासन दर्शाएँ गए हैं। निम्न में से सही अंक का चयन करें जो सही शासन से मेल खाती है:



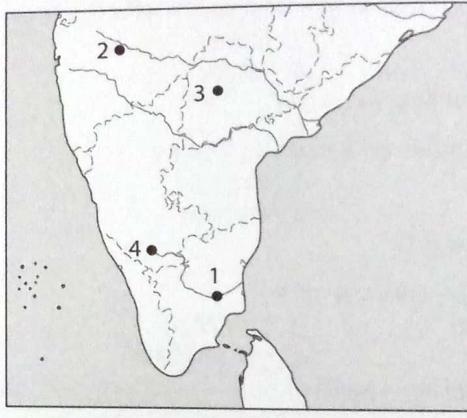
- क. 1: गुजर-प्रतिहार, 2: होयसल,
3: चोला, 4: चन्देल
ख. 1: होयसल, 2: चोला,
3: गुजर-प्रतिहार, 4: चन्देल
ग. 1: गुजर-प्रतिहार, 2: चन्देल,
3: होयसल, 4: चोला
घ. 1: चोला, 2: चन्देल,
3: गुजर-प्रतिहार, 4: होयसल

7. मानचित्र में अंकित नगर 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा नगर सिन्धु घाटी का अंश नहीं था?



क. 1
ग. 3

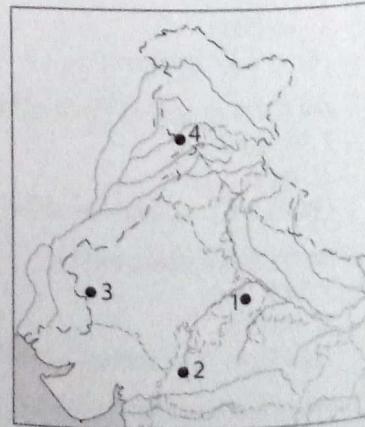
8. दक्षिण भारत (सन् 1335-1530) के मानचित्र में अंकित चार केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 विजयनगर साम्राज्य के नगर (x) अथवा बहमनी साम्राज्य के नगर (•) को दर्शाते हैं। निम्न में से नगर और उनके चिह्नों का सही मिलान करने वाले विकल्प का चयन करें।



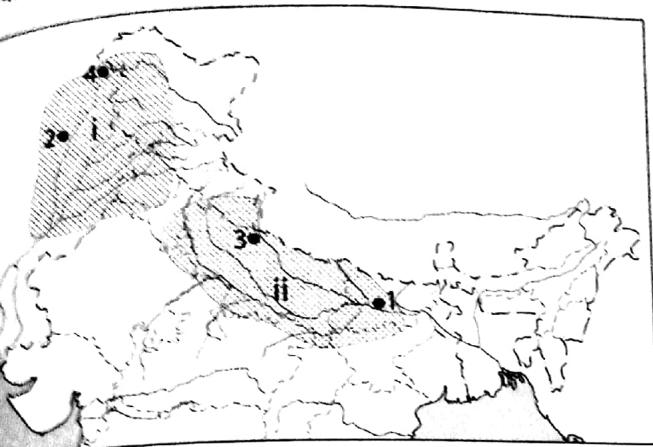
	i	ii	iii	iv
क.	•	•	x	x
ख.	•	x	•	x
ग.	x	•	•	x
घ.	•	x	x	•

9. मानचित्र में अंकित चार पौराणिक नगर 1, 2, 3, तथा 4 हैं जो अलाउद्दीन खिलजी के साम्राज्य का अंश थे। निम्न में सही विकल्प का चयन करें जो इन नगरों को साम्राज्य में इनके भौगोलिक दिशा के अनुसार उत्तर, दक्षिण, पूर्व तथा पश्चिम में व्यवस्थित करते हैं।

- क. उत्तर - सियालकोट
दक्षिण - घालियर
पूर्व - मांडू
पश्चिम - अमरकोट
ख. दक्षिण - घालियर
उत्तर - मांडू
पूर्व - अमरकोट
पश्चिम - सियालकोट
ग. उत्तर - सियालकोट
पूर्व - घालियर
दक्षिण - मांडू
पश्चिम - अमरकोट
घ. पश्चिम - मांडू
उत्तर - अमरकोट
पूर्व - सियालकोट
दक्षिण - घालियर

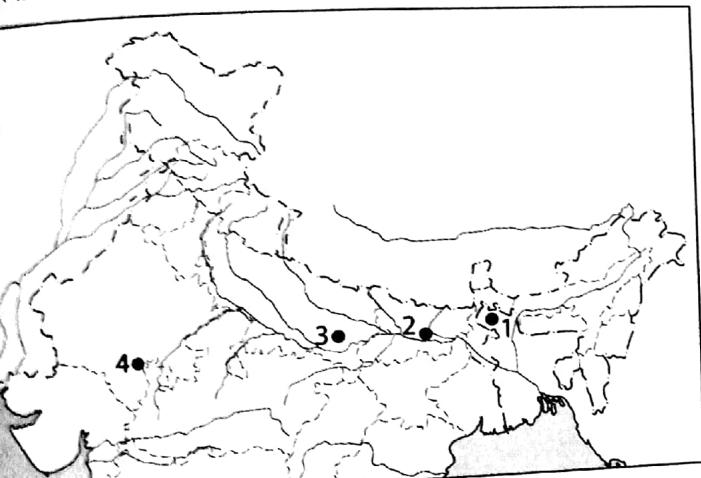


मानचित्र में चार साम्राज्य मगध, गांधार, कोसल तथा कम्बोजा 1, 2, 3, तथा 4 अंकित किये गए हैं जो क्रम रहित दर्शाएँ गए हैं। निम्न में सही विकल्प न चयन करें जो आच्छादित क्षेत्र i तथा ii में इन साम्राज्यों को अपने सही स्थान में दर्शाता है।

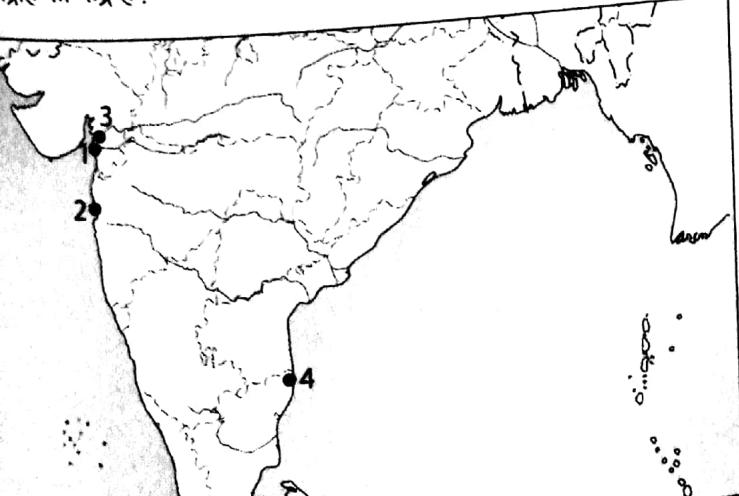


- i: 1. मगध, 2. गांधार, तथा ii: 3. कोसल, 4. कम्बोजा
 i: 2. गांधार, 4. कम्बोजा, तथा ii: 1. मगध, 3. कोसल
 i: 1. मगध, 3. कोसल, तथा ii: 2. गांधार, 4. कम्बोजा
 i: 3. कोसल, 2. कम्बोजा, तथा ii: 1. मगध, 2. गांधार

मानचित्र में अंकित महाजनपदों को पुर्व से पश्चिम की ओर जाते हुए सही क्रम में विस्थित करें।



- 1: मगध, 2: काशी, 3: अंग, 4: कम्बोजा
 1: मगध, 2: कम्बोजा, 3: अंग, 4: काशी
 1: मगध, 2: अंग, 3: कम्बोजा, 4: काशी
 1: अंग, 2: मगध, 3: काशी, 4: अवन्ती
- मानचित्र में दर्शाये गए राष्ट्रीय आन्दोलन केन्द्रों में से कौन सा एकमात्र नौसैनिक विद्रोह का केंद्र है?



13. मानचित्र में अंकित नदियाँ 1, 2, 3, तथा 4 हैं:

- क. 1. सतलज, 2. झेलम, 3. रावी,
 4. सिन्धु
 ख. 1. झेलम, 2. सिन्धु, 3. रावी,
 4. सतलज
 ग. 1. सिन्धु, 2. सतलज, 3. रावी,
 4. झेलम
 घ. 1. सिन्धु, 2. रावी, 3. सतलज,
 4. झेलम



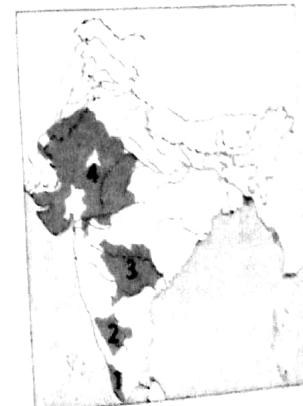
14. मानचित्र में अंकित पौराणिक नगरों में से कौन सा नगर समुद्रगुम के साम्राज्य का अंश नहीं था?

- क. पाटलीपुत्र
 ख. इन्द्रप्रस्थ
 ग. वालाभी
 घ. हैदराबाद

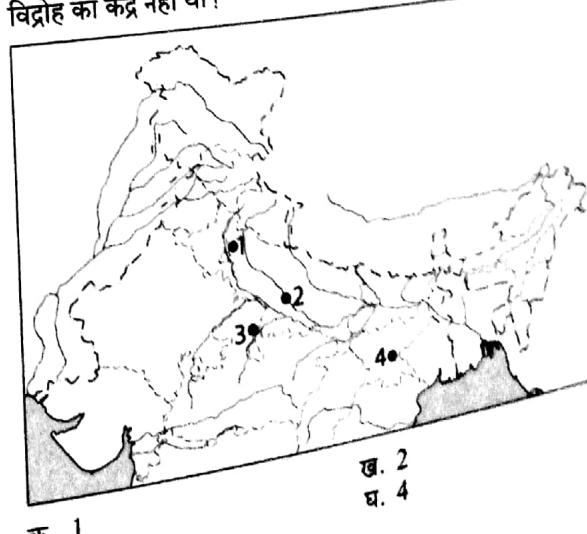


15. मानचित्र में अंकित आच्छादित क्षेत्र मध्य 19वीं सदी के राजसी प्रांत दर्शाते हैं। अंकित राज्य 1, 2, 3, तथा 4 का मिलान इनके सही नाम से करें:

- क. 1: त्रावणकोर, 2: मैसूर,
 3: हैदराबाद, 4: राजपूताना
 ख. 1: राजपूताना, 2: हैदराबाद,
 3: मैसूर, 4: त्रावणकोर
 ग. 1: मैसूर, 2: त्रावणकोर,
 3: राजपूताना, 4: हैदराबाद
 घ. 1: हैदराबाद, 2: त्रावणकोर,
 3: मैसूर, 4: राजपूताना



16. मानचित्र में दर्शाये गए स्थान 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा स्थान सन् 1857 के विद्रोह का केंद्र नहीं था?

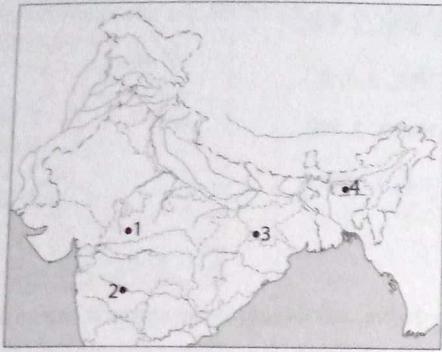


ख. 2
 घ. 4

122

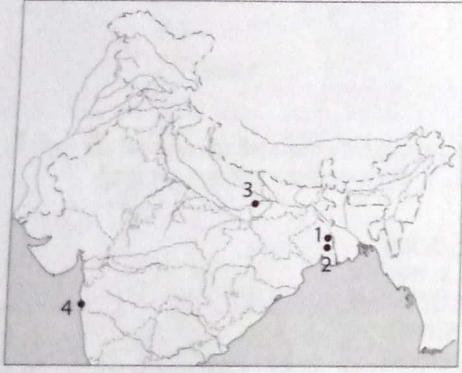
अभ्यास प्रश्नावली

17. मानचित्र में दिए गए अंक सन् 1857 के पूर्व के जन-जातीय विद्रोह दर्शाते हैं। अंक 1, 2, 3, तथा 4 इनका प्रतिनिधित्व करते हैं:



- क. 1: भील, 2: कोली, 3: संथाली, 4: खासी
 ख. 1. भील, 2: मुण्डा, 3: संथाली, 4: खासी
 ग. 1: मेर, 2: मुण्डा, 3: संथाली, 4: खासी
 घ. 1: भील, 2: गोंड, 3: मुण्डा, 4: खासी

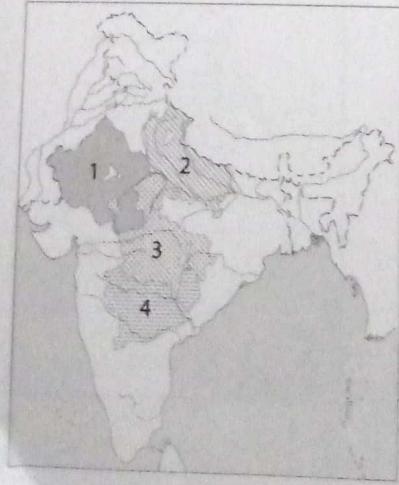
18. मानचित्र में 18वीं सदी के चार केंद्र 1, 2, 3, तथा 4 युद्ध केंद्र (x) अथवा व्यापार केन्द्रों (•) को दर्शाते हैं। निम्न में से नगर और उनके चिह्नों का सही मिलान करने वाले विकल्प का चयन करें।



- | | | | |
|----|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| क. | • | • | x |
| ख. | • | x | • |
| ग. | x | • | • |
| घ. | • | x | x |

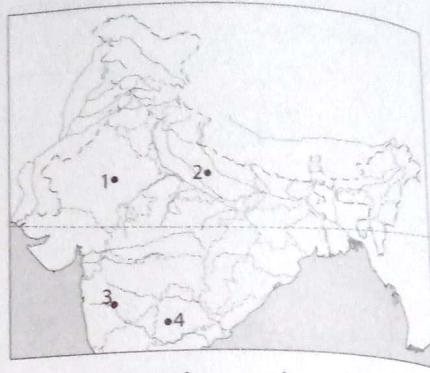
19. मानचित्र में स्वतन्त्रता के समय के भारत को दर्शाया गया है। इनमें आच्छादित एवं अंकित उस समय के चार बृहत राज्य अथवा प्रांत से संबंधित हैं। संख्या 1, 2, 3, तथा 4 इनका प्रतिनिधित्व करते हैं:

- क. 1: राजपूताना
 2: संयुक्त प्रांत
 3: केन्द्रीय प्रांत
 4: हैदराबाद
 ख. 1: राजपूताना
 2: केन्द्रीय प्रांत
 3: पूर्वी राज्य
 4: हैदराबाद
 ग. 1: राजपूताना
 2: काठियावाड़
 3: केन्द्रीय प्रांत
 4: हैदराबाद
 घ. 1: राजपूताना
 2: संयुक्त प्रांत
 3: केन्द्रीय प्रांत
 4: मैसूर

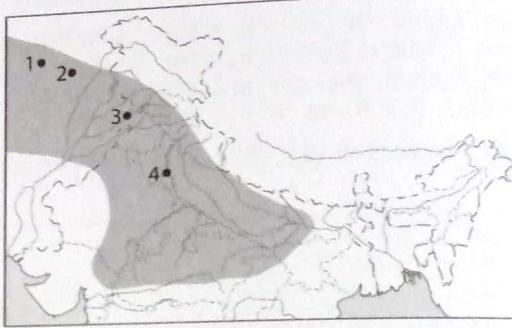


20. मानचित्र में अंकित नगर 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन सा नगर सन् 1680 में मुण्डा साम्राज्य का अंश नहीं था?

- क. 1
 ख. 2
 ग. 3
 घ. 4



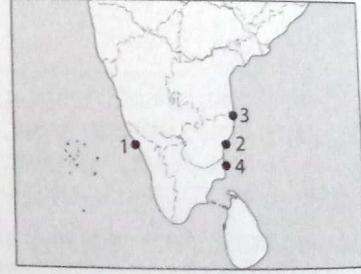
21. मानचित्र में अंकित नगर 1, 2, 3, तथा 4 बाबर के साम्राज्य के नगर थे। उन नगरों के नाम हैं:



- क. 1: काबुल, 2: पेशावर, 3: लाहौर, 4: दिल्ली
 ख. 1: काबुल, 2: पटियाला, 3: लाहौर, 4: दिल्ली
 ग. 1: मुल्तान, 2: लाहौर, 3: पटियाला, 4: दिल्ली
 घ. 1: लाहौर, 2: पटियाला, 3: दिल्ली, 4: अजमेर

22. मानचित्र में अंकित चार नगरों 1, 2, 3, तथा 4 में से कौन से 19वीं सदी के भारत में फ्रांसिसी क्षेत्र को नहीं दर्शाते?

- क. 1
 ख. 2
 ग. 3
 घ. 4



23. मानचित्र में अंकित क्षेत्रों में से किस स्थान पर सन् 1947 से पूर्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का केवल एक अधिवेशन हुआ था?



- क. 1
 ख. 2
 ग. 3
 घ. 4

नवीनता

ऑक्सफर्ड

स्टूडेंट एटलस

(भारत संस्करण)

ऑक्सफर्ड स्टूडेंट एटलस (भारत संस्करण) अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग से परिशुद्ध एवं मुलाच मानचित्र प्रस्तुत करता है। यह एटलस भारत की विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की अपेक्षाओं पर आधारित है। एटलस का यह नवीनतम संस्करण पूर्णतः जोखिमित एवं आधुनिक है, तथा उन संस्कृत लोगों की आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है जो सच लोक सेवा आवश्यकीय तोक सेवा आवश्यक तथा अन्य परीक्षणीक संस्थाओं द्वारा आवोजित प्रतियोगिता परीक्षाएँ में के इच्छुक हैं।

नवीन संस्करण की मुख्य विशेषताएँ

1 प्राचिकृत खोतों से तीव्र बहु-नवीनतम जन-सांख्यिकीय एवं सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक ऑक्टों का समावेश

4 विषयात्मक मानचित्रों में नवीनतम आंकड़ों पर आधारित उपयुक्त सांख्यिकीय तेजाचित्र

2 प्राचिकृत पृष्ठों में विभिन्न घैसेतिहास एवं संकलनात्मक, जैसे मानविक एवं मानविक कला का इतिहास, मानविक प्रस्तोत, ऋतु, ब्रह्मांड तथा पृथ्वी सहित कई नवीन तथा मूकसामयक जगहेंडों का समावेश

5 'भारतीय उपमहाद्वीप का इतिहास' पर आधारित २४ महत्वपूर्ण मानचित्र सम्पर्कित

3 मानविक विषयों जैसे- जलवायु, जन्म-जीव, जीवमंडल आसक्ति जैव एवं नम भूमि, ऊर्जा परियोजनाएं, कृषि और सामिज उत्पादन, औद्योगिक क्षेत्र, जनसंख्या, मानव विकास, पर्यटन तथा मूकना तंत्र, विरासत, पर्यावरण संबंधी संकट एवं प्राकृतिक आपदाएं, इत्यादि का उपयुक्त मानचित्रों द्वारा निरूपण

6 विश्व-राष्ट्रीय ध्वज, 'विश्व-सांख्यिकी', विश्व-भौगोलिक तुलना, तथा 'विश्व-समय मण्डल' जैसे महत्वपूर्ण तथ्य एवं आंकड़े सम्पर्कित

7 पूर्णतः नवीकृत एवं विस्तृत अनुक्रमणिका

परीक्षा-उन्मुख
विशेषताएँ

- प्रतियोगिता परीक्षाओं पर आधारित एक नवीन अनुभाग-अभ्यास प्रश्नावली
- अभ्यास प्रश्नावली को हल करने हेतु प्रासंगिक मानचित्रों तथा आंकड़ों के उपयुक्त संदर्भों का उल्लेखन
- मानचित्र पर आधारित प्रश्नों के हल हेतु एक सुबोध एवं आदर्श संदर्शिका

संलग्नक

स्थलाकृतिक मानचित्र (अंग्रेजी में)

संख्या 45 ढी/7, पैमाना: 1:50,000

संख्या 45 ढी/10, पैमाना: 1:50,000

सामान्य दीवारी मानचित्र (हिंदी में)

भारत: राजनीतिक (प्राकृतिक एवं

जलवायु-संबंधी मानचित्रों सहित)

विश्व: राजनीतिक

OXFORD
UNIVERSITY PRESS

www.india.oup.com

ISBN 0-19-947431-1



9 780199 474318

₹ 245